@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 1 सितंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 298 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

बिहार-झारखंड के बीच 25 साल पुराना सोन जल विवाद खत्म

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को नई दिल्ली में बिहार और झारखंड के बीच सोन नदी के जल बंटवारे से संबंधित समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल, बिहार के उपमुख्यमंत्री, केंद्रीय गृह सचिव और भारत सरकार और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच आज के

समझौते से पूर्वी भारत के बहुप्रतीक्षित जलविवाद का समाधान हुआ है। उन्होंने कहा कि इस समझौते से बिहार और झारखंड के बहुत बड़े ग्रामीण क्षेत्रों के लाखों किसानों को सिंचाई के लिए जल मिलने के साथ ही लोगों को पीने का पानी उपलब्ध होगा।

अमित शाह ने कहा कि सोन नदी के बंटवारे के संबंध में आज हुआ समझौता प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की गई टीम भारत की परिकल्पना और सहकारी संघवाद का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि देश के सभी राज्यों का अलग अलग अस्तित्व तो है ही मगर भारत के परिप्रेक्ष्य में सभी राज्य टीम इंडिया बनकर आगे बढ़ें तो कोई समस्या ऐसी नहीं है जिसका निराकरण न हो सके। शाह कहा कि इस वर्ष अभी तक विभिन्न राज्यों के बीच यह चौथा जल समझौता है जिससे सिंचाई, ग्रामीण विकास और पेयजल के लिए जल उपलब्धता में वृद्धि होगी।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बिहार और झारखंड के बीच लगभग 25 साल पुराने जल विवाद के हल के लिए आज हुआ यह समझौता इस बात का उदाहरण है कि सहकारी संघवाद की भावना के साथ संवाद हो तो हर समस्या का समाधान संभव है। दोनों राज्यों के एक बहुत बड़े भौगोलिक क्षेत्र, किसानों, ग्रामीण क्षेत्र और पीने के जल की समस्या का हमेशा के लिए आज निराकरण हो गया है।

> शाह ने कहा कि इस समझौते से बिहार के भोजपुर, बक्सर, रोहतास, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल, गया और पटना की बड़ी आबादी के लिए पीने के पानी और सिंचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में जल उपलब्ध हो जाएगा। इसके साथ ही, झारखंड के पलामू, गढ़वा और अन्य क्षेत्रों में सिंचाई और पीने के पानी के लिए पानी उपलब्ध हो जाएगा।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में आतंकियों के ठिकाने का भंडाफोड़

हथियार और गोला-बारूद बरामद

एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सोमवार को संयुक्त सुरक्षा बलों ने आतंकियों के एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया और ऑपरेशन के दौरान हथियार और गोला-बारूद बरामद किए। अधिकारियों ने बताया कि यह संयुक्त ऑपरेशन जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना की 44 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ ने जिले के नाइकपोरा मेमेंडर इलाके में खास जानकारी मिलने के बाद शुरू किया था। अधिकारियों ने कहा, 'एक बाग वाले इलाके में तलाशी के दौरान, टीम ने एक ठिकाने का पता लगाया और हथियार व गोला-बारूद बरामद किए, जिनमें एक एके-47, दो एके-47 मैगजीन, 7.62 एमएम के 60 राउंड गोला-बारूद, एक पिस्तौल, एक ग्रेनेड और 9 एमएम के 6 राउंड गोला-बारूद शामिल हैं। ' अधिकारियों ने आगे कहा, 'बरामद हथियारों के स्रोत और

उनके संभावित इस्तेमाल का पता लगाने के लिए आगे की जांच शुरू कर दी गई है। ' सुरक्षा बलों ने हाल ही में दक्षिण कश्मीर के कुलगाम, अनंतनाग और शोपियां जिलों में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच कई बड़े एंटी-मिलिटेंसी ऑपरेशन और घेराबंदी अभियान चलाए हैं। कुलगाम जिले में, हाई-टेक सर्विलांस उपकरणों और खास बलों का इस्तेमाल करते हुए अखल देवसर और गुद्दार के जंगली इलाकों में संयुक्त ऑपरेशन चलाए गए।

'युद्ध खत्म करना जरूरी'

बिश्केक में व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के दौरान पीएम मोदी का बयान

एजेंसी

बिश्केक । बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के लिए पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से द्विपक्षीय मुलाकात की। इस मुलाकात में पीएम मोदी ने यूक्रेन के साथ युद्ध को समाप्त करने पर जोर दिया। इस द्विपक्षीय मुलाकात में पीएम मोदी ने कहा, 'हम यूक्रेन के मुद्दे पर लगातार बातचीत करते रहे हैं। पिछली मुलाकात में भी आपने मुझे इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी थी। भारत हमेशा से शांति के प्रयासों का समर्थन करता रहा है और आगे भी करता रहेगा। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, 'युद्ध का हर बीता हुआ दिन मानवता को पीछे धकेलने का काम करता है, जबकि शांति की दिशा में उठाया गया हर कदम दुनिया में नई उम्मीद पैदा करता है। इसलिए हमें युद्ध को जारी रखने के बजाय उसे समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना होगा। यह पूरी मानवता के हित में है। ' प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि सभी विवादों और मुद्दों का जल्द से जल्द शांतिपूर्ण समाधान निकालना आज की सबसे बड़ी जरूरत है और यही भारत का स्पष्ट संदेश भी है। पीएम मोदी ने कहा कि गांधी और बुद्ध की धरती से दुनिया को हमेशा एक ही संदेश मिला है-शांति और संवाद का रास्ता ही आगे बढ़ने का रास्ता है।

एअर इंडिया की सऊदी अरब-दिल्ली फ्लाइट में बम की धमकी

क्रू को टॉयलेट में धमकी लिखा टिश्यू पेपर मिला; अहमदाबाद में इमरजेंसी लैंडिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। बम की धमकी मिलने के बाद सोमवार को एअर इंडिया की एक फ्लाइट की अहमदाबाद एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। सऊदी अरब के दम्माम से नई दिल्ली जा रही इस फ्लाइट को एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने बम की धमकी मिलने के बाद अहमदाबाद की ओर मोड़ दिया था। क्रू मेंबर को टॉयलेट में अंग्रेजी में 'बम' लिखा हुआ एक टिश्यू पेपर मिला था। क्रू ने पायलट को सूचना दी और सुरक्षा प्रोटोकॉल के मुताबिक, पायलट ने करीब के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर संपर्क कर इमरजेंसी लैंडिंग की परमिशन मांगी। मैसेज मिलते ही अहमदाबाद एयरपोर्ट ने सभी इमरजेंसी सेवाओं को एक्टिव कर दिया था। अहमदाबाद रनवे पर विमान के लैंड होते ही प्लेन को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। इसके बाद, प्लेन में सवार सभी 32 पैसेंजर्स को उतारकर एयरपोर्ट बस से टर्मिनल तक सुरक्षित पहुंचाया गया।

सीजेपी के 5 सितंबर मार्च पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- कानून व्यवस्था बिगड़ने का आधार नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) द्वारा 5 सितंबर को प्रस्तावित विरोध मार्च के खिलाफ कोई अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया। अदालत ने कहा कि इस स्तर पर यह मानने का कोई ठोस कारण नहीं है कि इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था की कोई समस्या उत्पन्न होगी। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की पीठ ने प्रस्तावित मार्च को चुनौती देने वाले एक आवेदन पर नोटिस जारी किया, लेकिन मामले को 5 सितंबर से पहले सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। छात्र

विरोध प्रदर्शनों से संबंधित अन्य लंबित मामलों के साथ इस मामले की विस्तृत सुनवाई 10 सितंबर को तय की गई थी। यह आवेदन दिल्ली पुलिस के सेवानिवृत्त अधिकारी राजेंद्र सिंह ने दायर किया था, जिसमें उन्होंने आवश्यक अनुमति के बिना राष्ट्रीय राजधानी के संवेदनशील क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन या विरोध मार्च आयोजित करने पर रोक लगाने के निर्देश देने की मांग की थी।

याचिकाकर्ता की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रिजवान अहमद ने इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक निकाले जाने वाले मार्च पर चिंता व्यक्त की। अहमद ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले आगामी ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को देखते हुए इस प्रदर्शन से कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

ममता बनर्जी ने 2021 में हार के बाद नंदीग्राम को विकास से वंचित रखा : सुवेंदु अधिकारी

एजेंसी

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को आरोप लगाया कि पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2021 विधानसभा चुनाव में नंदीग्राम से हारने के बाद बदले की भावना से वहां के लोगों को विकास कार्यों से वंचित रखा। गौरतलब है कि 2021 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को नंदीग्राम सीट से सुवेंदु अधिकारी ने लगभग 2,000 वोटों के अंतर से हराया था। बाद में ममता बनर्जी ने उसी वर्ष दक्षिण कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट से उपचुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद बरकरार रखा और लगातार तीसरी बार मुख्यमंत्री बनीं। सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'पिछले पांच वर्षों (2021 से 2026) में नंदीग्राम के लोगों को विकास कार्यों से दूर रखा गया। ममता बनर्जी 2021 में यहां से हारने के कारण नाराज थीं और इसी वजह से उन्होंने नंदीग्राम की उपेक्षा की। ' उन्होंने कहा कि नंदीग्राम में रेलवे स्टेशन बनाने की मांग लंबे समय से की जा रही थी। इसके लिए सिर्फ छह एकड़ जमीन की जरूरत थी, लेकिन पिछली सरकार ने जमीन तक आवंटित नहीं की। अधिकारी ने दावा किया, 'मुख्यमंत्री

बनने के बाद मैंने रेलवे स्टेशन के लिए 3.5 एकड़ जमीन आवंटित कर भारतीय रेलवे को सौंप दी है। बाकी जमीन भी जल्द दी जाएगी। नंदीग्राम रेलवे स्टेशन का निर्माण अगले साल मार्च तक पूरा हो जाएगा। उस स्टेशन से ट्रेन में बैठने वाला पहला व्यक्ति मैं ही बनूंगा।

बाढ़ प्रभावितों के लिए युद्ध स्तर पर सरकार का राहत अभियान जारी

भोजन से लेकर सुरक्षित ठिकाने तक के इंतजाम

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बाढ़ की चुनौती के बीच योगी सरकार ने राहत एवं बचाव कार्यों को प्राथमिकता देते हुए प्रशासनिक मशीनरी को पूरी तरह सक्रिय कर दिया है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ ही उनके लिए भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य सुविधाएं और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था लगातार की जा रही है। उत्तर प्रदेश राहत आयुक्त कार्यालय के मुताबिक, रविवार तक प्रदेश के 17 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। अब तक प्रदेश में कोई जनहानि नहीं व पशुहानि नहीं होने पाई है। योगी सरकार की निगरानी में राहत कार्य प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जारी हैं। वर्तमान में बाढ़ से करीब 1.70 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सरकार का पूरा जोर प्रभावित आबादी को तत्काल राहत सहायता उपलब्ध कराने और लोगों को सुरक्षित रखने पर है।

इसके लिए प्रभावित इलाकों में अब तक कुल 1,633 बाढ़ चौकियां स्थापित की जा चुकी हैं। इन चौकियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी की जा रही है। बाढ़ जैसी आपदा में सबसे बड़ी जरूरत प्रभावित परिवारों तक भोजन पहुंचाने की है। योगी सरकार ने इस मोर्चे पर भी व्यापक इंतजाम किए हैं। रविवार की स्थिति के मुताबिक 2,024 बाढ़ राहत खाद्यान्न पैकेट और 10,784 लंच पैकेट वितरित किए गए हैं। अब तक कुल 55,572 खाद्यान्न पैकेट और 3.02 लाख लंच पैकेट प्रभावित लोगों तक पहुंचाए जा चुके हैं। इससे राहत शिविरों और प्रभावित क्षेत्रों में रह रहे लोगों को भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है। प्रशासन द्वारा जरूरत के अनुसार राहत सामग्री का वितरण लगातार किया जा रहा है, ताकि बाढ़ के कारण रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित होने के बावजूद लोगों को भोजन के लिए परेशान न होना पड़े।

सिंधु जल संधि विवाद: भारत ने खारिज किया मध्यस्थता अदालत का फैसला

कहा- संप्रभु फैसलों पर अधिकार नहीं

ज्योति दर्पण

नई दिल्ली। भारत ने सोमवार को विश्व बैंक द्वारा गठित सिंधु जल संधि से जुड़ी मध्यस्थता अदालत के फैसले को खारिज करते हुए उसे अवैध रूप से गठित निकाय बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि इस अदालत का भारत के संप्रभु फैसलों पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला लागू रहेगा। वहीं, मध्यस्थता अदालत ने कहा है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद संधि को स्थगित करने के लिए भारत द्वारा दिए गए आधार पर्याप्त नहीं हैं और संधि अभी भी पूरी तरह लागू है।

भारत ने अदालत के गठन पर ही उठाए सवाल

विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि विश्व बैंक ने संधि की शर्तों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए इस तथाकथित मध्यस्थता अदालत का गठन किया है। भारत इस तथाकथित अदालत के फैसले को उसी तरह खारिज करता है, जिस तरह

उसने पहले भी इस 'अवैध रूप से गठित' संस्था की सभी टिप्पणियों और फैसलों को खारिज किया है। भारत ने कानून की नजर में इस अवैध रूप से गठित तथाकथित मध्यस्थता अदालत के अस्तित्व को कभी मान्यता नहीं दी है और लगातार यह रुख कायम रखा है कि इस कथित मध्यस्थता निकाय की स्थापना ही सिंधु जल संधि का गंभीर उल्लंघन है।

भारत ने कार्यवाही में हिस्सा लेने से किया इनकार

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, 'भारत ने इस निकाय के सामने कभी पैरवी नहीं की और इसके पहले दिए गए किसी भी फैसले या टिप्पणी को मानने से भी इनकार किया है। भारत ने इस निकाय के सामने कभी उपस्थिति दर्ज नहीं कराई और इसके पहले के किसी भी फैसले पर कोई संज्ञान लेने से इनकार किया है।' विदेश मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मध्यस्थता अदालत के पास भारत के संप्रभु फैसलों पर किसी भी तरह का अधिकार क्षेत्र नहीं है। अब या भविष्य में इसके दिए गए किसी भी फैसले का भारत द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं से जुड़े उसके कदमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से पूरी इमारत जमींदोज, 11 की मौत

एक घंटे रोकना पड़ा ट्रेनों का संचालन

एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कौशांबी में सोमवार को पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट से 11 लोगों की मौत हो गई। इस विस्फोट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि घटनास्थल के बगल

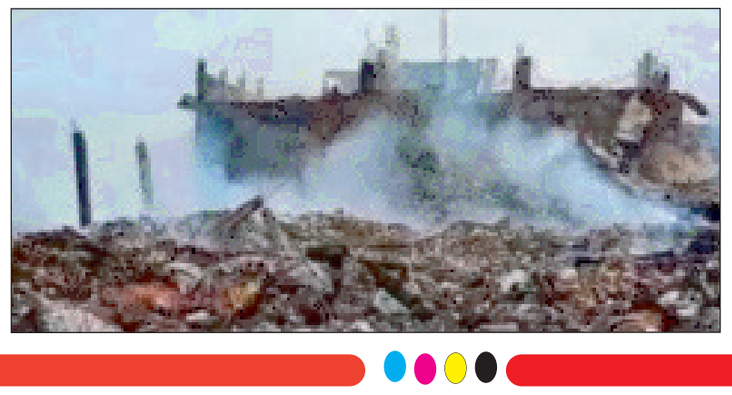

से गुजर रही दिल्ली-हावड़ा लाइन पर रेलगाड़ियों का संचालन एक घंटे के लिए रोक दिया गया था। न्यूज एजेंसी के अनुसार, घटनास्थल के पास पहुंची अजमेर सियालदह एक्सप्रेस को मनोरी रेलवे स्टेशन पर वापस भेज दिया गया। दिल्ली से बनारस जा रही वंदे भारत ट्रेन को एक स्टेशन पीछे सैयद सरावा रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया था।

कौशांबी-प्रयागराज सीमा के पास हुआ हादसा

कौशांबी के मनौरी स्थित थाना पुरामुफ्ती क्षेत्र में हुए इस हादसे में कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटनास्थल प्रयागराज और कौशांबी की सीमा के पास बताया जा रहा है। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री के आसपास करीब 50 मीटर के दायरे में स्थित 5 से 7 मकान भी क्षतिग्रस्त हो गए। धमाके के बाद पूरे इलाके में धुएं का गुबार छा गया। फैक्ट्री में रखे पटाखों में आग लगने के कारण काफी देर तक धमाकों की आवाज आती रही। बताया जा रहा है कि विस्फोट की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी।

बिहार के मंत्री ने तेज प्रताप को 50 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा

-नोटिस में माफी मांगने और लगाए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई

पटना (एजेंसी)। बिहार सरकार में लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग मंत्री संजय कुमार सिंह ने जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के अध्यक्ष तेज प्रताप यादव को 50 करोड़ रुपए का कानूनी मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में तेज प्रताप यादव की ओर से एक्स और फेसबुक पर लगाए गए आरोपों को पूरी तरह झूठा, निराधार, दुर्भावनापूर्ण और मंत्री की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। नोटिस में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर लगाए गए इन आरोपों से मंत्री की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कानूनी नोटिस में तेज प्रताप यादव से 7 दिन के अंदर सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और लगाए गए आरोपों का खंडन करने की मांग की गई है। नोटिस में साफ कहा गया है कि अगर तय समय में ऐसा नहीं किया तो तेज प्रताप यादव के खिलाफ 50 करोड़ रुपए की मानहानि का सिविल और क्रिमिनल केस दर्ज कराया जाएगा। बता दें तेज प्रताप यादव ने एक्स पर एक पोस्ट कर मंत्री संजय कुमार सिंह पर गंभीर आरोप लगाए थे। तेज प्रताप ने आरोप लगाया था कि मंत्री संजय कुमार सिंह ने दिल्ली दौरे के दौरान एक बड़े होटल में एक महिला कर्मचारी के साथ कथित तौर पर अभद्र व्यवहार किया और उसके साथ शोषण का प्रयास किया। तेज प्रताप यादव ने पूरे मामले की सरकार से निष्पक्ष जांच की मांग भी की थी। उन्होंने यह भी दावा किया था कि मामले को दबाने और रफा-दफा करने के लिए कथित तौर पर 25 लाख रुपए का लेन-देन किया गया। तेज प्रताप यादव की ओर से लगाए गए इन आरोपों की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, मंत्री संजय कुमार सिंह की ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस में इन आरोपों को झूठा और निराधार बताया गया है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार, 25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता (एजेंसी)। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकर्ताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

चीनी मांझे ने ली पूर्व सैनिक की जान, ड्यूटी खत्म होने के बाद लौट रहे थे घर

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू में चीनी मांझे से गला कटने के कारण एक पूर्व सैनिक की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि सेवानिवृत्त नायब सूबेदार लखविंदर सिंह रविवार देर रात दोपहिया वाहन से बिश्नाह इलाके से गुजर रहे थे, तभी वह इस जानलेवा मांझे की चपेट में आ गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लखविंदर को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक लखविंदर सिंह बाड़ी ब्राह्मण स्थित एक औद्योगिक इकाई में निजी सुरक्षा गार्ड के तौर पर काम करते थे और ड्यूटी खत्म करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। प्रशासन ने चीनी पतंग की डोर या मांझे की बिक्री और इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद प्रतिबंधित सामग्री की चोरी-छिपे बिक्री करने के आरोप में हाल के दिनों में जम्मू में कई दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है। इस ताजा घटना के बाद प्रतिबंध को लागू करने को लेकर चिंता बढ़ गई है। लोगों ने इसके इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए प्रयास जारी हैं।

केदारनाथ में उमड़ा आस्था का सैलाब : बारिश भी नहीं रोक सकी लाखों भक्तों की भीड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में इन दिनों आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। पहाड़ी इलाकों में लगातार हो रही बारिश और बदलते मौसम के बावजूद, बाबा केदार के भक्तों का उत्साह कम नहीं हो रहा है। देश के हर कोने-कोने से श्रद्धालु तमाम चुनौतियों का सामना कर केदारनाथ धाम पहुंच रहे हैं, जिससे यात्रा निर्बाध रूप से जारी है।

जयललिता की राह पर जोसेफ विजय? पीएम पद की चर्चा पर कांग्रेस-डीएमके की कड़ी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली, एजेंसी।
चेन्नई,(ईएमएस)। एक ताजा सर्वे में मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को प्रधानमंत्री पद के लिए 9 प्रतिशत जनसमर्थन मिलने के बाद, उनकी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर बहस शुरु हो गई है। इस सर्वे में विजय, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बाद तीसरे स्थान कायम हुए है। इसके बाद सवाल उठने लगा है कि क्या उनकी पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके), पूर्व मुख्यमंत्री जे.जयललिता की 2014 की रणनीति दोहराने पर विचार कर रही है, जब उन्होंने खुद को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर 37 लोकसभा सीटें जीती थीं। टीवीके नेताओं के.ए. सेंगोट्टैयन और सी.टी.आर. निर्मल कुमार ने विजय को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने की संभावना से इंकार नहीं किया है। हालांकि, इस बात पर विपक्षी डीएमके और

विजय की सरकार में सहयोगी कांग्रेस ने कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता और उच्च शिक्षा मंत्री पी. विश्वनाथन ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ही उनकी पार्टी के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार है। कांग्रेस ने यहां तक धमकी दी है कि यदि विजय की पार्टी 2029 में राहुल गांधी का समर्थन नहीं करती है, तब वे विजय की कैबिनेट से हट जाएंगे। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने सर्वे के आंकड़ों को खारिज कर कहा कि हर आंकड़ा सच नहीं बताता और हर सर्वे लोगों की आवाज नहीं होता।
क्षेत्रीय सहयोगी जैसे वाइको की एमडीएमके, थोल. थिरुमावलवन की वीसीके और आईयूएलएम शायद इस तरह के अभियान का विरोध न करें और टीवीके गठबंधन में बने रहें, लेकिन राहुल गांधी को आगे बढ़ाने की इच्छुक कांग्रेस के लिए यह स्थिति मुश्किल पैदा कर सकती है। डीएमके नेता आरएस भारती ने टीवीके की बातों का मज़ाक उड़ाकर कहा कि उनकी कल्पना की कोई सीमा नहीं है और वे विजय को संयुक्त राष्ट्र प्रमुख भी बता सकते हैं। गौरतलब है कि टीवीके अभी तक इंडिया गठबंधन का हिस्सा नहीं बनी है, और लोकसभा चुनावों के लिए उसकी रणनीति का भी अभी तक पता नहीं चला है, जो इस पूरे विवाद को और गहराता है।

पटना में जहरीली शराब का कहर : विपक्ष ने सम्राट सरकार को घेरा

पटना (एजेंसी)। पटना जिले के बाढ़ क्षेत्र में कथित तौर पर जहरीली शराब पीने से चार लोगों की मौत हुई है। इस घटना ने राज्य में कानून-व्यवस्था और शराबबंदी पर फिर से सवाल खड़े किए हैं। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और ऐसी मौतें लगातार हो रही हैं। राजद नेता यादव ने प्रशासन की बड़े पैमाने पर लापरवाही का आरोप लगाकर कहा कि गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं और उल्टे उन पर ही मामले दर्ज कर जेल भेजा जा रहा है। उन्होंने इन मौतों की गहन जांच की मांग की। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस मुद्दे पर गंभीर है और जांच के आदेश दे दिए हैं। दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने भी जहरीली शराब से होने वाली मौतों पर चिंता जाहिर की गई। उन्होंने लोगों से शराब का सेवन छोड़ने की अपील करते हुए कहा कि शराब किसी भी रूप में मौत की ओर ही ले जाती है। उन्होंने भी स्थानीय प्रशासन से मामले की जांच का आग्रह किया।

शुद्धिकरण मामला: वाल्मीकि समाज की शिकायत पर राहुल पर प्राथमिकी दर्ज

-आरोप- राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुईं

हल्द्वानी, एजेंसी।
उत्तराखंड के हल्द्वानी स्थित रामलीला मैदान में 'शुद्धिकरण' के मामले को लेकर की गई विवादित टिप्पणी के लिए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने बताया कि हल्द्वानी के वाल्मीकि समाज की शिकायत पर कोतवाली थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।
मीडिया रिपोर्ट में पुलिस के हवाले से बताया गया है कि शिकायत में राहुल गांधी को आरोपी बनाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने इस विवाद को लेकर अपनी टिप्पणी में यज्ञ कार्यक्रम को जातिगत रंग दिया और इससे जुड़े लोगों को 'छुआछूत मानने वाला' और 'दलित विरोधी' बताने की कोशिश की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की टिप्पणी से वाल्मीकि समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। कुमार ने कहा कि कार्यक्रम में अनुसूचित जाति सहित विभिन्न वर्गों के लोग शामिल हुए थे और इसका कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे या किसी व्यक्ति विशेष से कोई संबंध नहीं था।
पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसके अलावा प्राथमिकी में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की धाराएं भी जोड़ी गई हैं। इससे पहले शिकायतकर्ता ने शिकायत के साथ पुलिस को संबंधित प्रेस वार्ता की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और आठ व 11 अगस्त के कार्यक्रमों के फोटो-वीडियो पर संज्ञान लेने तथा संबंधित लोगों के बयान दर्ज करने का अनुरोध किया था। शिकायत की प्रतियां नैनीताल के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अन्य अधिकारियों के साथ ही राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग को भी भेजी गई थी। बता दें हल्द्वानी के रामलीला मैदान में 8 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे की जनसभा के बाद 11 अगस्त को कुछ लोगों ने वहां 'शुद्धिकरण यज्ञ' किया था, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया था। कांग्रेस जहां मामले को बीजेपी की दलित विरोधी सोच बता रही है, वहीं बीजेपी ने यह कहते हुए इसका बचाव किया कि खड़गे की जनसभा में गंदगी फैलाई और ऐसे नारे लगे जो धार्मिक स्थान पर नहीं लगने चाहिए थे।

पीएम मोदी का बाबर के देश में सम्मान, बीजेपी वालो मुबारक हो...

ओवैसी ने प्रधानमंत्री मोदी को उज्बेकिस्तान का सर्वोच्च सम्मान मिलने पर कसा तंज

नई दिल्ली, एजेंसी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उज्बेकिस्तान के सर्वोच्च मित्रता सम्मान से सम्मानित किए जाने के बाद इस पर सियासत शुरू हो गई है। एआईएमआईएम प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री को मिले सम्मान को लेकर भाजपा और आरएसएस पर तंज कसा है। ओवैसी ने कहा कि भाजपा को बधाई दी जानी चाहिए कि जिस देश से बाबर भारत आया था, उसी देश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सम्मानित किया है।
ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जहां भी जाते हैं, उन्हें सम्मान मिलता है। उन्होंने भाजपा और संघ परिवार के पुराने राजनीतिक बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि जिस बाबर के नाम पर उन्हें गालियां दी जाती थीं, अब उसी क्षेत्र के देश ने प्रधानमंत्री को नागरिक सम्मान दिया है। ओवैसी ने कहा कि ÷मैं मुबारकबाद देता हूं बीजेपी वालों को कि उस देश ने भी प्रधानमंत्री को अवार्ड दे दिया, जहां से

बाबर भारत आए थे।÷ उन्होंने आरएसएस और संघ परिवार से इस मुद्दे पर सोचने की बात कही और उम्मीद जताई कि अब बाबर का नाम लेकर उसी तरह की राजनीतिक बयानबाजी नहीं की जाएगी।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

ताशकंद में पीएम मोदी को मिला सर्वोच्च सम्मान

30 अगस्त 2026 को ताशकंद में उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश के सर्वोच्च मित्रता सम्मान 'ओली दाराजाली दोस्तलिक' से सम्मानित किया। यह सम्मान किसी मित्र देश के नेता को दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में योगदान के लिए दिया जाता है। 'ओली दाराजाली' का अर्थ 'सर्वोच्च स्तर', जबकि 'दोस्तलिक' का अर्थ 'मित्रता' है। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मान मिलने के बाद इसे भारत और उज्बेकिस्तान के बीच मजबूत और स्थायी संबंधों को समर्पित किया।

मायावती का महिला मतदाताओं से रेवड़ी संस्कृति से सतर्क रहने का आह्वान

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व सीएम मायावती ने महिला मतदाताओं से निजी लाभ वाले लुभावने वादों और मुफ्त सुविधाओं (रेवड़ियों) से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि ये चुनावों को अनुचित तरीके से प्रभावित करती हैं। उत्तरप्रदेश के सभी मंडल व जिला इकाइयों के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक में उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों और उम्मीदवारों के चयन की प्रगति की समीक्षा की। मायावती का बयान संभवतः सपा की हालिया घोषणा की ओर इशारा था, जिसमें हर गरीब महिला को प्रतिवर्ष 40,000 देने, उन्हें आत्मनिर्भर बनाने और मुफ्त लैपटॉप, साइकिल व मोबाइल फोन वितरित करने की बात कही थी।
बसपा प्रमुख ने कहा कि चुनावी स्वार्थ के लिए मतदान से पहले इसतरह के निजी लाभ पहुंचाने वाली घोषणाओं से चुनाव गलत तरीके से प्रभावित होते हैं। उन्होंने यूपी की जनता को आगाह कर कहा कि चुनाव के बाद सरकार बनने पर देश के कई राज्यों में वादाखिलाफी आम बात है। इसलिए लोगों को विरोधी दलों के खुलेआम छलावे और विश्वासघात से बचकर स्वतंत्र व निष्पक्ष मतदान करना चाहिए। उन्होंने बताया कि वादाखिलाफी और जनहित के प्रति गैर-जिम्मेदारी के खिलाफ बसपा के संघर्ष के साथ, जेन-जी और जेन-अल्फा पीढ़ी के युवाओं को आवाज उठानी पड़ रही है, जिसके कारण उन्हें पुलिस मामलों और सरकारी दमन का सामना करना पड़ता है।
मायावती ने सत्तारूढ़ भाजपा सरकार पर निशाना साधकर कहा कि महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी और पलायन से यूपी की जनता त्रस्त है। केंद्र सरकार की घोषणाएं ऊंट के मुंह में जीरा

साबित हो रही हैं और इनमें समस्या समाधान से अधिक चुनावी छलावा नजर आता है। उन्होंने जोर दिया कि जनहित और जनकल्याण का दायित्व निभाना सभी सरकारों की संवैधानिक जिम्मेदारी है और इसे लगातार जारी रखना चाहिए। बसपा सरकारों ने बिना किसी चुनाव का इंतजार किए इस दायित्व को निभाया और सामाजिक परिवर्तन व आर्थिक मुक्ति के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व मुख्यमंत्री ने नौ अक्टूबर को बसपा संस्थापक कांशीराम की पुण्यतिथि के कार्यक्रम को पूरी निष्ठा से आयोजित करने का निर्देश दिया। यह कार्यक्रम इस वर्ष केवल लखनऊ में वीआईपी रोड पर स्थित मान्यवर श्री कांशीराम जी स्मारक स्थल में होगा, जहां पूरे प्रदेश से लोग कांशीराम को श्रद्धांजलि देने एकत्र हो।

हमारे तिरंगे और मेरे देश का अपमान न करें, इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

रिजिजू ने न्यूयॉर्क में तिरंगे का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में प्रदर्शन के दौरान भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने वाले प्रदर्शनकारियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लोगों को आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है लेकिन देश और राष्ट्रीय ध्वज का अपमान महंगा पड़ेगा। यह विरोध प्रदर्शन शनिवार को हुआ जब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत न्यूयॉर्क के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विरोध प्रदर्शन का एक वीडियो शेयर किया, जिसमें कथित तौर पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करते दिखाया गया

है।
रिपोर्ट के मुताबिक एक्स पर पोस्ट में रिजिजू ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा- हमने हमेशा कहा है कि आपको आरएसएस, बीजेपी या सरकार की आलोचना करने की आजादी है, लेकिन हमारे देश को बुरा-भला न कहें। हमारे झंडे और मेरे देश का अपमान न करें। इसकी आपको भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भागवत ने अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम के अपने तीन देशों के दौरे के पहले चरण के तहत यूनिवर्सल वननेस सेलिब्रेशन को संबोधित किया। वे आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के हिस्से के तौर पर वहां के स्थानीय संगठनों के निमंत्रण पर पहुंचे थे।
अपने संबोधन में भागवत ने कहा कि भले ही भारत प्रवासी भारतीयों की जन्मभूमि है, लेकिन जिस देश में वे रहते हैं वह उनकी कर्मभूमि है। इसलिए उन्हें सबसे पहले अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए और उस देश के प्रति वफादार रहना चाहिए जहां वे रहते हैं।

पटाखा फैक्टरी में भीषण आग, 11 की मौत, कई की हालत बेहद नाजुक

कौशाम्बी, एजेंसी।
यूपी के कौशाम्बी जिले के पिपरी थाना क्षेत्र के मनौरी बाजार में सोमवार दोपहर करीब 12 बजे एक पटाखा फैक्टरी में अचानक आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग लगते ही फैक्टरी में रखे पटाखों में एक के बाद एक तेज धमाके होने लगे। धमाकों की आवाज करीब दो किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। कुछ ही देर में फैक्टरी से उठे धुएं के गुबार ने आसपास के इलाके को ढक लिया, जिससे बाजार में अफरा-तफरी मच गई। धमाके में कई परिवारों के मकान धराशायी हो गए। फिलहाल हादसे में 11 लोगों की मौत हो जाने की सूचना है। वहीं, दर्जनभर से अधिक लोगों की हालत बेहद नाजुक बनी हुई है। मृतकों का आंकड़ा बढ़ भी सकता है। मौके पर प्रयागराज के एडीजी, आईजी, डीआईजी, अपर पुलिस आयुक्त के अलावा कौशाम्बी के डीएम और एसपी पहुंच गए हैं। झुलसे लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा गया है।
बताया जा रहा है कि बस्ती से कुछ दूरी पर एक मकान में पटाखा फैक्टरी संचालित हो रही थी। हादसे के समय अंदर करीब दर्जनभर लोगों के मौजूद होने की सूचना है। आग लगने के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन लगातार हो रहे धमाकों के कारण अंदर जाना मुश्किल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मकान से अचानक धुआं उठने के बाद पटाखों में विस्फोट शुरू हुआ। मकान के ऊपर से बिजली के तार भी गुजर रहे हैं। हादसे में एक दर्जन से अधिक लोगों के गंभीर रूप से झुलसने की सूचना मिल रही है। मौके पर पुलिस अधिकारियों के साथ दो थानों की फोर्स राहत-बचाव में जुटी है। घायलों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया जा रहा है।

ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में होगा मेगा ट्रेड फेयर, मोदी-पुतिन होंगे शामिल!

-इस प्रदर्शनी से औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी।
18वें ब्रिक्स समिट से पहले दिल्ली में 9 से 11 सितंबर के बीच पहला बड़ा भारत-रूस इंटरनेशनल इंडस्ट्रियल ट्रेड फेयर आयोजित होने जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पहुंचने की उम्मीद है। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि इस प्रदर्शनी से दोनों देशों के बीच सीधे व्यापारिक जुड़ाव, टेक्नोलॉजी पार्टनरशिप और संयुक्त औद्योगिक प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए नए अवसर मिलने की उम्मीद है। इसी बीच रूसी राष्ट्रपति पुतिन 12-13 सितंबर को होने वाले ब्रिक्स समिट में शामिल होने के लिए भारत आएंगे।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत-रूस संबंधों के जानकारों का कहना है कि मोदी और पुतिन का इस प्रदर्शनी का दौरा यह दिखाता है कि दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आर्थिक सहयोग को कितना महत्व दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम से जुड़े लोगों ने बताया कि प्रदर्शनी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग, रसायन, डिजिटल तकनीक, खनन एवं उत्खनन तकनीक, मानव-केंद्रित तकनीक और द्विपक्षीय व्यापार एवं औद्योगिक सहयोग जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा।
जानकारी के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स समिट की बैठक में शामिल होने के लिए नई दिल्ली का दौरा कर सकते हैं। पुतिन का नई दिल्ली दौरा एक साल में दूसरी बार है। वहीं भारत ने इस साल 13 जनवरी 2026 को ब्रिक्स समूह की अध्यक्षता संभाली थी। 14 जनवरी के आसपास भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस समिट से जुड़े आधिकारिक थीम, लोगो और वेबसाइट का शुभारंभ किया था। इससे पहले पुतिन दिसंबर 2025 में दो दिवसीय दौरे पर भारत आए थे, जहां उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की और 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे।

मुंह में डाली नाल तो कभी कनपटी पर सटाया तमंचा

कन्नौज। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। छिबरामऊ इलाके में सिरफिरे युवक ने शुक्रवार को अपनी पत्नी को बुलवाने के लिए उसके दो बच्चों को तमंचे के बल पर बंधक बना लिया। कभी खुद को तो कभी बच्चों को गोली मारने की धमकी देते हुए आठ घंटे तक पुलिस को छकाया। पुलिस ने किसी तरह बच्चों को मुक्त कराया। इसके बाद मुठभेड़ में युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। सिरफिरे के फायर झोंकने से हाथ में गोली लगने से एसओजी प्रभारी भी घायल हो गए। तालग्राम क्षेत्र के ग्राम सलेमपुर निवासी दीपू चक ने छिबरामऊ निवासी महिला से चार माह पहले कोर्ट मैरिज की थी। महिला के पहले पति की मौत हो चुकी है। उसकी 13 साल की बेटी और आठ साल का बेटा नानी के घर में रहते हैं। कुछ दिन पहले महिला दीपू को छोड़कर कहीं चली गई। एएसपी अजय कुमार के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 11:30 बजे दीपू पत्नी की तलाश में उसके मायके पहुंचा। दीपू ने उसके दोनों बच्चों को कमरे में तमंचा सटाकर बंधक बना लिया। लोगों की सूचना पर 12:30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को समझाने लगी। मौका देखकर बेटी बाहर आ गई। एएसपी अजय कुमार दरवाजा खुलवाने के लिए घंटों दीपू से बात करते रहे लेकिन वह पत्नी को बुलवाने की जिद पर ही अड़ा रहा। एसओजी प्रभारी देवेश पाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शाम करीब 7:13 बजे एसओजी ने पत्नी को बुलवाने का आश्वासन दिया। इसके बाद बेटे को कमरे से बाहर निकलवाया। एसओजी प्रभारी दीपू को पकड़ने लगे तो उसने तमंचे से फायर कर दिया। गोली एसओजी प्रभारी के हाथ को छूते हुए निकल गई। पुलिस की जवाबी फायरिंग में गोली दीपू के पैर में लगी। शाम करीब 7:15 बजे पुलिस उसे गिरफ्तार कर सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसपी विनोद कुमार ने बताया कि वीडियो कॉल से दीपू की पत्नी से बात कराई गई। इसके बाद युवक और आक्रोशित हो गया और उसने बच्चे के सिर पर तमंचा लगा दिया। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है। दीपू के पास से सात कारतूस बरामद हुए हैं। खुद की कनपटी पर तमंचा रखे दीपू और पास में ही मौत के खौफ की दहशत में बैठा मासूम सिसक रहा था। एएसपी व सीओ युवक के समझाने में जुटे थे। युवक ने बताया कि उसने चार माह पहले बच्चे की मां के साथ कन्नौज में कोर्ट मैरिज की थी। इसके बाद दोनों दिल्ली चले गए। वहां से महिला बिना बताए कहीं लापता हो गई। फोन भी बंद कर लिया। युवक बार-बार अफसरों को धमका रहा था कि महिला को मौके पर बुलाओ। उसके आने में चाहे कितना भी समय लग जाए। न तो खुद की कनपटी से तमंचा हटाएगा और न ही बच्चे को छो?गा। किशोरी और उसके को तमंचे की दम पर बंधक बनाने के बाद काफी देर तक दीपू कभी बच्चे की मुंह में तमंचे की नाल डालता तो कभी कनपटी पर लगाकर उनकी मां को बुलाने के लिए धमकाता। इस बीच किशोरी सूझबूझ दिखाते हुए फोन लाकर मां से बात कराने की बात कहकर कमरे से बाहर निकल गई। दूसरी तरफ भाई के मौत के मुंह में होने पर वह आसपास के लोगों से चीख-चीख कर उसे बचाने के लिए हाथ-पैर जो?ती रही। करीब 7:13 बजे सिरफिरे दीपू के चंगुल से छूटा आठ वर्षीय बच्चा इस कदर दहशत में था कि उसके मुंह से बोल नहीं निकल रहे थे। करीब आठ घंटे तक भूखे और प्यासे रहे बच्चे के लिए लोगों ने आनन-फानन भोजन और पानी की व्यवस्था की। उसकी आंखों के सामने मौत का मंजर घूम रहा था। किसी भी चीज को हाथ लगाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। पुलिस कर्मियों के साथ लोगों ने उसे ढांढ़स बंधाया।

दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैंसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

प्रेम विवाह के एक महीने बाद युवक की मौत, फंदे से लटका मिला शव, पत्नी ने बताई ये वजह

बरेली। बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के गांव नवदिया में रविवार सुबह 28 वर्षीय फैजान नाम के युवक का शव फंदे से लटका मिला। उसने करीब एक महीने पहले प्रेम विवाह किया था। इसके बाद से वह परिवार से अलग रह रहा था। उसकी पत्नी जास्मीन ने बताया कि प्रेम विवाह के कारण फैजान के परिवार के लोग उससे संबंध रखने से इन्कार कर रहे थे। इसी बात को लेकर फैजान तनाव में था। पत्नी ने आत्महत्या की बात कही है। जास्मीन ने बताया कि वह लोग निकाह के बाद से अलग रह रहे थे। रात में शौहर खाना खाकर सोए थे। उसे भी अंदाजा नहीं था कि फैजान ऐसा कर लेंगे। सुबह वह जागी तो देखा कि फैजान का शव उसके दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका है। उसने तुरंत अपने मायके और ससुराल पक्ष के लोगों को सूचना दी। परिजनों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मौत की वजह को लेकर जांच शुरू कर दी है। फैजान के परिजन ने शव में सिर से खून निकलने की बात कहते हुए कुछ गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। वहीं जास्मीन ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि प्रेम विवाह के कारण फैजान के परिवार के लोग उससे संबंध रखने से इन्कार कर रहे थे। इस बात को लेकर फैजान तनाव में था। फैजान दो भाइयों और एक बहन में सबसे बड़ा था। वह एक निजी अस्पताल में वार्ड ब्वॉय के रूप में काम करता था।

महिला से कुंडल ठगने वाले दो शातिर मुठभेड़ में घायल, दोनों के पैर में लगी गोली

गाजियाबाद। गाजियाबाद की स्वाट और सिहानी गेट थाना पुलिस ने महिला से जेवर की टप्पेबाजी करने वाले दो बदमाशो को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि इनके दो साथी पैर में गोली लगने से घायल साथियों को छोड़कर भाग गए। एसीपी जियाउद्दीन अहमद ने बताया कि महिंद्रा तिराहा क्षेत्र में पुलिस संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली कि बीती 15 अगस्त से पहले बस अड्डे से एक महिला को ऑटो में बिठाकर, बहला-फुसलाकर उसके सोने के कुंडल ठगने वाले चार शातिर अपराधी एक ऑटो से लोहियानगर की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत लोहियानगर रोड पर घेराबंदी कर दी। हमदर्द ग्राउंड में फायरिंग और जवाबी कार्रवाई लोहियानगर रोड पर पुलिस को देखकर ऑटो सवार चारों बदमाशों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम ने जब उनका पीछा किया, तो बदमाशों का ऑटो हमदर्द ग्राउंड में जाकर फंस गया। खुद को घिरा देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी फायरिंग में जिसमें दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए और जमीन पर गिर पड़े। वहीं, दो अन्य बदमाश रात के अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। घायल बदमाशों को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। पूछताछ में बदमाशो ने अपने नाम साकिर उर्फ शबीर (28) निवासी- मंडोला गेट, थाना ट्रॉनिका सिटी और पवन (32) निवासी- सादाबाद दुगराबली, थाना ट्रॉनिका सिटी बताए हैं जबकि फरार साथियों के नाम , शादाब, निवासी - निकट लोनी इंटर कॉलेज, लोनी तिराहा, थाना लोनी और सुमित निवासी बंथला फाटक, थाना लोनी बताए हैं। एसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशो ने 15 अगस्त को लोहियानगर निवासी महिला को ऑटो में बैठाकर पुलिस चेकिंग का भय दिखाकर कानों के कुंडल उतरवा लिए थे और महिला को मेरठ रोड पर छोड़कर भाग गए थे।

कुत्ता घुमाने पर हुए विवाद में पिस्टल दिखाकर धमकी देने का आरोप

लोनी। कुत्ता घुमाने को लेकर विवाद के बाद ट्रोनिका सिटी थानाक्षेत्र की रामपार्क एक्सटेंशन कॉलोनी में पड़ोसियों के बीच मारपीट हो गई। एक पक्ष ने पिस्टल दिखाकर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। कॉलोनी निवासी कीर्ति तंवर ने पुलिस को बताया कि 18 अगस्त की रात उनकी बहन गली में कुत्ता घुमा रही थीं। इसी दौरान पड़ोसन अक्षरा ने उनकी मां काजल और बहन के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। शोर सुनकर वह भी घर से बाहर आईं और आरोपियों को समझाने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान अक्षरा के पति रितिक धामा ने उनकी मां काजल की कनपटी पर पिस्टल लगाकर जान से मारने की धमकी दी। वहीं, रितिक के साथी तुषार पर तीनों मां बेटियों के साथ मारपीट का आरोप है। एसीपी लोनी राम किशन ने बताया कि शिकायत के आधार पर अक्षरा, प्रिया, रितिक धामा और तुषार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

NAME CHANGE

I, hitherto Known as GAYA DEEN GOSWAMI S/O DHARM RAJ GOSWAMI R/O D-903, Gali No-4, Vikas Kunj, Loni Dehat Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as GAYADEEN GOSWAMI.

NAME CHANGE

I, hitherto known as ROHTASH S/O PREM SINGH R/O G-1016, Ram Park Vistar, Ilaichipur, Haqiqatpur Urf Khudawas, PO: Loni, Dist: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed my name and shall hereafter be known as SUNIL NAGAR.

NAME CHANGE

I, Seema W/O Vijay Kumar, H.No.-178FF Shardha Niketan, Dipali Chowk, Pitampura, PO: Saraswati Nagar, Dist: North West Delhi State :Delhi, Pin:110034 Have Changed My Name To Seema Mittal For All The Future Purposes.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SANTOS Mother of No-6495456A Rank-HAV Name-NARENDER KUMAR Presently residing at 227, COY ASC SUP TYPE 'B', in my son's service records, my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1962, instead of my correct date of birth as 02/07/1955, vide affidavit dated 31/08/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE

I, Savitri W/o Late Inder Pal @ Inderpal Koli hereby give public notice to my son Mr. RAMESH KUMAR that a Relinquishment Deed has been executed on 04/08/2026 in my favour by my all the legal heirs in respect of property bearing No. 475, measuring 60 Sq. Yds., situated at Molarband Extension, Badarpur, New Delhi-110044, except one of my son Mr. RAMESH KUMAR. If any objection to be raised by RAMESH KUMAR against the said Relinquishment Deed which was executed on 04/08/2026, it should be intimated/informed to me within 15 (fifteen) days from the date of publication of this notice.

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the public at large that my clients Sh. Anil Kumar S/o Sh. Har Dayal and Smt. Meera W/o Sh. Anil Kumar both R/o Rz-330/356, Gali No.7, Shiv Puri, South West District, West Sagarpur, New Delhi-110046 disown/debar their son namely Sh. Navin and daughter-in-law Mrs. Mamta from all moveable, immoveable properties and from all connections and relations as they are not obeying and respecting my clients and my clients will not be responsible for any acts committed by them and if any one deals with them shall be doing at his/her own costs and risks.

SUMIT GUPTA ADVOCATE
HIGH COURT OF DELHI .
Office at:
Flat no.624, Ground Floor, Studio Apartments, Sector-16B, Dwarka New Delhi-110078
Mob. No.: 8750482795

NAME CHANGE

I, Unnikrishnan S/O Shankaran QTR No. 99, Type -3 Dr. Bsa Hospital Complex, Sector -6, Rohini PO: Rohini Sector -7 Dist : North West Delhi Pin:110085 Have Changed My Name To Unni Krishnan K S For All The Future Purposes.

सार्वजनिक एग्रीमेंट सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि में सुमन W/o कर्मवीर R/o गाँव गगड़वा, जिला झज्जर हरियाणा, सुजानी W/o श्रीभगवान S/o दलेल सिंह R/o 22 गाँव गालिबपुर नई दिल्ली-73 से एग्रीमेन्ट के तहत उनके पोते उम्र 6 साल दिव्यांश DIVYAANSH S/o महेश कुमार की (12) बारह साल तक केयर टेकर (देखभाल पालन-पोषण) हेतू तैयार हूँ जब तक दिव्यांश 18 अठारहा साल का होगा, दिव्यांश की माँ की मृत्यु हो चुकी है पिता कानूनी मामलों में फसा है उपरोक्त एग्रीमेन्ट से दोनो उपरोक्त पार्टी सहमत है 12 बारह साल तक, मेरा सुमन W/o कर्मवीर खाना पीना रहना सहना सारा खर्चा परिवार के सदस्य की तरह रखने पर सहमत है दिव्यांश के दादा दादी में अपना दुख हादसा भूल सकू परिवार में रहकर उपरोक्त एग्रीमेंट भाईचारा रिश्तों के तहत है।

सुमन W/o कर्मवीर

NAME CHANGE

I SHALLU W/O Manish Chadha resident of E - 204 , B.P.T.P , Princess Park , Tower E , Near Sai Mandir , Sector 86 , Faridabad , Haryana changed my name to SHALU CHADHA

NAME CHANGE

I ADIBA KHURSHEED W/0 MOHAMMAD FAIZAN R/0 H.NO. 3497 BAZAR LAL KUAN MAIN ROAD NEAR BY HAMDARD DAWAKHANA DELHI 110006 CHANGED MY NAME TO ADEEBA KHURSHEED

NAME CHANGE

I MOHAMMAD ABID S0 MOHAMMAD SHAFI R0 E-137 GALI NO 11 CHAND BAGH DELHI 110094 CHANGED MY NAME TO MOHD ABID

NAME CHANGE

I DARSH KHANDELWAL W/0 VIJAY KUMAR KHANDELWAL R/0 B-57 PREET VIHAR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO DARSHANA KHANDELWAL

NAME CHANGE

I VIJAY KHANDELWAL S/0 SHYAM SUNDER KHANDELWAL R/0 B-57 PREET VIHAR DELHI 110092 CHANGED MY NAME TO VIJAY KUMAR KHANDELWAL

NAME CHANGE

I,MUKESH KUMAR BHASKAR S/o CHANDRMA SINGH R/o House no B-197, Gali no.2, near Shiv Mandir, Chhajarsi Colony, Sector 63, Noida, Gautam Buddha Nagar, U.P. 201307, have changed the name of my minor Son MAYANK RAJ aged 15 Years and he shall hereafter be known as RAM ANUJ KUMAR SINGH. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, Rajender singh S/O Govind singh Bisht, residing at A-5, Main Road, Amrit Vihar, Burari, North delhi, Pin: 110084 have changed my name to Rajender Singh Bisht for all the future purposes.

NAME CHANGE

I, NAFEES S/o MOHD HANIF R/o 2151/T, 2/3, GALI NO-9, SHADIPUR, NEW PATEL NAGAR, DELHI-110008 have changed my name to MD NAFIS for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Somakumary Thattamparambil Divakaran W/O Unni Krishnan K S QTR No. 99, Type -3 Dr. Bsa Hospital Complex, Sector -6, Rohini PO: Rohini Sector -7 Dist : North West Delhi Pin:110085 Have Changed My Name To Soma Unnikrishnan For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, GULAFSHA D/O SALAHUDDIN ANSARI R/O H.NO-50 A, STREET NO 1 NEW GANESH PARK KRISHNA NAGAR DIST EAST DELHI 110051, CHANGED MY NAME TO GULAFSHA ANSARI.

NAME CHANGE

I, SURINDER SINGH S/O KUNDAN SINGH, D 1 A D BLOCK DABRI EXTENSION SOUTH WEST DELHI 110045, CHANGED MY NAME TO SURINDER SINGH BISHT.

NAME CHANGE

I SATISH CHANDER S/O BHAGWAN SINGH H NO WZ-98 SHADIPUR MAIN BAZAR PATEL NAGAR DELHI 110008 have changed my name to SATISH CHANDER YADAV Permanently for all future

Public Notice

It is for general information that I Rajesh Kumar Singh S/O Ram Bali Singh, T.C-167, T.C.Camp, Pandav Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as Rajesh and Kamini in my minor Daughter namely Riddhi aged 12 years in her school record and birth certificate no 62547.The actual name of mine and my wife are Rajesh Kumar Singh and Kamini Singh, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I PUSHPA W/O SATISH CHANDER YADAV ,H NO WZ-98 SHADIPUR MAIN BAZAR PATEL NAGAR DELHI 110008 have changed my name to PUSHPA YADAV Permanently for all future

NAME CHANGE

I MD FURKAN S/O MOHMMAD YAMEEN R/O H.NO 593 U BLOCK MANGOL PURI DELHI-110083 have changed my name to MOHMMAD FURKAN Permanently for all future

NAME CHANGE

I, MANOJ JAIN S/o Jagdish Prasad Jain R/o A-34/4A, Gali No.10, Jain Mandir, East Azad Nagar, Krishna Nagar, Delhi-110051, have changed my name to MANOJ KUMAR JAIN permanently.

NAME CHANGE

I, DANGE GOKARNA S, is legally mother of Army No. 2811621M, Rank - SEP, Name - DANGE YOGESH SHRIRAM, presently residing at Vill - Paras, Post - Paras, Tal - Balapur, Dist - Akola, State - Maharashtra, Pin - 444109, have changed my name from DANGE GOKARNA S to GOKARNA SHRIRAM DANGE and date of birth from 11/5/1958 to 1/1/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 31/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, DANGE SHUBHANGI YOGESH, is legally wife of Army No. 2811621M, Rank - SEP, Name - DANGE YOGESH SHRIRAM, presently residing at Vill - Paras, Post - Paras, Tal - Balapur, Dist - Akola, State - Maharashtra, Pin - 444109, have changed my name from DANGE SHUBHANGI YOGESH to SHUBHANGI YOGESH DANGE for all future purposes. Vide affidavit dated 31/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, Ravi Sagar S/O: Rajendra Kumar Yadav, R/O H.no-33, purwa ahiran, budhana gate, Meerut, PO: meerut City, DIST: Meerut, Uttar Pradesh - 250002 , have changed the name of my minor son Daksh aged 13 years and he shall hereafter be known as Yash Yadav.

PUBLIC NOTICE

I, MADAN PAL S/o SH. BRAHM PAL, aged about 58 years R/o, H.No.E-86, E BLOCK, PHASE-1, SHYAM VIHAR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043, do hereby solemnly affirm and declare That I along with my wife and 2 children namely Ashish Kumar (elder son), aged about 34 years and Ankit Kumar (younger son), aged about 31 years are presently residing at R/o, H.No.E-86, E BLOCK, PHASE- 1, SHYAM VIHAR, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043. That I disowned, debarred my younger son namely Ankit Kumar from all my moveable and immoveable properties because my younger son namely Ankit Kumar is now out of my control.That anyone dealing with my younger Son Ankit Kumar may do so at his own risks, costs and consequences. In future if Ankit Kumar faced any unwanted incident, then I am not responsible for whatsoever. That I am not responsible for any criminal as well as civil liability against my Younger son Ankit Kumar.

*MADAN PAL
S/O SH. BRAHM PAL*

सार्वजनिक सूचना

यह आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री सतेंद्र आर्य पुत्र श्री उमराव सिंह, निर्मित संपत्ति संख्या 25-ए, क्षेत्रफल 120 वर्ग गज, राजस्व संपदा ग्राम हैदरपुर, आबादी जिसे गोविंद मोहल्ला, दिल्ली-110088 के नाम से जाना जाता है, के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति श्रीमती वीना देवी पत्नी श्री विजय पाल द्वारा निष्पादित दिनांक 04.01.2022 की विक्रय विलेख (Sale Deed) के माध्यम से प्राप्त की गई है, जो दस्तावेज संख्या 139, बही संख्या 1, जिल्द संख्या 10413, पृष्ठ संख्या 116 से 125 पर दिनांक 04.01.2022 को उप-पंजीयक-VIA, नई दिल्ली के कार्यालय में पंजीकृत है, उक्त संपत्ति को सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक, दावे एवं अन्य तृतीय पक्ष के हितों से मुक्त बताया गया है। कृपया यह भी नोट करें कि उक्त संपत्ति को बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, गाजियाबाद द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है, यदि किसी व्यक्ति/व्यक्तियों को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति, दावा या हित हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा तथा ई-मेल के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को भेज सकता/सकते हैं, निर्धारित अवधि के भीतर प्राप्त न होने वाली किसी भी आपत्ति अथवा दावे को उक्त संपत्ति के संबंध में शून्य एवं अमान्य माना जाएगा तथा इसके पश्चात किसी भी व्यक्ति के दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल:
kumarwfiwvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, SHRIRAM DANGE, is legally father of Army No. 2811621M, Rank - SEP, Name - DANGE YOGESH SHRIRAM, presently residing at Vill - Paras, Post - Paras, Tal - Balapur, Dist - Akola, State - Maharashtra, Pin - 444109, have changed my name from SHRIRAM DANGE to SHRIRAM KISAN DANGE for all future purposes. Vide affidavit dated 31/08/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I, Tarun S/O Vasudev Tuteja, House No-13, Street No-12, Arjun Nagar, Gurgaon Haryana Pin: 122001, Have Changed My Name To Tarun Tuteja For All The Future Purposes..

NAME CHANGE

I, Sunil Rawat S/O Mahabir Singh Rawat R/O Qtr No-6,blck-141,first Floor, Type-2, Sector-1,pushp Vihar South Delhi-110017, Have Changed My Name From Sunil Rawat to Sunil Singh Rawat for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, AQEEL AHMAD S/O AMIR AHMED Residing at H. NO. D-30 3RD FLOOR, D-BLOCK,NEW SEELAMPUR, Seelampur, North East Delhi, Delhi -110053 have changed my name to AQKEEL AHMED for all future purpose

NAME CHANGE

I TAPAN KUMAR MUKHRJEE S/O HARIPADA MUKHERJEE R/o FLAT NO-02, FLOOR-12A, TOWER-19, PARAS TIEREA, SECTOR-137, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201304.have changed my name to TAPAN KUMAR MUKHERJEE For all purposes.

NAME CHANGE

I, Army No. 14857655h Sepoy (MT), RAVAL MEHULKUMAR RAMANBHAI employed in Army War College (MT Coy) Residence of VILL-ALINA, POST-ALINA, TEHSIL-MAHUDHA, DIST-KHEDA, GUJARAT-387305, have changed my minor son's name from NAKSH RAVAL to RAVAL NAKSH MEHULKUMAR vide affidavit No. 7391/26 dated 21/08/2026 presented in Mhow, Dist-Indore, Madhya Pradesh-453441. He shall hereafter be known as RAVAL NAKSH MEHULKUMAR.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Shilpi Bansal alias Shilpi Bansal D/O Rameshwar Das Mittal W/O Atul Bansal, R/O A-103, Angel Mercury, Indirapuram, Ahinsa Khand - 2, Shipra Sun City, PO: Shipra Sun C, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014 ,have changed my name and shall hereafter be known as SHILPI BANSAL.

NAME CHANGE

I, Army No. 14857655h Sepoy (MT), RAVAL MEHULKUMAR RAMANBHAI employed in Army War College (MT Coy) Residence of VILL-ALINA, POST-ALINA, TEHSIL-MAHUDHA, DIST-KHEDA, GUJARAT-387305, have changed my minor daughter's name from KEYA RAVAL to KEYA MEHULKUMAR RAVAL vide affidavit No. 7390/26 dated 21/08/2026 presented in Mhow, Dist-Indore, Madhya Pradesh-453441. She shall hereafter be known as KEYA MEHULKUMAR RAVAL.

DATE OF BIRTH CHANGE

I, SONAL YADAV daughter of JC-774187Y Rank-SUB Name-RISHIKESH YADAV Presently residing at VILL-PATJIVA, PO-BELA KASHAILA, TEH-MADHUBAN, DIST-MAU, UTTAR PRADESH-276306, in my father's service records my date of birth wrongly mentioned as 15/02/2008 instead of my correct date of birth as 12/02/2008 vide affidavit dated 31/08/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, ARVIND S/O MOOL CHAND R/O House Number-75, Krishnapuri, Rori, Ghaziabad, Modinagar, Uttar Pradesh-201201 have changed the name of my minor daughter DRISHTI aged 7 years and she shall hereafter be known as AYSHA.

NAME CHANGE

I, RANJEET KUMAR GUPTA S/o BIPIN KUMAR GUPTA R/o C 903, 9th Floor, Tower C, Proview Laboni Apartment, Crossing Republik, Ghaziabad, Ghaziabad, PO: Crossing Republik, DIST: Ghaziabad, Uttar Pradesh-201016 have changed the name of my minor daughter ANANNYA alias PRIYA GUPTA aged 12 years and she shall hereafter be known as ANANNYA GUPTA

NAME CHANGE

I Santosh Kumari Dadu Agarwal, W/o Mr. Shiv Kumar Dadu, R/o D-16 Narmada Appartments Alaknanda Delhi -110019,I Have change my name to Santosh Kumari Dadu for all Future purposes

NAME CHANGE

I Shiv Kumar Dadu Agarwal, S/o Mr. Narain Dass Dadu,R/o D-16 Narmada Appartments Alaknanda, Delhi-110019,I Have change my name to Shiv Kumar Dadu, for all Future purposes

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that my client Sh. Subhash Yadav S/o Late Sh. Jeet Ram Yadav, R/o House No. WZ-121/1, Village Todapur, New Delhi-110012 has severed his personal and financial relations with his elder son, Sh. Mukesh Kumar due to his bad habits, improper conduct, his behaviour and serious and irreconcilable differences between them. My client has also disowned and debarred his said son from all his movable and immovable properties. He has no authority to deal with my client's properties and has consciously decided that no part of his estate shall devolve upon his son. My client's son, Mr. Mukesh Kumar has no authority to act, represent, borrow, contract, receive money, create any liability or enter into any transaction in my name or on my behalf, nor has he been authorised to sell, transfer, mortgage, let out or create any third-party interest in any movable or immovable property owned by my client. Anybody dealing with Sh. Mukesh Kumar and his wife will do so at his/her their own risk and responsibilities and my client will not be responsible for any act, omission, deed or dealing done by Sh. Mukesh Kumar.

DWARKA SAWALE
ADVOCATE
AT: 404, SETALVAD BLOCK,
LAWYERS' CHAMBERS
SUPREME COURT OF INDIA,
New Delhi-01

NAME CHANGE

I RAMESH CHANDRA legally father of Army no - 15798641y, Rank - NK (W/M), Name - SUNEEL DHANAWAT, Presently Residing, At - BANBANI, Post- BANBANA Teh - NAGDA, Dist - UJJAIN, State - MP, Pin - 456335 have changed my name from RAMESH CHANDRA to RAMESH for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 19/08/1966 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide Affidavit dated 31/08/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

आग जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीगती संतोष देवी (पत्नी श्री मुकेश कुमार) प्रॉपर्टी नंबर 125-A (क्षेत्रफल 256.06 वर्ग गज, खसरा नंबर 798/508min. का हिस्सा, गांव शाहपुर जाट, नई दिल्ली-110049 में आबादी लाल डोरा 1908-09 में स्थित) पर बनी पूरी तीसरी मंजिल (बिना छत के अधिकारों के) की मालिक हैं। यह मालिकाना हक श्रीमती मीनू (पत्नी श्री गजेंद्र पंवार) द्वारा 26.07.2019 को निष्पादित ओर 29.07.2019 को SRO-V A होज खास, नई दिल्ली में विधिवत पंजीकृत (डॉक्यूमेंट नंबर 5298, बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 2956, पेज 161-174) सेल डीड के आधार पर है। 13.02.2019 की सेल डीड (डॉक्यूमेंट नंबर 1023) खो गई है और इसके लिए 31/08/2026 को LR नंबर 594221/2026 के तहत ऑनलाइन FIR दर्ज कराई गई है। उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती पूनम शर्मा को बेची जानी है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त प्रॉपर्टी पर कोई दावा/हित/अधिकार या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री राकेश कुमार (पिता श्री तिलक राज) को हस्ताल विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली-110059 (गाँव हस्ताल, दिल्ली राज्य का इलाका) में स्थित रेजिडेंशियल प्लॉट नंबर 1 (क्षेत्रफल 75 वर्ग गज, खसरा नंबर 58/7 का हिस्सा) के अधिकार हस्तांतरित किए जा रहे हैं। यह हस्तांतरण श्री फ़िरोज़ आलम और श्री हेरोज आलम (दोनों पिता श्री जिया उर रहमान) द्वारा निष्पादित नोटरीकृत GPA (दिनांक 26.02.2001), ATS और वसीयत के आधार पर किया जा रहा है। उक्त संपत्ति श्रीमती कविता और दीपा को बेची जा रही है और इसके लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा फाइनेंस किया जा रहा है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर कोई दावा/हित/अधिकार है या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates
LLP B-01, Plot no. 20,
Kaushambi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:
sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की, (1) श्रीमती राजवती, उम्र लगभग 62 वर्ष, पत्नी श्री सोनपाल एवं (2) श्री सोनपाल, उम्र लगभग 83 वर्ष, पुत्र स्वर्गीय श्री धर्मवीर, दोनों निवासी मकान संख्या B-204, गौतमपुरी, बदरपुर, दक्षिण दिल्ली, दिल्ली-110044 ने अपने पुत्र अमित कुमार, उम्र लगभग 35 वर्ष, और उसकी पत्नी (हमारी पुत्रवधू) श्रीमती आरती, उम्र लगभग 29 वर्ष, को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल कर दिया है आज से हमारा और हमारे परिवार का उन सबसे किसी भी प्रकार का लेंन देंन नहीं रहा है अगर कोई भी उन सबसे किसी भी प्रकार का लेन देन करेगा वह स्वंम जिम्मेदार होगा।

NAME CHANGE

I LEELA DHANAWAT legally mother of Army no - 15798641y, Rank - NK (W/M), Name - SUNEEL DHANAWAT, Presently Residing, At - BANBANI, Post- BANBANA Teh - NAGDA, Dist - UJJAIN, State - MP, Pin - 456335 have changed my name from LEELA DHANAWAT to LALITA BAI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 23/05/1970 instead of my correct date of birth as 01/01/1973 vide Affidavit dated 31/08/2026 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती रितिका सिंह पत्नी श्री श्रवण कुमार, फ्रीहोल्ड निर्मित प्रथम तल, बिना छत के अधिकार, क्षेत्रफल 80 वर्ग गज अर्थात 66.88 वर्ग मीटर, जो संपत्ति संख्या 8311 (भाग) का हिस्सा है, स्थित गली नं. 5, मुल्तानी ढांडा, पहाड़गंज, नई दिल्ली-110055 की स्वामिनी हैं। प्रारंभ में श्री माखन सिंह 300 वर्ग गज क्षेत्रफल वाली उक्त संपत्ति के स्वामी थे तथा उन्होंने दिनांक 08.06.1961 की GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री इंदर सिंह के पक्ष में हस्तांतरित की। तत्पश्चात श्री इंदर सिंह ने दिनांक 03.02.1982 की GPA, ATS एवं Will के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री त्रिलोक सिंह के पक्ष में हस्तांतरित की। दुर्भाग्यवश, श्री त्रिलोक सिंह का दिनांक 12.01.2014 को तथा उनकी पत्नी श्रीमती अमरजीत कौर का दिनांक 17.01.2004 को निधन हो गया, और वे निम्नलिखित कानूनी वारिस छोड़ गए: (1) सरदार रविंदर सिंह (पुत्र), (2) श्रीमती बलजीत कौर बावा (पुत्री), (3) श्रीमती सतनाम कौर (पुत्री), (4) श्रीमती परमजीत सेठी (पुत्री) एवं (5) सरदार राजिंद्रा सिंह सलूजा (पुत्र)। तत्पश्चात सरदार रविंदर सिंह, श्रीमती बलजीत कौर बावा, श्रीमती सतनाम कौर एवं श्रीमती परमजीत सेठी ने 80 वर्ग गज में अपने-अपने हिस्से को दिनांक 04.03.2022 की Relinquishment Deed के माध्यम से सरदार राजिंद्रा सिंह सलूजा के पक्ष में त्याग दिया। इसके पश्चात श्री राजिंद्रा सिंह सलूजा ने दिनांक 24.03.2022 की Sale Deed के माध्यम से प्रथम तल एवं द्वितीय तल, बिना छत के अधिकार, श्री महेश चंद को विक्रय कर दिए। तत्पश्चात श्री महेश चंद ने दिनांक 08.07.2022 की Sale Deed के माध्यम से प्रथम तल, बिना छत के अधिकार, श्रीमती रितिका सिंह को विक्रय कर दिया। उक्त संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार, प्रभार, बंधक एवं तृतीय पक्ष के दावों से मुक्त है तथा उक्त संपत्ति का भौतिक कब्जा वर्तमान में श्रीमती रितिका सिंह के पास है। उक्त संपत्ति को DCB Bank Limited, Karol Bagh Branch, New Delhi द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल:
kumarwfiwvashwani@gmail.com

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी/84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रवीण शर्मा पुत्रः छोटू राम शर्मा पताः प्लॉट नं. 14, प्रथम तल, सेक्टर-5, राजेन्द्र नगर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 16/2010 U/s 420/120B, थानाः बाराखम्भा रोड, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रवीण शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रवीण शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 16/2010 U/s 420/120B, थानाः बाराखम्भा रोड, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **प्रवीण शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद/मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 01.10.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री विजयश्री राठौड़
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-05
13, प्रथम तल, मुख्य भवन
पटियाला हाउस कोर्ट, दिल्ली

DP/12238/NDD/2026 (Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

समैम योजना के अंतर्गत कृषि यंत्रों का किया जाएगा भौतिक सत्यापन

एजेंसी

चंडीगढ़। उप कृषि निदेशक जसविंद्र सिंह ने बताया कि समैम योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत जिन कृषि यंत्रों के बिल विभागीय पोर्टल पर तक अपलोड किये गए थे उन यंत्रों का भौतिक सत्यापन दिनांक एक से तीन सितंबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कृषि यंत्रों जैसे कि बैटरी/इलेक्ट्रिक/सोलर चालित पावर वीडर, राइड ऑन सेल्फ प्रोपेल्ड मल्टी टूल बार, सेल्फ प्रोपेल्ड हाई क्लीयरेंस बूम स्प्रेयर, हाई कैपेसिटी चाफ कटर विद लोडर, ट्रैक्टर चालित साइलिज पैकिंग मशीन/साइलिज बेलर, बैटरी चालित फर्टिलाइज़र ब्रॉडकास्टर, ट्रैक्टर चालित फर्टिलाइज़र ब्रॉडकास्टर, ट्रैक्टर चालित हाइड्रोलिक प्रेस स्ट्रॉ बेलर, सब-सोइलर, मल्टी क्रॉप बेड प्लांटर/रेज़्ड बेड प्लांटर (2 रो), सेल्फ प्रोपेल्ड राइस ट्रांसप्लांटर (4 रो, वॉक बिहाइंड), विनोइंग फैन, मिलेट मशीन/मिलेट मिल, मक्का थ्रेशर (ट्रैक्टर चालित)/मक्का शेलर, न्यूमैटिक प्लांटर मशीन (ट्रैक्टर चालित, 4 रो), ऑयल एक्सपेलर (मोटराइज्ड स्क्रू प्रेस), गन्ना थ्रेश कटर (75 इंच), मोबाइल/कॉटन श्रेडर (ट्रैक्टर चालित), गोबर ब्रिकेटिंग मशीन, गोबर डी-वॉटरिंग मशीन, धान मोबाइल ड्रायर, ट्रैक्टर माउंटेड पावर वीडर तथा आलू प्लांटर का भौतिक सत्यापन एक सितंबर को, दो सितंबर को लेजर लैंड लेवलर तथा रोटावेटर का भौतिक सत्यापन तीन सितंबर को किया जाएगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता शिविर आयोजित

चंडीगढ़। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा तथा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में गत दिवस विशेष जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया।इस दौरान पैनल अधिवक्ता इकबाल खान व पैरा लीगल वालंटियर सुमित ने कर्ण स्टेडियम में हेल्प डेस्क लगाया। जहां उन्होंने बच्चों को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई दी। उन्होंने बच्चों को जीवन मे खेलों के महत्व के बारे में जानकारी दी और खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर उन्होंने बच्चों को उनके अधिकारों व मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में भी जागरूक किया। इसी कड़ी में पैनल अधिवक्ता मुकेश कुमार ने डीएवी कॉलेज में विशेष जागरूकता शिविर का आयोजन किया और बच्चों को उनके अधिकारों, नालसा स्कीमों व मुफ्त कानूनी सेवाओं के बारे में जानकारी दी।

एसआईआर 2026 : चुनाव आयोग ने प्रदेश के मतदाताओं को दिया एक और मौक़ा

एजेंसी

चंडीगढ़। भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान की तारीखों में फिर से बदलाव किया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियां 30 सितंबर तक दाखिल की जा सकेगी जिनका निपटारा 28 अक्तूबर तक करना होगा। संशोधित के तहत मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 6 नवंबर को होगा। यह जानकारी देते हुए उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि राज्य के मतदाताओं के हितों का ध्यान रखते हुए चुनाव आयोग ने तारीखों में बदलाव किया है। इससे उन पात्र नागरिकों को राहत मिलेगी जो किसी कारणवश निर्धारित अवधि में मतदाता सूची से संबंधित दावा या आपत्ति दर्ज नहीं करा सके। उन्होंने कहा कि यदि किसी पात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो फॉर्म-6 के माध्यम से नाम शामिल करवाने के लिए आवश्यक दस्तावेजों तथा घोषणा-पत्र सहित दावा प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने नागरिकों से अपील है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम और विवरण अवश्य जांच लें। किसी प्रकार की गलती होने पर निर्धारित अवधि में दावा या आपत्ति दर्ज करवाएं। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा सहायता के लिए नागरिक अपने बीएलओ/ईआरओ/ एईआरओ से संपर्क कर सकते हैं।

राजथल में नशे के खिलाफ ग्रामीण लगाएंगे ठीकरी पहरा

हिसार। नारनौंद क्षेत्र के गांव राजथल में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से मोर्चा खोल दिया है। शिव मंदिर में सरपंच प्रतिनिधि अनिल गोदारा के नेतृत्व में हुई पंचायत में गांव के सभी प्रमुख रास्तों पर ठीकरी पहरा लगाने का निर्णय लिया गया। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि गांव में नशे की बिक्री नहीं होने दी जाएगी और नशे से जुड़ी गतिविधि में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले किया जाएगा। पंचायत में बड़ी संख्या में ग्रामीण और युवा शामिल हुए। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में लंबे समय से अवैध नशे की बिक्री की शिकायतें सामने आ रही हैं। इससे युवाओं के भविष्य पर असर पड़ रहा है और गांव की छवि भी खराब हो रही है।

विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास स्वाभिमान और वीरता की है गाथा- मुख्यमंत्री

शिक्षा ही बदलेगी घुमंतू समाज का भाग्य, बच्चों को जरूरी पढ़ाएं माता-पिता- नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि विमुक्त एवं घुमंतू समाज का इतिहास बहुत पुराना, गौरवशाली और प्रेरणादायक है। कठिन से कठिन हालात में भी इस समाज के लोगों ने अपनी अटूट मेहनत, समृद्ध कला, अनुपम संस्कृति और अपने स्वाभिमान को सदैव जीवित रखा है।

जब भी हम भारत के इतिहास और इसके स्वर्णिम अतीत को देखते हैं, तो विमुक्त और घुमंतू समाज के शूरवीरों और महापुरुषों का योगदान स्वर्ण अक्षरों में चमकता दिखाई देता है। भाई मक्खन शाह लबाना जी, जिन्होंने सच्चे गुरु की पहचान कराकर पूरी दुनिया को सही मार्ग दिखाया। भाई लखी शाह बंजारा जी एवं भाई निगाहिया जी, जिन्होंने श्री गुरु तेग बहादुर जी के पावन शरीर का अपने घर में अंतिम संस्कार कर अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। योद्धा भाई जैता जी, जो कि चांदनी चौक से गुरु साहिब का पावन शीश आनंदपुर साहिब पहुंचाकर 'गुरु का बेटा' कहलाए।

मुख्यमंत्री अपने चंडीगढ़ स्थित आवास संत कबीर कुटीर में आयोजित हरियाणा व पंजाब की समस्त घुमंतू जातियों के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिकलीगर व बंजारा समाज के हुनरमंद वीरों ने मुगलों के खिलाफ युद्ध में अचूक अस्त्र-शस्त्र बनाकर खालसा फौज को ताकत दी। भामाशाह और बंजारा समाज के नायक, जिन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान संग्राम में रसद-सामग्री पहुंचाकर देश की रक्षा की। ये सभी हमारे राष्ट्र के असली हीरो हैं।

उन्होंने कहा कि वीरता आपको अपने पूर्वजों से विरासत में मिली है। इसी राष्ट्रभक्ति के बल पर आपने आजादी के आंदोलन में अंग्रेजी हुकूमत की नाक में दम कर दिया था। इसी से बोखलाकर अंग्रेजों ने 1871 में 'क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट' नाम का काला कानून बनाकर आपके देशभक्त समाज को जन्मजात अपराधी घोषित करने का घिनौना पाप किया। आजादी के बाद 31 अगस्त, 1952 को यह कलंक हमेशा के लिए मिटा, इसीलिए इस ऐतिहासिक दिन को हम 'विमुक्ति दिवस' के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि केवल विमुक्ति दिवस मनाने भर से काम नहीं चलने वाला। आपको वह सब मिलना चाहिए जो अंग्रेजों ने आपसे छीना था। आजादी के बाद लंबे समय तक शासन करने वाली सरकारों ने समाज की सुध नहीं ली और मूलभूत अधिकारों से वंचित रखा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली, तो 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र दिया। हमारी डबल इंजन सरकार इसी भावना से गरीब कल्याण के काम कर रही है। पीएम आवास योजना के तहत हरियाणा में 1.60 लाख परिवारों को पक्के मकान दिए गए। करनाल, पलवल और रोहतक में 702 घुमंतू परिवारों को प्लॉट आवंटित किए गए हैं, जो उनके सुरक्षित भविष्य की नींव है।

उन्होंने कहा कि डॉ. आंबेडकर आवास नवीनीकरण योजना के तहत मकान मरम्मत सहायता राशि 30,000 रुपये से बढ़ाकर 80,000 रुपये की गई, जिससे 85,815 परिवारों को 416 करोड़ रुपये की मदद मिली। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों को मात्र 500 रुपये में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे 15 लाख से अधिक बहनों को लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना के तहत बेटियों के विवाह हेतु 3.85 लाख परिवारों को 1,523 करोड़ रुपये की शगुन राशि दी गई है। मुख्यमंत्री ने घुमंतू समाज के प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी कठिन हों, वे बच्चों को जरूर पढ़ाएं। शिक्षा ही वह ताकत है जो आने वाली पीढ़ियों का भाग्य बदल सकती है।

हर गर्भवती महिला की 'समृद्धि' पोर्टल के माध्यम से होगी डिजिटल निगरानी: नायब सिंह सैनी

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु की लक्ष्य प्राप्ति के लिए 'समृद्धि' पोर्टल, राज्य स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को एक साथ जोड़ा जाएगा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार मातृ एवं नवजात मृत्यु दर को कम करने और गर्भवती महिलाओं को समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए 'समृद्धि' (सेफ मदरहुड एंड चाइल्ड हेल्थ इनीशिएटिव) पहल को लागू कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि प्रदेश की हर गर्भवती महिला का इस पोर्टल पर पंजीकरण हो और गर्भावस्था से लेकर प्रसव तथा प्रसव के बाद तक उसके स्वास्थ्य की लगातार निगरानी की जाए।मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक की मदद से 'समृद्धि' पोर्टल, राज्य स्तरीय कमांड सेंटर और 102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर को एक साथ जोड़ा जाएगा। इससे गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने, जोखिम वाली गर्भावस्था की समय पर पहचान करने और जरूरत पड़ने पर गर्भवती महिलाओं को तुरंत बड़े अस्पताल में भेजने में मदद मिलेगी।

उन्होंने बताया कि हर गर्भवती महिला का अनिवार्य पंजीकरण कर उसे विशेष 'समृद्धि' आईडी दी जाएगी। इससे उसकी गर्भावस्था से जुड़ी सभी स्वास्थ्य संबंधी जानकारियाँ एक ही स्थान पर सुरक्षित रहेंगी। यह व्यवस्था सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में इलाज कराने वाली महिलाओं के लिए भी लागू होगी। महिला चाहे किसी भी अस्पताल में इलाज करवाए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी 'समृद्धि आईडी' के माध्यम से पोर्टल पर अपडेट की जाएगी। इससे गर्भावस्था से जुड़ा पूरा डिजिटल रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। 'समृद्धि' व्यवस्था के तहत उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय पर पहचान की जाएगी। एएनएम, डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों को जरूरी जांच, आगामी प्रसव, फॉलो-अप और अन्य सेवाओं के लिए समय पर सूचना और अलर्ट मिलेंगे। उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं से नियमित अंतराल पर संपर्क किया जाएगा। सामान्य गर्भावस्था वाली महिलाओं से हर तीन महीने में संपर्क होगा, जबकि उच्च जोखिम वाली महिलाओं की अधिक बार निगरानी की जाएगी। प्रसव की संभावित तारीख नजदीक आने पर संपर्क और निगरानी बढ़ाई जाएगी, ताकि आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके।श्री नायब सिंह सैनी ने बताया कि राज्य स्तर पर '102 मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कॉल सेंटर' स्थापित किया जाएगा। यहां प्रशिक्षित नर्सें गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी सलाह देंगी, जोखिम की पहचान करेंगी और जरूरत पड़ने पर उन्हें उचित स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहायता करेंगी।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं को दिया एक और मौका :- उपायुक्त सतबीर सिंह

एजेंसी

रोहतक। भारत निर्वाचन आयोग ने हरियाणा में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के कार्यक्रम में पुनः संशोधन किया है। संशोधित कार्यक्रम के तहत मतदाताओं को मतदाता सूची में अपने नाम एवं विवरण की जांच करने तथा आवश्यक दावे एवं आपत्तियां दर्ज करवाने के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया गया है। सतबीर सिंह ने बताया कि संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अब मतदाता सूची से संबंधित दावे एवं आपत्तियां 30 सितंबर 2026 तक दाखिल की जा सकेंगी। प्राप्त दावे एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटारा 28 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा। 28 अक्तूबर तक ही एसआईआर के तहत जारी किये गए नोटिस का भी निपटान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद हरियाणा की अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 6 नवंबर 2026 को किया जाएगा। उपायुक्त सतबीर सिंह ने जिला के सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे इस अतिरिक्त अवसर का लाभ उठाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम एवं अन्य विवरण अवश्य जांच लें। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है अथवा नाम, पता, आयु या अन्य विवरण में किसी प्रकार की त्रुटि है, तो निर्धारित अवधि के भीतर संबंधित दावा अथवा आपत्ति दर्ज करवाएं। सतबीर सिंह ने कहा है कि स्वच्छ, शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है। इसलिए सभी पात्र नागरिक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं मजबूत बनाने में अपना योगदान दें।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत एक नहीं 10-10 पौधे माताओं के नाम रोपित करने का लें संकल्प: मनोहर लाल

एजेंसी

करनाल। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पूरे देश में एक पेड़ मां के नाम लगाया जा रहा है। इस अभियान में एक कदम और आगे बढ़ाते हुए हर व्यक्ति को एक नहीं, 10-10 पौधे माताओं के नाम लगाने का संकल्प लें और इन पौधों की देखभाल करना सुनिश्चित करें, क्योंकि ये पौधे ही कल पेड़ बनकर हमें शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं जो हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक हैं।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल अपने करनाल प्रवास के दौरान शहीद उधम सिंह पार्क के सौंदर्यीकरण का लोकार्पण करने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर शहीद उधम सिंह काम्बोज वेलफेयर सोसायटी व सैक्टर-9 आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने पगड़ी व स्मृति चिन्ह देकर मनोहर लाल को सम्मानित किया और इस सुंदर पार्क को विकसित करने के लिए आभार जताया। इस प्रोजेक्ट पर एक करोड़ 20 लाख रुपये की लागत आई है। इसका क्षेत्रफल 6.5 एकड़ है। इसमें पैदल पथ 4500 फीट, एक-एक कैटल व मेन गेट एक-एक, एक हजार मीटर चार दीवारी बनाई गई है। इसके अलावा 750 पौधे लगाए गए है, 3900 वर्ग मीटर में घास लॉन, 20 बेंच, 200 खजूर पेड़ और 4 रेन वॉटर हार्वेस्टिंग बनाए गए हैं। मनोहर लाल ने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार करनाल स्मार्ट सिटी की चार बड़ी परियोजनाओं का उदघाटन करके

करनाल की जनता को बड़ी सौगात दी है। इन परियोजनाओं में शक्ति कॉलोनी कॉम्पलेक्स स्थित करीब 4.03 करोड़ और 2400 वर्ग मीटर में बने मिक्सड यूज डेवलपमेंट (मिश्रित प्रयुक्त विकास) के तहत बनाए गए ऑर्ब्जवेशन सेंटर का उद्घाटन किया।

पलवल की सड़कों पर दिखा 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' का जोश

एजेंसी

चंडीगढ़। राष्ट्रीय खेल दिवस और हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर सुबह पलवल की सडक़ों पर खेल और फिटनेस का अलग ही नजारा देखने को मिला। 'खेलेगा भारत, जीतेगा भारत' थीम के साथ आयोजित पलवल साइक्लोथॉन में युवाओं, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर खेलों को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का संदेश दिया। जिला प्रशासन एवं खेल विभाग पलवल की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में हरियाणा सरकार में खेल एवं युवा अधिकारिता राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कम्युनिटी सेंटर, हुड्डा सेक्टर-2 से साइक्लोथॉन का शुभारंभ हुआ। जैसे-जैसे साइकिल सवार आगे बढ़े, शहर में खेल भावना और उत्साह का माहौल बनता गया। विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने साइकिल यात्रा में हिस्सा लेकर स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। साइक्लोथॉन का समापन नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम में

राष्ट्रीय खेल दिवस पर हुड्डा सेक्टर-2 से स्टेडियम तक निकली साइकिल यात्रा, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने साइकिल चलाकर बढ़ाया खिलाड़ियों का हौसला

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने खिलाड़ियों और युवाओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए युवाओं से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं हैं, बल्कि खेलों के माध्यम से अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित होती है। स्वस्थ युवा ही मजबूत समाज और सशक्त राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

खेल राज्य मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर हॉकी के महान जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती के अवसर पर पलवल कम्युनिटी सेंटर से आयोजित साइकिल यात्रा में युवाओं, खिलाड़ियों और आमजन के साथ सहभागिता कर मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई। मेजर ध्यानचंद जी का जीवन हमें अनुशासन, समर्पण और राष्ट्र के प्रति गौरव की प्रेरणा देता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'फिट इंडिया' और खेलों को जन-आंदोलन बनाने के संकल्प को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा निरंतर मजबूती से आगे बढ़ा रहा है।

बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना हरियाणा सरकार का लक्ष्य : डॉ. अरविंद शर्मा

सुरक्षा से सुधार तक... हरियाणा की जेलों में बदलाव की नई इबारत

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कारागार मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार का उद्देश्य जेलों को केवल सजा देने की व्यवस्था तक सीमित रखना नहीं है, बल्कि बंदियों को सुधार कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाना भी है। डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रदेश की सभी जेलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ बंदियों के सुधार, कौशल विकास और पुनर्वास के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि बंदी प्रशिक्षण प्राप्त कर आत्मनिर्भर बनें और रिहाई के बाद सम्मान के साथ समाज की मुख्यधारा में शामिल हो सकें। इसके लिए सरकार आर्थिक और प्रशासनिक स्तर पर हरसंभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक जेल व्यवस्था में सुरक्षा

हाई सिक्योरिटी जेल से हाईटेक निगरानी तक सुरक्षा का नया ढांचा, कौशल प्रशिक्षण से बंदियों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल

के साथ सुधार और पुनर्वास भी उतना ही जरूरी है। इसी सोच के साथ प्रदेश में नई जेलों का निर्माण, आधुनिक तकनीक का विस्तार और बंदियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण देने की योजनाओं को आगे बढ़ाया जा रहा है।हरियाणा की जेलों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के साथ अब जेलों में बंदियों के सुधार और पुनर्वास पर भी उतना ही जोर दिया जा रहा है। आधुनिक तकनीक से लैस सुरक्षा व्यवस्था, नई हाई सिक्योरिटी जेलों का निर्माण, ओपन जेलों के जरिए सामान्य जीवन का माहौल, आईटीआई और तकनीकी प्रशिक्षण तथा रिहाई के बाद रोजगार से जोड़ने जैसी पहलों ने जेल प्रशासन को नई दिशा दी है। प्रदेश में वर्तमान में तीन केंद्रीय जेल, 17 जिला जेल और दो ओपन एयर जेल हैं। इनकी कुल अधिकृत क्षमता 24,280 बंदियों की है, जबकि एक अगस्त 2026 तक 26,860 बंदी जेलों में निरुद्ध थे। क्षमता से अधिक बंदियों की संख्या को देखते हुए सरकार एक ओर नई जेलों के निर्माण पर काम कर रही है तो दूसरी ओर मौजूदा जेलों को आधुनिक सुविधाओं और तकनीक से सुसज्जित किया जा रहा है। जेल विभाग की बड़ी उपलब्धियों में नई और उच्च सुरक्षा वाली जेलों का निर्माण प्रमुख है। रोहतक में करीब 90 करोड़ रुपये की लागत से 312 बंदियों की क्षमता वाली हाई सिक्योरिटी जेल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। इसके अलावा फतेहाबाद में 1,200 बंदियों की क्षमता वाली नई जिला जेल का निर्माण किया जा रहा है। चरखी-दादरी में 1,200 और पंचकूला में 954 बंदियों की क्षमता वाली नई जिला जेलों के निर्माण की दिशा में भी कार्रवाई जारी है।

संवाद जनहित में और सार्थक विषयों पर हो-मनोहर लाल

केंद्रीय मंत्री करनाल स्मार्ट सिटी की 23. 67 करोड़ की चार परियोजनाओं के उदघाटन किया

एजेंसी

चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा, आवासन एवं शहरी मामलों के मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। सस्ती लोकप्रियता के लिए झूठे नारों के सहारे सुर्खियों में बने रहना उचित नहीं। संवाद जनहित में होना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री करनाल स्मार्ट सिटी की 23. 67 करोड़ की चार परियोजनाओं के उदघाटन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी के इन प्रोजेक्ट्स से लोगों को फायदा होगा। चार-पांच प्रोजेक्ट अभी और बचे हैं जिनमें से एक बड़ा एलिवेटेड ब्रिज का है। उस पर काम जारी है। जल्दी ही इसे पूरा कराया जाएगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा युवाओं से संवाद की कवायद जारी रखने संबंधी एक सवाल पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि संवाद करना बुरी बात नहीं है, सबको करना चाहिए। संवाद के बिना राजनीतिक पार्टी के लोग अपनी

भूमिका पूरी नहीं कर पाएंगे। लेकिन संवाद में तथ्य और सच्चाई होनी चाहिए। झूठे स्लोगन और सस्ती लोकप्रियता के लिए सुर्खियों में बने रहना न समाज हित में है और न राजनीति के लिए अच्छा है। ऐसे नेताओं की कथनी और करनी में अंतर के कारण कुछ विषयों पर तो समाज में भी विरोधाभास देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि संवाद सार्थक विषयों पर होना चाहिए। ऐसे विषय जो युवाओं अथवा जनहित में हों। केवल भडक़ाने का काम उचित नहीं। खासकर एस्टैब्लिशमेंट के विरुद्ध भडक़ाने का जो सिलसिला उन्होंने शुरू किया है, यह कतई उचित नहीं है, निंदनीय है। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीयों को एक बताने संबंधी प्रश्न पर केंद्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने कहा कि बिल्कुल सही है, हम सब एक हैं। प्रधानमंत्री ने कहा है कि वसुधैव कुटुंबकम। पूरा विश्व एक परिवार है। उस नाते से ही सभी को आपस में सद्व्यवहार करना चाहिए। प्रधानमंत्री तीन बड़े देशों की यात्रा के दौरान दुनिया को अच्छा संदेश दे रहे हैं। वे ऐसा संदेश पहले भी देते रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। एक अन्य प्रश्न पर कहा कि सफाई कर्मचारियों ने उनके सम्मुख अपनी मांग रखी है जिसे वे सरकार तक पहुंचाएंगे। सरकार इस मामले में उचित निर्णय लेगी। चीनी की बढ़ी कीमतों संबंधी सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मार्केट में कभी रेट कम होते हैं, कभी ज्यादा। पहली बार रेट बढ़े हैं, ऐसा नहीं है। विपक्षी अपना समय भूल गए कि जब इन्हीं चीजों के ऊपर वे हिल जाते थे। प्याज और दालें किस सीमा तक जाती थीं।

सदन की गरिमा बनाए रखना जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी : अत्री

एजेंसी

जींद। उचाना विधायक देवेंद्र अत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में महिलाओं और उनके हितों से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और प्रयासों का उल्लेख किया। केंद्र सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मन की बात समाज के अलग-अलग वर्गों और देश के विभिन्न हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को सामने रखने का प्रभावी माध्यम बन चुका है। उचाना विधायक देवेंद्र अत्री प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक कार्यक्रम मन की बात की 137वीं कड़ी को अपने निवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुना। कार्यक्रम के बाद कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की और समस्याओं का सुना। कार्यक्रम के बाद विधायक ने प्रधानमंत्री के संबोधन में उठाए गए विभिन्न मुद्दों पर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। साथ ही विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों के रवैये को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस विधायकों के काले कपड़े पहनकर सदन में पहुंचने के मुद्दे पर अत्री ने कहा कि विधानसभा लोकतंत्र का महत्वपूर्ण मंच है। सभी जनप्रतिनिधियों को सदन की गरिमा और मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष अपनी जिम्मेदारी से भाग रहा है और सदन की कार्यवाही को लेकर अपनाया जा रहा रवैया सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाता है। दलित विधायक जरनैल सिंह के हाथ से पोस्टर छीन कर फाड़े जाने की घटना को विधायक ने निंदनीय बताया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में हर व्यक्ति और समाज को अपनी आवाज उठाने तथा अपने मुद्दे सामने रखने का अधिकार है। किसी की आवाज दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए।

वैश्विक दबाव में सोना-चांदी धड़ामः खरीदारी का शानदार मौका!

24 कैरेट सोना 2,460 और चांदी 2,840 प्रति किलोग्राम सस्ती हुई

नई दिल्ली

वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर मांग में कमी के चलते भारतीय सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पिछले कुछ दिनों से जारी उतार-चढ़ाव के बाद, दोनों कीमती धातुएं तेजी से नीचे आई हैं, जिससे निवेशकों और खरीदारों में हलचल मच गई है। आज 24 कैरेट सोना 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती हुई है।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) और प्रमुख हाजिर बाजारों के आंकड़ों के अनुसार, 24 कैरेट शुद्ध सोने की कीमत में करीब 2,460 रुपए प्रति 10 ग्राम की भारी कटौती देखी गई है। इस गिरावट के बाद शुद्ध सोना अब 1,54,390 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है। वहीं आभूषण बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले 22 कैरेट सोने के दामों में भी आनुपातिक कमी आई है। सोने के साथ-साथ चांदी में भी बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। चांदी की कीमत 2,840 रुपए प्रति किलोग्राम गिरकर 2,39,350 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है। बाजार विश्लेषकों के मुताबिक इस बड़ी गिरावट की मुख्य वजह वैश्विक स्तर पर अमेरिकी डॉलर का मजबूत होना और अमेरिकी केंद्रीय बैंक (फेडरल रिजर्व) की ब्याज दरों को लेकर अनिश्चितता है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डॉलर के मजबूत होने से सोने की कीमतों पर दबाव बढ़ता है, जिसका सीधा असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। हालांकि, स्थानीय सर्राफा व्यापारियों का मानना है कि यह गिरावट आम ग्राहकों और आगामी त्योहारों के सीजन में खरीदारी करने वालों के लिए एक अच्छा अवसर साबित हो सकती है। ग्राहकों को ध्यान देना चाहिए कि ये कीमतें बिना टैक्स की हैं। खुदरा दुकान से फिजिकल सोना या चांदी खरीदने पर 3 फीसदी जीएसटी और ज्वैलर्स का मेकिंग चार्ज अलग से लगता है। विशेषज्ञों ने निवेशकों और खरीदारों को बाजार के रुख पर नजर रखने और सावधानी से कदम उठाने की सलाह दी है।

एसआईपी निवेशकों का रुझान बदला, मिडकैप बना नंबर वन, लार्जकैप लुढ़का

- पिछले पांच साल में पारंपरिक निवेश से हटकर व्यापक बाजार की ओर बढ़े निवेशक

नई दिल्ली ।

पिछले पांच साल में सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के निवेशकों की पसंद में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। अब उनका रुझान पारंपरिक लार्ज कैप और टैक्स-सेविंग फंड्स की बजाय व्यापक बाजार से जुड़ी कैटेगरी की ओर बढ़ रहा है। उद्योग निकाय एम्फी और रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताजा फैक्टबुक के अनुसार, मार्च 2026 में मिड कैप फंड एसआईपी निवेश की सबसे बड़ी कैटेगरी बनकर उभरे हैं, जबकि पांच साल पहले लार्ज कैप फंड सबसे आगे थे। मार्च 2021 में लार्ज कैप फंड 16 फीसदी हिस्सेदारी के साथ सबसे पसंदीदा थे, लेकिन मार्च 2026 तक इनकी हिस्सेदारी घटकर 10 फीसदी रह गई और यह चौथे स्थान पर आ गए। वहीं, मिड कैप फंड की हिस्सेदारी 12.1 फीसदी से बढ़कर 13 फीसदी हो गई, जिससे यह तीसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। स्मॉल-कैप फंड्स की लोकप्रियता भी तेजी से बढ़ी, इनकी हिस्सेदारी 8.3 फीसदी से बढ़कर 12.1 फीसदी हो गई और यह पांचवें से तीसरे स्थान पर आ गए। फ्लेक्सी-कैप फंड (12.8 फीसदी) दूसरे स्थान पर बने हुए हैं। सेक्टोरल/थीमैटिक फंड्स की हिस्सेदारी 5.8 से बढ़कर 8.7 फीसदी हो गई, यह आठवें से पांचवें स्थान पर पहुंच गए।

दूसरी ओर, ईएलएसएस की हिस्सेदारी 12.1 से घटकर 6.8 फीसदी रह गई। मल्टी-कैप फंड भी 4.1 फीसदी हिस्सेदारी के साथ पहली बार टॉप-10 (नौवें स्थान) में शामिल हुए, जबकि बैलेंस्ड हाइब्रिड/एग्रेसिव हाइब्रिड फंड इस सूची से बाहर हो गए हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 307, निफ्टी 95 अंक गिरा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को गिरावट पर बंद हुआ बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी बाजार नीचे आया है।

विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 307.24 अंक टूटकर 76,957.27 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 95.25 अंक फिसलकर 24,080.40 पर बंद हुआ।

बाजार की व्यापक स्थिति पर नजर डालें तो आज बीएसई पर कुल 4680 शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2571 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1855 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए और 254 शेयरों में कोई बदलाव नहीं रहा। बेंचमार्क इंडेक्स में कमजोरी के बावजूद, निवेशकों के लिए एक सकारात्मक संकेत निफ्टी मिडकैप 100 में देखा गया, जो 0.24 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ 64,224.75 पर बंद हुआ। हालांकि, स्मॉलकैप इंडेक्स पर दबाव बना रहा और निफ्टी स्मॉलकैप 100 0.74 फीसदी गिरकर 19,931.65 पर आ गया।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से अधिकांश में कमजोरी हावी रही, जहां केवल 9 शेयर ऊपर चढ़े, जबकि 21 में गिरावट दर्ज की गई। बढ़त वाले प्रमुख शेयरों में सन फार्मा, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एसबीआई, बजाज फिनसर्व और टीसीएस शामिल थे। दूसरी ओर, अधिक गिरावट वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, आईटीसी, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस और कोटक बैंक जैसे दिग्गज शेयर शामिल रहे, जिन्होंने इंडेक्स को नीचे खींचने में अहम भूमिका निभाई।बाजार में इस गिरावट के पीछे कई प्रमुख कारण रहे। सबसे पहले, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और मध्य-पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक निवेशकों की धारणा को कमजोर किया। इसके साथ ही, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर में ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना ने भी बाजार को चिंतित किया। जानकारों ने इस संभावना को बल दिया है, जिससे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में वृद्धि हुई और डॉलर में मजबूती आई, जिससे उभरते बाजारों से पूंजी निकासी का डर बढ़ गया। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सुबह सेंसेक्स 419.70 अंक गिरकर 76,844.81 पर और निफ्टी 156.60 अंक फिसलकर 24,019.05 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा, विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने भी एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225, शंघाई का एएसई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सभी लाल निशान में बंद हुए।

2031 तक 63 लाख यूनिट तक पहुंच सकता है भारत का कार बाजार- भार्गव

वार्षिक बैठक में भार्गव ने कहा- कर सुधारों ने मुश्किल समय में अर्थव्यवस्था को सहारा दिया

नई दिल्ली । मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आरसी. भार्गव ने सोमवार को कंपनी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में कहा कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती ने न केवल वाहन उद्योग बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के कई क्षेत्रों को गति दी है। उन्होंने जोर दिया कि कर सुधारों ने पश्चिम एशिया युद्ध जैसी चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद की है। भार्गव ने बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है और जीएसटी संग्रह रिकॉर्ड स्तर पर है। उनका मानना है कि जीएसटी सुधारों के बिना मुश्किल समय में प्रदर्शन इतना बेहतर नहीं होता। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इन ऐतिहासिक सुधारात्मक कदमों के लिए धन्यवाद दिया और सरकारों से व्यापार को आसान बनाने तथा प्रौद्योगिकी का अधिक उपयोग करने का आग्रह किया, क्योंकि यह भ्रष्टाचार और विलंब कम करता है। मारुति चेयरमैन ने अनुमान लगाया कि भारतीय कार उद्योग 2031 तक 61 से 63 लाख इकाइयों तक पहुंच जाएगा, जिसमें छोटी कारों का बाजार तेजी से बढ़ेगा। इस वृद्धि को पूरा करने के लिए, मारुति अपनी उत्पादन क्षमता का विस्तार कर रही है, जिसका लक्ष्य 2026-27 तक 29 लाख और 2030-31 तक 36.5 लाख इकाइयों की स्थापित क्षमता हासिल करना है। उन्होंने हरियाणा के खरखौदा, गुजरात के हंसलपुर और साणंद में नए संयंत्रों व विस्तार योजनाओं का उल्लेख किया, जिसमें साणंद में लगभग 35,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है।

पार्थ जिंदल बने जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के नए चेयरमैन

स्कोडा फॉक्सवैगन के साथ संभावित साझेदारी की बातचीत के बीच हुई नियुक्ति

मुंबई ।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि पार्थ जिंदल को तत्काल प्रभाव से कंपनी का चेयरमैन नियुक्त किया गया है। वे पहले कंपनी के निदेशक मंडल में शामिल थे और उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब समूह भविष्य की रणनीतिक साझेदारियों की तलाश में है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया, जेएसडब्ल्यू समूह और चीन की एसएआईसी मोटर का एक संयुक्त उद्यम है। इसमें जेएसडब्ल्यू की 35 फीसदी, एसएआईसी मोटर की 49 और शेष 16 फीसदी हिस्सेदारी भारतीय वित्तीय संस्थानों, डीलर व कर्मचारियों के पास है। पार्थ जिंदल संयुक्त उद्यम की स्थापना के समय से ही निदेशक मंडल में शामिल रहे हैं। उन्होंने कंपनी की उत्पाद रणनीति, विनिर्माण विस्तार और स्थानीयकरण कार्यक्रमों को आकार देने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के चेयरमैन के तौर पर अपनी नई जिम्मेदारी के अलावा, पार्थ जिंदल जेएसडब्ल्यू सीमेंट और जेएसडब्ल्यू पेंट्स के प्रबंध निदेशक, जेएसडब्ल्यू ड्यूलक्स लिमिटेड के चेयरमैन तथा जेएसडब्ल्यू एनर्जी के निदेशक मंडल में भी हैं। वह जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के संस्थापक और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन एवं सह-मालिक भी हैं।

कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च, फिनटेक कंपनियां करेंगी कमाई

60 घंटे का काम सिर्फ 45 मिनट में होगा, यह लोन रिकवरी जैसे काम भी करेगा

नई दिल्ली।

फिनटेक कंपनी कैशफ्री पेमेंट्स कारोबारियों के लिए एआई एजेंट लॉन्च कर रही है ताकि भुगतान से जुड़े कामों को स्वचालित बनाया जा सके। भारत में फिनटेक कंपनियां भुगतान की प्रोसेसिंग के अलावा कमाई का नया जरिया बनाने के लिए एजेंटिक यूज केस यानी एआई एजेंट वाले समाधान की ओर बढ़ रही हैं। रिले नाम के इस एआई एजेंट का इस्तेमाल कारोबारी कई कामों के लिए कर सकते हैं, जैसे- फेल हुए पेमेंट को दोबारा प्रोसेस करना, अधूरी कार्ट पर फॉलो-अप करना, कैश-ऑन-डिलिवरी ऑर्डर भेजने से पहले पुष्टि करना, फेल सबस्क्रिप्शन का प्रबंध करना और डिस्प्यूट फाइल करना। कंपनी का लक्ष्य ऐसे एजेंट के जरिये 20,000 करोड़ रुपए की गंवाई हुई ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू वापस पाना है। ये एजेंट उन ग्राहकों को प्रेरित कर सकते हैं जिनके लेनदेन बीच में ही रोक देने की संभावना है। ये एजेंट ग्राहकों से वॉइस या टेक्स्ट के जरिये बातचीत शुरू कर सकते हैं या उन्हें छूट देकर लेनदेन पूरा करने के लिए राजी सकते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कैशफ्री पेमेंट्स के इंजीनियरिंग निदेशक ने कहा कि व्यापारियों के पास परिचालन या ग्रोथ टीम होती है जो यह जानने के लिए ग्राहकों को कॉल करती है कि उन्होंने अपनी कार्ट क्यों रोक दी या पेमेंट के दौरान उन्हें क्या दिक्कतें आईं। ये टीमें ग्राहकों को छूट भी दे सकती हैं। अब ये काम एआई एजेंट करेंगे। एक छोटे या मझोले कारोबार को भुगतान से जुड़े कामों में हफ्ते में करीब 60 घंटे लग सकते हैं। कैशफ्री का दावा है कि वह अपने एजेंट के जरिये इस समय को घटाकर 45 मिनट कर सकती है। यह एजेंट बेंगलूरु की कंपनी के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर काम करता है। कंपनी ने कहा कि कारोबारी लेनदेन का आंकड़ा बाहर के एआई प्रदाता को नहीं भेजा जाता है।

उन्होंने कहा कि इस एजेंट का इस्तेमाल ई-कॉमर्स के अलावा लोन रिकवरी जैसे कामों के लिए भी किया जा सकता है। इसमें ग्राहकों से कॉल पर बात करना, ई-पेमेंट मैंडेट की जांच करना और ग्राहक से दोबारा संपर्क करने का सही समय तय करना शामिल हो सकता है। इस एजेंटिक सेवा के लॉन्च होने से कैशफ्री जैसी फिनटेक कंपनियों के लिए यह कमाई का एक नया जरिया है, जो भुगतान उद्योग की कड़ी प्रतिस्पर्धा और पेमेंट प्रोसेसिंग के बहुत कम मार्जिन पर काम करती हैं।

1 सितंबर से एलपीजी-पीएनजी में होंगे तीन बड़े बदलाव

नई दिल्ली ।

सितंबर महीने की शुरुआत के साथ ही एलपीजी और पीएनजी उपभोक्ताओं के लिए कई अहम बदलाव लागू होंगे। इनका सीधा असर आपकी रसोई के बजट और गैस सेवाओं पर पड़ेगा, जिनमें सिलेंडर के दामों की समीक्षा, ईकेवायसी की अनिवार्यता और नए कनेक्शन की योजनाएं प्रमुख हैं। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को घरेलू (14.2 किग्रा) और कमर्शियल (19 किग्रा) एलपीजी सिलेंडर की कीमतें संशोधित करती हैं। अगस्त में घरेलू सिलेंडर स्थिर थे, जबकि कमर्शियल सिलेंडर 192 सस्ता हुआ। उपभोक्ता अब घरेलू गैस के दामों में कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। सितंबर में कीमतें घटेंगी, बढ़ेंगी या स्थिर रहेंगी, यह कल ही पता चलेगा। एलपीजी कनेक्शन के लिए आधार-आधारित बायोमेट्रिक ईकेवायसी कराने का 31 अगस्त अंतिम मौका है। यदि आपने समय रहते ईकेवायसी नहीं कराया, तो 1 सितंबर से आपको सब्सिडी या सिलेंडर आपूर्ति में दिक्कतें आ सकती हैं। इसे आप घर बैठे ऑनलाइन या अपनी गैस एजेंसी पर जाकर पूरा कर सकते हैं।

रुपया 13 पैसे टूटकर 95.56 प्रति डॉलर पर

रुपया शुक्रवार को 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 13 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.56 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि सितंबर में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर बढ़ाए जाने के आसार के बीच अमेरिकी बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ा और डॉलर में व्यापक मजबूती आई। इससे निवेशकों की धारणा और प्रभावित हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.56 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से 13 पैसे की गिरावट है। रुपया शुक्रवार को दो पैसे की मामूली बढ़त के साथ 95.43 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 99.62 पर आ गया।

भारत ने ब्राजील से दवा निर्यात हेतु विश्वसनीय नियामक प्रणाली की मांग की

- मर्कोसुर पीटीए के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी बनी सहमति

नई दिल्ली ।

भारत ने ब्राजील से दवा उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक अधिक विश्वसनीय नियामक व्यवस्था की मांग की है। यह मुद्दा हाल ही में ब्रासीलिया में भारत-ब्राजील व्यापार निगरानी प्रणाली (टीएमएम) की आठवीं बैठक के दौरान उठाया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों ने सीमित मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौते (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण पर भी सहमति व्यक्त की, जिसका उद्देश्य समग्र द्विपक्षीय व्यापार को गति देना है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, भारत ने भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच सुगम बनाने हेतु मजबूत और पारदर्शी नियामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने इस बैठक में हिस्सा लिया, जहां भारतीय दवा उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को आसान बनाने की दिशा में सकारात्मक प्रगति दर्ज की गई। बैठक में भारत-मर्कोसुर तरजीही व्यापार समझौता (पीटीए) के विस्तार और आधुनिकीकरण की अपार संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। जून 2009 में लागू यह समझौता वर्तमान में केवल 450 शुल्क मदों तक सीमित है। दोनों पक्ष अब इसके दायरे को बढ़ाकर इसे एक पूर्ण व्यापार समझौते में बदलने के लिए कार्यक्षेत्र की शर्तों को जल्द अंतिम रूप देने पर सहमत हुए हैं। इसका लक्ष्य वर्ष 2025 तक भारत-मर्कोसुर द्विपक्षीय व्यापार को 20.84 अरब डॉलर तक पहुंचाना है। भारत और ब्राजील के बीच द्विपक्षीय व्यापार 2025-26 में 15.07 अरब डॉलर तक पहुंच गया था, और दोनों देशों ने इसे 2030 तक 30 अरब डॉलर तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है।

चीनी की जमाखोरी पर सरकार सख्त, मिलों को अब 7 दिन में बेचना होगा कोटा

सितंबर के पहले पखवाड़े के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित

नई दिल्ली ।

बाजार में चीनी की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और जमाखोरी पर लगाम कसने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत, अब चीनी मिलों को अपना आवंटित कोटा रिलीज ऑर्डर मिलने के सात दिनों के भीतर बेचना अनिवार्य होगा, जबकि पहले इसके लिए एक महीने का समय मिलता था। सरकार ने सितंबर 2026 के पहले पखवाड़े (1 से 15 सितंबर) के लिए 13 लाख टन चीनी का कोटा निर्धारित किया है। सरकार के इस नए नियम के तहत, चीनी मिलों को अब एक महीने के बजाय रिलीज ऑर्डर जारी होने के 7 दिनों के भीतर हर हाल में अपना आवंटित चीनी कोटा बाजार में बेचना होगा। रिलीज ऑर्डर एक आधिकारिक अनुमति पत्र होता है, जिसके माध्यम से सरकार यह तय करती है कि कोई भी चीनी मिल एक निश्चित समय-सीमा के भीतर खुले बाजार में कितनी चीनी बेच सकती है। यह व्यवस्था बाजार में चीनी की अत्यधिक आपूर्ति या कमी दोनों को रोकने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। इस कड़े नियम का मुख्य उद्देश्य मिलों को अधिक मुनाफे के लालच में चीनी का स्टॉक दबाकर रखने से रोकना है। गणेश चतुर्थी और ओणम जैसे आगामी त्योहारों के दौरान चीनी की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए यह 13 लाख टन का कोटा पर्याप्त माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि इस कदम से बाजार में चीनी की कोई कमी नहीं होगी और कीमतें भी काबू में रहेंगी। इसके अतिरिक्त, सरकार ने हाल ही में थोक खरीदारों (जैसे मिठाई और कोल्ड ड्रिंक निर्माता) पर भी 15 दिनों से अधिक का स्टॉक रखने पर पाबंदी लगाई है, जो नवंबर के अंत तक प्रभावी रहेगी।

अल्फा वेव ने बेचे 1,857 करोड़ के शेयर, बड़े संस्थागत निवेशकों ने की खरीदारी

रिपोर्ट के अनुसार, वैनगार्ड, निप्पॉन इंडिया और बीएनपी पारिबा जैसे खरीदार शामिल

नई दिल्ली ।

लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के शेयरों में हाल ही में करीब 1,857 करोड़ रुपये की एक बड़ी ब्लॉक डील देखने को मिली। अल्फा वेव से जुड़ी इकाइयों ने कंपनी के बड़े पैमाने पर शेयर बेचे, वहीं घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों ने इस बिकवाली का लाभ उठाते हुए महत्वपूर्ण हिस्सेदारी खरीदी। नुवामा की एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है, जो बाजार में लेंसकार्ट के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाती है। नुवामा की रिपोर्ट के अनुसार, अल्फा वेव से जुड़ी तीन अलग-अलग इकाइयों ने मिलकर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के करीब 2.95 करोड़ शेयर बेचे, जिनकी कुल कीमत लगभग 1,857 करोड़ रुपये रही। ये शेयर मुख्य रूप से 630 रुपये प्रति शेयर के भाव पर बेचे गए। रिपोर्ट में बताया गया है कि पहली इकाई ने करीब 285 करोड़ रुपये के 45.21 लाख शेयर बेचे, दूसरी इकाई ने 296 करोड़ रुपये के 46.94 लाख शेयर निकाले, जबकि सबसे बड़ी बिक्री तीसरी इकाई की रही, जिसने 1,276 करोड़ रुपये के 2.03 करोड़ शेयर बेचे।

इस बड़ी बिकवाली के बावजूद, लेंसकार्ट के शेयरों के लिए खरीदारों की लंबी कतार देखी गई, जिसमें कई प्रतिष्ठित घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशक शामिल थे। घरेलू मोर्चे पर, कोटक म्युचुअल फंड ने लगभग 56 करोड़ रुपये के 8.76 लाख शेयर खरीदे, रेडव्हील ने 59 करोड़ रुपये के 9.37 लाख शेयर और घिसालो मास्टर फंड ने 64 करोड़ रुपये के 9.98 लाख शेयर खरीदे। विदेशी संस्थागत निवेशक भी पीछे नहीं रहे।

बीओएफए ने 38 करोड़ रुपये के 6.07 लाख शेयर, विरिडियन एशिया अपॉर्च्युनिटी फंड ने भी इतनी ही कीमत के शेयर और बीएनपी पारिबा ने 3.93 लाख शेयर 642 रुपये के भाव पर खरीदे। इसके अलावा, कुवैत इन्वेस्टमेंट ने भी लगभग 43 करोड़ रुपये के 6.73 लाख शेयर खरीदे।

खरीदारों में वैनगार्ड और निप्पॉन इंडिया इक्विटी जैसे बड़े नाम भी शामिल थे। निप्पॉन इंडिया इक्विटी ने लगभग 13 करोड़ रुपये के 2 लाख शेयर खरीदे। वैनगार्ड के विभिन्न फंडों जैसे वैनगार्ड एफ्टीएसई ऑल वर्ल्ड और वैनगार्ड एफटीएसई इमर्जिंग मार्केट ने भी लेंसकार्ट के शेयरों में खरीदारी की।

यह लेनदेन दर्शाता है कि भले ही शुरुआती निवेशकों ने मुनाफावसूली की हो, लेकिन बाजार में लेंसकार्ट के भविष्य को लेकर अभी भी मजबूत भरोसा बरकरार है।

उर्वरक खरीद को भूमि रिकॉर्ड से जोड़ेगी सरकार

आईएफएमएस डिजिटल निगरानी प्रणाली का दायरा बढ़ाया

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने उर्वरक खरीद को किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की बेहतर निगरानी के लिए एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) का विस्तार करने की घोषणा की है। एनआईसी द्वारा संचालित इस डिजिटल मंच पर 14 करोड़ से अधिक आधार-लिंक्ड खरीदार और 2.5 लाख खुदरा विक्रेता पंजीकृत हैं। नए डैशबोर्ड के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर से लेकर खुदरा विक्रेता स्तर तक उर्वरक की आपूर्ति और किल्लत की जानकारी पहले ही मिल सकेगी।सरकार ने रविवार को कहा कि वह उत्पादन से लेकर खुदरा बिक्री तक उर्वरकों की निगरानी करने वाले देशव्यापी डिजिटल मंच का विस्तार कर रही है।

इसके तहत उर्वरकों की खरीद को व्यक्तिगत किसानों के भूमि रिकॉर्ड से जोड़ने और सब्सिडी भुगतान की अधिक करीबी निगरानी के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं। उर्वरक विभाग द्वारा राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की तकनीकी मदद से संचालित एकीकृत उर्वरक प्रबंधन प्रणाली (आईएफएमएस) में 14 करोड़ से अधिक आधार से जुड़े खरीदार और 2.5 लाख से अधिक खुदरा विक्रेता पहले ही दर्ज हैं।

यह प्रणाली हर साल करीब सात करोड़ टन उर्वरक की बिक्री का प्रसंस्करण करती है। इसके तहत करीब दो लाख करोड़ रुपये की सालाना उर्वरक सब्सिडी से जुड़े लेनदेन पर नजर रखी जाती है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि विभाग नए डैशबोर्ड विकसित कर रहा है, जिनके माध्यम से अधिकारियों को राष्ट्रीय, राज्य, जिला और खुदरा विक्रेता स्तर पर उर्वरक के उत्पादन, आयात, आपूर्ति, भंडार और खुदरा बिक्री की एकीकृत जानकारी मिल सकेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था ने फिर पकड़ी रफ्तार, 7.8 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि ने जगाई नई उम्मीद

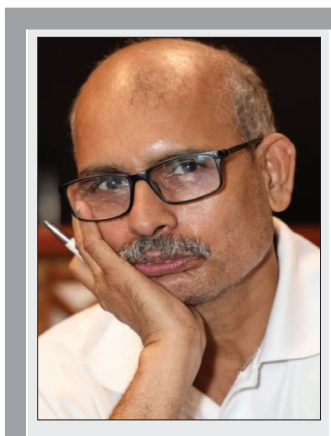

विनोद सिंह 'तकियावाला'

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की जीडीपी में नहीं, बल्कि उस जीडीपी से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

विकास के आँकड़े उत्साहजनक, मगर असली चुनौती रोजगार, आमदनी और आम आदमी की खुशहाली तक आर्थिक रफ्तार पहुँचाने की...

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर दुनिया को अपनी आर्थिक मजबूती का एहसास कराया है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में जारी अनिश्चितता,भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक चुनौतियों और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान भारत की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद यानी GDP वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है। केन्द्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों ने भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर को एक बार फिर उम्मीद से भर दिया है।

स्थिर कीमतों पर पहली तिमाही में वास्तविक GDP 81.36 लाख करोड़ रुपये आंकी गई है, जबकि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 75.46 लाख करोड़ रुपये थी। मौजूदा कीमतों पर नाममात्र GDP 88.27 लाख करोड़ रुपये रही, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दशार्ती है।वहीं वास्तविक GVA 73.82 लाख करोड़ रुपये रहा और इसमें 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। नाममात्र GVA में 11.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।आँकड़ों की यह तस्वीर निश्चित रूप से उत्साह बढ़ाने वाली है। मगर आर्थिक विकास की असली कहानी केवल GDP की ऊँची दर में नहीं छिपी होती। सवाल यह भी है कि आर्थिक विकास की यह रफ्तार देश के गांवों, कस्बों, छोटे कारोबारियों, किसानों, मजदूरों और युवाओं के जीवन में कितनी दिखाई देती है। अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ना महत्वपूर्ण है, मगर उस बढ़ती अर्थव्यवस्था में आम आदमी की हिस्सेदारी बढ़ना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

भारत की आर्थिक विकास यात्रा में सेवा क्षेत्र लगातार महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।वित्तीय, रियल एस्टेट, सूचना प्रौद्योगिकी और पेशेवर सेवाओं सहित सेवा क्षेत्र की गतिविधियों ने आर्थिक विस्तार को गति दी है। पहली तिमाही में व्यापक सेवा क्षेत्र की वास्तविक GVA वृद्धि 10 प्रतिशत रही, जबकि वित्तीय, रियल एस्टेट, क्ळ और पेशेवर सेवाओं से जुड़े क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

विनिर्माण और निर्माण क्षेत्र की स्थिति भी अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण संकेत दे रही है। द्वितीयक क्षेत्र में वास्तविक वृद्धि 8.6 प्रतिशत रही। पूंजीगत वस्तुओं के औद्योगिक उत्पादन में 15.2 प्रतिशत, विद्युत उपकरणों के विनिर्माण में 27 प्रतिशत और अन्य परिवहन उपकरणों के विनिर्माण में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। इलेक्ट्रॉनिक तथा ऑप्टिकल उत्पादों के विनिर्माण में भी 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इन आँकड़ों को भारत के बदलते औद्योगिक स्वरूप से जोड़कर देखा जाना चाहिए। देश अब केवल सेवा आधारित अर्थव्यवस्था के सहारे आगे बढ़ने की कोशिश नहीं कर रहा है, बल्कि विनिर्माण, इलेक्ट्रॉनिक्स, परिवहन

उपकरण, विद्युत उपकरण और मशीनरी जैसे क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। आत्मनिर्भर भारत की आर्थिक सोच के लिए यह बदलाव महत्वपूर्ण है।

निवेश के मोर्चे पर भी आँकड़े उम्मीद जगाते हैं। पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह संकेत देता है कि उत्पादन क्षमता बढ़ाने, मशीनरी, संयंत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश की गतिविधियां जारी हैं। निजी अंतिम उपभोग व्यय में भी 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

आर्थिक विकास का पहिया तभी तेजी से घूमता है जब निवेश और उपभोग दोनों साथ-साथ आगे बढ़ें। निवेश से उत्पादन क्षमता बढ़ती है और उपभोग से बाजार में मांग पैदा होती है। मांग बढ़ती है तो उद्योग उत्पादन बढ़ाते हैं, उत्पादन बढ़ता है तो रोजगार और आय के अवसर पैदा होने की संभावना बढ़ती है। इसलिए पहली तिमाही के आंकड़ों में निवेश और उपभोग की मजबूती को विशेष महत्व देना होगा।

ग्रामीण भारत की तस्वीर भी इस आर्थिक कहानी का अहम हिस्सा है। प्राथमिक क्षेत्र की वास्तविक वृद्धि 2.9 प्रतिशत रही, जबकि कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। कृषि क्षेत्र का प्रदर्शन सीधे ग्रामीण मांग से जुड़ता है और ग्रामीण मांग का प्रभाव छोटे दुकानदारों, स्थानीय बाजारों, परिवहन, निर्माण और उपभोक्ता वस्तुओं तक दिखाई देता है।

निर्यात के आँकड़े भी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत दे रहे हैं। पहली तिमाही में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात में 25.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। परिवहन वस्तुओं के निर्यात में 52.2 प्रतिशत और मशीनरी एवं उपकरणों के निर्यात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह भारत की वैश्विक बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिशों का संकेत है।

हालाँकि दूसरी तरफ आयात में भी तेज वृद्धि हुई है। वस्तुओं और सेवाओं के आयात में 30.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मशीनरी और उपकरणों के आयात में 51.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे एक ओर देश में निवेश और उत्पादन की बढ़ती जरूरत के रूप में देखा जा सकता है,वहीं दूसरी ओर आयात निर्भरता कम करने की चुनौती भी इससे जुड़ी हुई है।भारत के लिए आने वाला समय इसलिए केवल तेज आर्थिक वृद्धि का नहीं, बल्कि उस वृद्धि की गुणवत्ता का भी समय है। GDP की 7.8 प्रतिशत वृद्धि निश्चित रूप से उपलब्धि है, मगर क्या यह वृद्धि पर्याप्त रोजगार पैदा कर रही है? क्या युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप अवसर मिल रहे हैं? क्या किसानों और ग्रामीण परिवारों की वास्तविक आय बढ़ रही है? क्या छोटे और मध्यम उद्योग इस आर्थिक विस्तार का पर्याप्त लाभ उठा रहे हैं? ये प्रश्न भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले भी GDP के मजबूत आंकड़ों को अर्थव्यवस्था की मजबूती, सुधारों की सफलता और देशवासियों की मेहनत से जोड़ चुके हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की वास्तविक GDP वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही थी और उसकी चौथी तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि यह संकेत देती है कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने अपनी गति को बनाए रखा है।मगर वैश्विक परिस्थितियां लगातार बदल रही हैं। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव, व्यापारिक तनाव और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग की अनिश्चितता भारत के सामने आने वाली चुनौतियां हैं। इसलिए आर्थिक विकास को केवल सरकारी खर्च या किसी एक क्षेत्र के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। निजी निवेश, घरेलू मांग, निर्यात, विनिर्माण और रोजगार के बीच संतुलन बनाना होगा।

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि GDP की इस रफ्तार को टिकाऊ बनाया जाए। बुनियादी ढांचे पर निवेश जारी रखना होगा, एमएसएमई को वित्त और बाजार उपलब्ध कराने होंगे, विनिर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना होगा और युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए कौशल विकास पर और अधिक ध्यान देना होगा। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मगर दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और देश के हर नागरिक के जीवन को बेहतर बनाना दो अलग-अलग लक्ष्य नहीं हो सकते। दोनों को साथ लेकर चलना होगा।

GDP का आँकड़ा जब 7.8 प्रतिशत की वृद्धि की कहानी सुनाता है तो देश को निश्चित रूप से गर्व होना चाहिए। मगर उस आंकड़े की असली सफलता तब होगी जब किसान की आय में सुधार दिखाई दे, मजदूर की मजदूरी और रोजगार की सुरक्षा बढ़े, छोटे व्यापारी के कारोबार में रौनक लौटे, युवाओं को रोजगार मिले और मध्यम वर्ग के परिवार को महँगाई तथा भविष्य की चिंता से राहत मिले।भारत की अर्थव्यवस्था ने पहली तिमाही में मजबूत शुरूआत की है। निवेश बढ़ा है, उपभोग बढ़ा है, विनिर्माण में गति दिखाई दे रही है, सेवाएं मजबूत हैं और निर्यात में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है। ये सभी संकेत भारत के आर्थिक भविष्य के लिए उम्मीद जगाते हैं।

मगर आर्थिक विकास की असली मंजिल अभी दूर है। 7.8 प्रतिशत की विकास दर मंजिल नहीं, बल्कि उस लंबी यात्रा का एक पड़ाव है जिसमें भारत को आर्थिक रूप से मजबूत होने के साथ सामाजिक रूप से अधिक समावेशी भी बनना है।

आँकड़ों की चमक तभी सार्थक होगी जब उसकी रोशनी देश के अंतिम व्यक्ति के घर तक पहुँचे। भारत की अर्थव्यवस्था की असली ताकत केवल लाखों करोड़ रुपये की GDP में नहीं, बल्कि उस GDP से पैदा होने वाले अवसरों में है। इसलिए अब चुनौती विकास की गति को बनाए रखने से आगे बढ़कर उसे रोजगारपरक, समावेशी और जनकल्याणकारी बनाने की है।

पहली तिमाही के 7.8 प्रतिशत के आंकड़े ने उम्मीद का दरवाजा खोल दिया है। अब जरूरत इस दरवाजे से आगे बढ़कर ऐसी आर्थिक व्यवस्था बनाने की है जिसमें विकास के आंकड़े और आम आदमी की जिंदगी के आंकड़े एक-दूसरे से अलग दिखाई न दें।आलेख में GDP, GVA, निवेश, उपभोग, कृषि, विनिर्माण और निर्यात के आंकड़े उसी नई GDP श्रृंखला (आधार वर्ष 2022-23) के अनुरूप रखे गए हैं,जिसे MoSPI ने फरवरी 2026 में जारी किया था।

संपादकीय

डिजिटल जाल में बचपन

भारत में लंबे समय से अभिभावक, शोध निष्कर्ष और मीडिया बता रहा था कि बच्चों पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का घातक प्रभाव पड़ रहा है। लेकिन हमारे नीति-नियंता इस तरह के मामलों में तब ध्यान देते हैं जब इस बाबत निष्कर्ष पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका से आएं। फेसबुक और इंस्टाग्राम से बच्चों को हुए नुकसान को लेकर पिछले दिनों अमेरिका की अदालतों में वाद दायर किए गए। इस बाबत किए गए दावों के बाद मेटा को 18 अरब डॉलर तक भुगतान करने का फैसला अदालतों ने दिया। इस जुमर्ने से इस बात को भी मान्यता मिली है कि नुकसान सिर्फ सोशल मीडिया के इस्तेमाल के तरीके से ही नहीं होता, बल्कि उसके डिजाइन से भी हो सकता है। आरोप लगे थे कि इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों को इसकी लत लग जाती है। दरअसल, यह निष्कर्ष महत्वपूर्ण है कि किस तरह बच्चों को उपभोक्ता में तब्दील किया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि माता-पिता स्क्रीन टाइम को तो सीमित कर सकते हैं, लेकिन वे उन एल्गोरिदम को नहीं देख सकते हैं, जो यह तय करते हैं कि उन घंटों के दौरान बच्चा क्या देखता है। दरअसल, इन प्लेटफॉर्म द्वारा बड़ी ही चालकी से इनफिनेट स्क्रॉलिंग, पर्सनलाइज्ड रिकमेंडेशन, नोटिफिकेशन, लाइक्स और दूसरे एंगेजमेंट टूल इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे बच्चों का बार-बार ध्यान खींचें और उन्हें छोटी स्क्रीन पर वापस लाएं। दरअसल, अभिभावकों ने अमेरिकी अदालत में कहा कि प्रश्न यह नहीं है कि बच्चे अधिक समय तक ऑनलाइन रहते हैं, बल्कि यह है कि प्लेटफॉर्म को बच्चों को लत लगाने के लिये डिजाइन किया गया है। मेटा ने कुछ सुरक्षा उपायों को लेकर प्रस्ताव रखे हैं, जिसमें रोजाना की सीमाएं, रात के समय की पाबंदियां तथा लगातार बढ़ावा देने वाले फीचर्स में बदलाव शामिल है। लेकिन इसके बावजूद कंपनी का विज्ञापन आधारित बिजनेस मॉडल काफी हद तक वैसा ही बना रहेगा। इससे अभिभावकों की चिंता बढ़ी है कि जब तक कंपनी का व्यावसायिक मॉडल नहीं बदलेगा, सकारात्मक नतीजों की उम्मीद बेमानी होगी। अमेरिका में अभिभावकों की जीत के बाद भारत को सबक लेते हुए जल्दबाजी में इस पर पूरी तरह बैन लगाने से बचना चाहिए। सारी जिम्मेदारी अभिभावकों की भी न हो। इसके लिये जो डिजिटल नियम बनें, उनमें प्लेटफॉर्म्स को प्रोडक्ट डिजाइन से होने वाले संभावित नुकसान हेतु जवाबदेह बनाना चाहिए। साथ ही बच्चों को लक्षित करने वाले व्यवहार संबंधी विज्ञापनों पर सख्त रोक लगानी चाहिए। बच्चों द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले रिकमेंडेशन सिस्टम का स्वतंत्र ऑडिट हो। वहीं उम्र की पुष्टि करने वाले सिस्टम को बच्चों की निजी जानकारी का ऐसा डेटाबेस नहीं बनाना चाहिए, जो उनकी निजता में हस्तक्षेप कर सके। फोन में सेफ्टी सेटिंग्स हमेशा विद्यमान रहनी चाहिए, ताकि मां-बाप को माथापच्ची कर-के उसे ढूंढ कर चालू न करना पड़े। निस्संदेह, जिन प्लेटफॉर्म्स के पास बच्चों को लत लगाने की तकनीक है, उनके पास ही नुकसान को कम करने की तकनीक भी है। अतः जिम्मेदारी प्लेटफॉर्म की हो।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतों की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुःख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चक्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है।

हिमालय के ग्लेशियर और हिमस्खलनः विकास की कीमत कहीं विनाश तो नहीं?

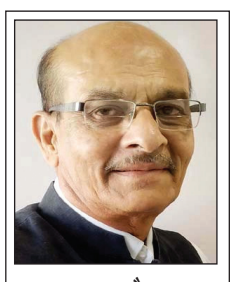

सनत जैन

हिमालय केवल भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान की भौगोलिक सीमा नहीं है, बल्कि यह एशिया की जलवायु, नदियों, जैव-विविधता और करोड़ों लोगों के जीवन का आधार है। पिछले तीन दशकों में विकास के नाम पर जिस तेजी से पहाड़ों को काटा गया, जंगलों को कम किया गया, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह में हस्तक्षेप हुआ और अत्याधिक निर्माण किया गया, उसके परिणाम अब इनक्रीसिंगली दिखाई देने लगे हैं। ग्लेशियरों का सिकुड़ना, हिमस्खलन, अचानक बाढ़, बादल फटना और पहाड़ों का दरकना अब अलग-अलग घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि एक बड़े पर्यावरणीय संकट की चेतावनी हैं। हिमालय की पारिस्थितिकी अत्यंत संवेदनशील है। यहां सड़क, सुरंग, बांध, होटल, रिसॉर्ट और अन्य निर्माण यदि वैज्ञानिक क्षमता और स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को नजरअंदाज करके किए जाएं तो उनका प्रभाव केवल उस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहता। एक पहाड़ का कमजोर होना पूरी घाटी के जलप्रवाह को बदल सकता है। मलबा नदी में पहुंचकर उसका मार्ग रोक सकता है। देखते ही देखते शांत नदी विनाशकारी बाढ़ का रूप ले सकती है। कहीं नदी का रास्ता बदल जाता है तो कहीं मलबे और चट्टानों का नया पहाड़ खड़ा हो जाता है। सबसे गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन की है। वैश्विक तापमान में वृद्धि का सीधा प्रभाव हिमालय के ग्लेशियरों पर पड़ रहा है। ग्लेशियरों का पीछे हटना केवल बर्फ के कम होने की कहानी नहीं है। यही ग्लेशियर सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदी प्रणालियों को पानी उपलब्ध कराते हैं। यदि हिमनदों का संतुलन बिगड़ता है तो आने वाले समय में एक तरफ अचानक बाढ़ और दूसरी तरफ जल-संकट दोनों का खतरा बढ़ सकता है। इस संकट का असर केवल मनुष्य पर नहीं होगा। हिमालय हजारों वनस्पतियों, पशु-पक्षियों और सूक्ष्म जीवों का घर है। तापमान और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से जैविक संरचना बदल रही है। कुछ प्रजातियां ऊंचाई की ओर जाने को मजबूर होंगी, कुछ के लिए ऐसा करना संभव नहीं होगा। जंगलों की संरचना बदलेगी और उसके साथ पूरी खाद्य-श्रृंखला प्रभावित हो सकती है। प्रकृति का कोई भी हिस्सा अलग-थलग नहीं है। एक परिवर्तन दूसरे परिवर्तन को जन्म देता है। दुर्भाग्य यह है कि पर्यावरणीय चेतावनियां वैज्ञानिक वर्षों से दे रहे हैं, लेकिन विकास की हमारी परिभाषा अभी भी सड़क, पुल, भवन और ऊर्जा परियोजनाओं की संख्या से तय होती है। सवाल यह नहीं है कि विकास होना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या ऐसा विकास होना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दे? भारत, नेपाल, चीन और पाकिस्तान के लिए हिमालय साझा प्राकृतिक व्यवस्था है। राजनीतिक सीमाएं अलग हो सकती हैं, लेकिन ग्लेशियर, नदियां, हवा और मौसम सीमाओं को नहीं मानते। नेपाल में होने वाली हिमालयी आपदा का प्रभाव भारत तक पहुंच सकता है और हिमालय में होने वाला पर्यावरणीय परिवर्तन पूरे दक्षिण एशिया की जल-सुरक्षा को प्रभावित कर सकता है। इसलिए अब इन देशों को राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा हिमालय नीति बनानी होगी। ग्लेशियरों की लगातार निगरानी, वैज्ञानिक आधार पर निर्माण, संवेदनशील क्षेत्रों में निर्माण पर प्रतिबंध, जंगलों की रक्षा, नदी के प्राकृतिक मार्गों को सुरक्षित रखना और आपदा की पूर्व चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना समय की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को भी केवल सम्मेलन और घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय उत्सर्जन और पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों के वास्तविक पालन की निगरानी करनी होगी। प्रकृति को जीतने की वस्तु समझना मानव सभ्यता की सबसे बड़ी भूल है। ब्रह्मांड एक है, धरती एक है, उसकी प्राकृतिक व्यवस्था भी एक-दूसरे से जुड़ी हुई है। सीमाएं मनुष्य ने बनाई हैं, प्रकृति ने नहीं। यदि धन, सत्ता और सुविधा के लिए हम हिमालय जैसे प्राकृतिक सुरक्षा कवच को लगातार कमजोर करते रहे तो आने वाली पीढ़ियां हमें विकास का निमार्ता नहीं, बल्कि विनाश की नींव रखने वाली पीढ़ी के रूप में याद करेंगी। समय अभी भी हमारे हाथ में है। हिमालय को बचाना केवल पहाड़ों को बचाना नहीं है। यह पानी, मौसम, जैव-विविधता, अर्थव्यवस्था और मानव सभ्यता के भविष्य को बचाना है। इसके लिए जिम्मेदारी और बेहतर सोच तथा समन्वय की जरूरत है।

बच्चों के लिए रात में बंद होगा फेसबुक-इंस्टाग्राम, पश्चिम ने समझी डिजिटल दुनिया की सीमा

कांतिलाल मांडोत

बालमन की सुरक्षा को लेकर अमरीका का बड़ा फैसला, भारत को भी सीख लेने की जरूरत...

सोशल मीडिया आज दुनिया के करोड़ों लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और दूसरे डिजिटल मंचों ने सूचनाओं, मनोरंजन और संवाद के रास्ते आसान किए हैं, लेकिन इनके बढ़ते इस्तेमाल ने बच्चों और किशोरों के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी कर दी हैं। खास तौर पर कम उम्र में सोशल मीडिया की आदत बच्चों के मानसिक विकास, पढ़ाई, नींद, पारिवारिक संवाद और सामाजिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसी चिंता के बीच अमरीका में फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल को लेकर जो कदम उठाया गया है, वह दुनिया के दूसरे देशों के लिए भी विचार का विषय बन गया है।

मेटा ने अमरीका के 47 राज्यों और वॉशिंगटन डीसी समेत कुछ अमेरिकी क्षेत्रों के साथ हुए समझौते के तहत 18 वर्ष से कम उम्र के उपयोगकताओं के लिए फेसबुक और इंस्टाग्राम के इस्तेमाल पर रात के समय प्रतिबंध लगाने पर सहमति जताई है। प्रस्तावित व्यवस्था के अनुसार नाबालिगों के लिए रात 12 बजे से सुबह 6 बजे तक इन दोनों प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बंद रहेगा। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम के लिए रोजाना कुल दो घंटे की सीमा तय की जाएगी। यदि कोई किशोर इससे अधिक समय तक इनका इस्तेमाल करना चाहता है तो इसके लिए माता-पिता की अनुमति आवश्यक होगी।

इतना ही नहीं, सुबह 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक नोटिफिकेशन बंद रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। इसका सीधा उद्देश्य यह है कि बच्चे लगातार आने वाले संदेशों, लाइक, कमेंट और दूसरी डिजिटल गतिविधियों से पढ़ाई के समय विचलित न हों। मेटा उम्र की पहचान की व्यवस्था को भी मजबूत करेगा और किशोरों को संवेदनशील सामग्री से बचाने के लिए नियंत्रण बढ़ाएगा। लाइक काउंट जैसी कुछ सुविधाएं भी नाबालिगों के लिए डिफॉल्ट रूप से छिपाई जाएंगी।

यह फैसला अचानक नहीं आया है। वर्ष 2023 में अमरीका के 29 राज्यों के अटॉर्नी जनरल ने मेटा के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। आरोप था कि फेसबुक और इंस्टाग्राम में ऐसे फीचर डिजाइन किए गए हैं जो बच्चों और किशोरों को ज्यादा समय तक प्लेटफॉर्म से जोड़े रखते हैं। बाद में इस कानूनी कार्रवाई का दायरा बढ़ता गया और इसमें 47 राज्य, वॉशिंगटन डीसी तथा कुछ अमेरिकी क्षेत्र शामिल हो गए। 26 अगस्त 2026 को मेटा और संबंधित राज्यों के अटॉर्नी जनरल के बीच समझौते के बाद इस मामले का समाधान हुआ।

इस समझौते का आर्थिक पक्ष भी महत्वपूर्ण है। बताया गया है कि मेटा समझौते के तहत अमरीकी राज्यों और संबंधित क्षेत्रों को 10 वर्षों में किस्तों के माध्यम से 12.1 अरब डॉलर का भुगतान करेगा। यदि टिकटॉक, स्नैपचैट और यूट्यूब जैसी अन्य कंपनियां भी इसी तरह के बाल सुरक्षा उपायों और भुगतान को स्वीकार करती हैं तो कुल राशि 17.1 अरब डॉलर तक पहुंच सकती है। इससे यह संकेत मिलता है कि बच्चों की डिजिटल सुरक्षा अब केवल सामाजिक या पारिवारिक चिंता नहीं रही, बल्कि सरकारों और बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए भी गंभीर नीति का विषय बन चुकी है।

सबसे बड़ा सवाल भारत को लेकर है। फिलहाल अमरीका में हुआ यह समझौता भारत में लागू नहीं होगा। हालांकि भारत में भी बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर उम्र की सीमा, स्क्रीन टाइम और पैरेंटल कंसेंट जैसे विकल्पों पर चर्चा होती रही है। भारत जैसे देश में यह विषय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यहां बड़ी संख्या में बच्चे और किशोर तेजी से स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं।

बच्चों का मन अत्यंत संवेदनशील होता है। कम उम्र में मिलने वाली सूचनाएं, तस्वीरें, वीडियो और सामाजिक प्रतिक्रियाएं उनके सोचने और व्यवहार करने के तरीके को प्रभावित करती हैं। सोशल मीडिया पर लगातार दूसरों की जिंदगी को देखने से बच्चों में अनावश्यक तुलना, लोकप्रिय होने की इच्छा और डिजिटल स्वीकृति पाने की प्रवृत्ति बढ़ सकती है। रात देर तक मोबाइल चलाने से नींद प्रभावित हो सकती है और अगले दिन पढ़ाई तथा दैनिक गतिविधियों पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल सोशल मीडिया के इस्तेमाल का सवाल नहीं, बल्कि बाल विकास और पारिवारिक जीवन से जुड़ा विषय है।

भारत में इस मुद्दे पर सरकार, विद्यालयों और अभिभावकों को मिलकर गंभीरता से विचार करना चाहिए। केवल प्रतिबंध लगा देना हर समस्या का समाधान नहीं हो सकता। बच्चों को डिजिटल दुनिया के सही और गलत उपयोग के बारे में समझाना भी उतना ही आवश्यक है। अभिभावकों को बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना होगा और यह समझना होगा कि वे इंटरनेट पर क्या देख रहे हैं, किस तरह की सामग्री से प्रभावित हो रहे हैं और सोशल मीडिया उनके समय तथा व्यवहार को किस तरह बदल रहा है।

विडंबना यह है कि जिस भारतीय संस्कृति को आज आधुनिकता की दौड़ में पीछे छूटती हुई संस्कृति समझने की प्रवृत्ति बढ़ रही है, उसमें सदियों से संयम, समय का सदुपयोग, परिवार के साथ संवाद और संतुलित जीवन पर जोर दिया जाता रहा है। आज पश्चिमी देशों में भी डिजिटल जीवन की सीमाएं तय करने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसका अर्थ यह नहीं कि पश्चिम की हर व्यवस्था गलत है या भारत को हर चीज का विरोध करना चाहिए। बल्कि यह समझने की जरूरत है कि आधुनिक तकनीक का लाभ तभी है जब उसका उपयोग मनुष्य के नियंत्रण में रहे, न कि मनुष्य स्वयं तकनीक के नियंत्रण में आ जाए।

भारत को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण करने के बजाय अपनी सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों के अनुरूप रास्ता तैयार करना चाहिए। बच्चों के लिए निश्चित डिजिटल समय, रात में उपकरणों से दूरी, विद्यालयों में डिजिटल अनुशासन और अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी जैसे कदम प्रभावी हो सकते हैं। सोशल मीडिया कंपनियों को भी बच्चों की उम्र की पहचान, संवेदनशील सामग्री पर नियंत्रण और नाबालिगों की गोपनीयता की रक्षा के लिए अधिक जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए।

अमरीका का फैसला भारत के लिए चेतावनी से अधिक एक अवसर है। हमें यह तय करना होगा कि तकनीक बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाएगी या उनका बचपन ही डिजिटल स्क्रीन में सिमट जाएगा। विकास का अर्थ केवल तेज इंटरनेट और अत्याधुनिक तकनीक नहीं है। वास्तविक विकास तब होगा जब तकनीक के साथ बच्चों का मानसिक, सामाजिक और पारिवारिक विकास भी सुरक्षित रहे। यदि पश्चिमी देश अब बच्चों को रात में सोशल मीडिया से दूर रखने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं तो भारत को भी अपने बच्चों के हित में समय रहते ठोस और संतुलित कदम उठाने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हमले, पांच की मौत

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की मध्यस्थता में हुए संघर्षविराम के बावजूद गाजा में इस्राइली सेना के हवाई हमले जारी हैं। शुक्रवार को इन हमलों में पांच लोगों की मौत हुई। स्थानीय अस्पताल अधिकारियों के मुताबिक, खान यूनिस के पास एक घर पर हुए हमले में दो भाइयों समेत तीन लोगों की जान गई। गाजा सिटी में अलग-अलग हमलों में दो अन्य लोगों की मौत हुई। ईरान ने अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों को 'आर्थिक आतंकवाद' बताया है। दूसरी ओर, फिनलैंड ने यूएनआरडब्ल्यूए को सहायता देने का समझौता आगे नहीं बढ़ाने का फैसला किया है। ब्रिटेन ने गाजा संघर्षविराम निगरानी केंद्र से अपने अधिकारियों को हटाने के किसी भी इस्राइली कदम का विरोध किया है।

एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के पेंटागन फैसले पर संघीय कोर्ट की रोक

पेंटागन , एजेंसी। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने रक्षा मुख्यालय पेंटागन की तरफ से एंथ्रोपिक को काली सूची में डालने के फैसले पर रोक लगा दी। कैलिफोर्निया की संघीय अदालत में एंथ्रोपिक के मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने अपनी अधिकार-सीमा से बाहर जाकर क्लाउड बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आपूर्ति श्रृंखला जोखिम करार दिया। हेगसेथ के एक अभूतपूर्व कदम ने एंथ्रोपिक को कुछ सैन्य अनुबंधों से रोक दिया। यह कदम तब उठाया गया जब एंथ्रोपिक ने सेना को अपने क्लाउड एआई मॉडल का इस्तेमाल अमेरिकी निगरानी या ऑटोनॉमस हथियारों के लिए करने की इजाजत देने से इन्कार कर दिया।

इक्वाडोर के पूर्व राष्ट्रपति मोरेनो भ्रष्टाचार मामले में दोषी

इक्वाडोर , एजेंसी। इक्वाडोर की एक अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति लेनिन मोरेनो को देश के सबसे बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट से जुड़े रिश्वत मामले में दोषी मानते हुए पांच साल जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत ने उन्हें भविष्य में किसी भी सार्वजनिक पद पर रहने से भी स्थायी रूप से अयोग्य करार दिया है। 73 साल के मोरेनो को चीन की सरकारी कंपनी सिनोहाइड्रो से रिश्वत लेने और हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट के ठेके से जुड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क में प्रत्यक्ष भूमिका निभाने का दोषी पाया गया। यह मामला करीब दो अरब डॉलर की लागत से बने 'कोका कोडो सिनक्लेयर हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्लांट' से जुड़ा है। अभियोजन पक्ष के मुताबिक, 2009 से 2018 के बीच फर्जी कंसल्टेंसी कॉन्ट्रैक्ट के जरिए करीब 7.61 करोड़ डॉलर की रिश्वत का लेन-देन किया गया। जांच में आरोप लगाया गया कि इस रकम को विदेशों में खातों और शेल कंपनियों के जरिए पहुंचाया गया।

पाकिस्तान में पुलिस वाहन पर हमला, तीन पुलिसकर्मी घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को अज्ञात बंदूकधारियों ने पुलिस वाहन पर हमला कर दिया। इस हमले में तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, हमला टैंक जिले में डेरा इस्माइल खान रोड पर चकन इलाके के पास हुआ। हमलावरों ने घात लगाकर पुलिस वाहन पर गोलीबारी की। फायरिंग के बाद वाहन पलट गया, जिससे उसमें सवार तीन पुलिसकर्मी घायल हो गए। प्रतिबंधित आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पुलिस ने इलाके में जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, हमले से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

ईरान के नए नेतृत्व ने विरोध के खिलाफ सख्त रुख के संकेत दिए

तेहरान, एजेंसी। छह महीने से जारी युद्ध के बाद ईरान का नया नेतृत्व देश के भीतर किसी भी तरह के विरोध को रोकने के लिए सख्त रुख अपना रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, नए सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अपने आसपास लंबे समय से भरोसेमंद सहयोगियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया है। इनमें ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के नए सचिव मोहसेन रेजाई और बसीज के नए प्रमुख हुसैन ताएब शामिल हैं। खामेनेई ने अभी तक सार्वजनिक रूप से सामने आकर कोई बयान नहीं दिया है। उनके पिता और कई वरिष्ठ नेताओं की 28 फरवरी को युद्ध की शुरुआत में हुए अमेरिकी-इस्राइली हमलों में मौत हो गई थी।

अस्पताल अग्निकांड पर शहबाज सख्त, नवजातों की मौत पर अफसरों पर गिरी गाज; किस-किस पर होगी कार्रवाई?

इस्लामाबाद, एजेंसी। इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज यानी पीआईएमएस के स्त्री रोग वार्ड में बुधवार को भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में 14 नवजात बच्चों की मौत हो गई थी। घटना के कुछ दिन बाद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जांच समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आठ अधिकारियों को उनके पद से हटाने और निलंबित करने का आदेश दिया। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक, इन अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के साथ संबंधित कानूनों के तहत आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जाएगी।

किन अधिकारियों पर गिरी गाज : कार्रवाई की जद में पीआईएमएस के कार्यकारी निदेशक डॉ. राणा इमरान सिकंदर, संयुक्त कार्यकारी निदेशक डॉ. मुताहिर शाह और डॉ. चौधरी अवैस अली शाह शामिल हैं। इनके अलावा नवजात विभाग की प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सादिया रियाज, वरिष्ठ रजिस्ट्रार डॉ. नगहम और डॉ. नौशिला अमजद पर भी कार्रवाई हुई है। पीआईएमएस के सुरक्षा सहायक निदेशक मोहम्मद उस्मान और राजधानी विकास प्राधिकरण के आपात सेवा महानिदेशक डॉ. अब्दुल रहमान को भी पद से हटाने का आदेश दिया गया है।

क्या अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी कार्रवाई होगी : प्रधानमंत्री ने अस्पताल की सुरक्षा की

जिम्मेदारी संभालने वाली कंपनी और उसके अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई को मंजूरी दी है। इससे साफ है कि सरकार हादसे के लिए केवल अस्पताल के अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करने तक सीमित नहीं रहना चाहती। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, जिन अधिकारियों को उनके पदों से हटाया गया है, उनकी जगह नए अधिकारियों की तत्काल नियुक्ति करने का निर्देश भी दिया गया है।

पीआईएमएस का नया कार्यकारी निदेशक कौन होगा : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. मोहम्मद सलमान को पीआईएमएस का कार्यकारी निदेशक बनाने की मंजूरी दी है। वह फिलहाल कार्यकारी निदेशक की जिम्मेदारी संभालेंगे। प्रधानमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को हटाए जाने के बाद खाली हुए पदों पर तत्काल नए लोगों की नियुक्ति करने का भी निर्देश दिया है। सरकार का यह कदम अस्पताल के प्रशासन और व्यवस्था को तुरंत सामान्य करने की कोशिश के तौर पर सामने आया है।

बच्चों को बचाने वाली नर्स को क्या सम्मान मिलेगा : हादसे के दौरान एक बच्चे की जान बचाने वाली नर्स रजिया नूरीन को प्रधानमंत्री ने सम्मानित करने का फैसला किया है। उन्हें सितारा-ए-खिदमत पुरस्कार दिया जाएगा और 10 लाख पाकिस्तानी रुपये की राशि भी दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने उनकी बहादुरी और मानवता की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना बच्चे को बचाया। उन्होंने कहा कि देश को ऐसी जिम्मेदार और कर्तव्यनिष्ठ नर्स पर गर्व है।

हादसे के बाद सरकार ने पीड़ित परिवारों से क्या कहा : स्वास्थ्य मंत्री मुस्तफा कमाल और संसदीय मामलों के मंत्री डॉ. तारिक फजल चौधरी ने शनिवार को पीआईएमएस के बच्चों के वार्ड का दौरा किया। दोनों मंत्रियों ने आग में अपने बच्चों को खोने वाले परिवारों से मुलाकात की। इस दौरान हादसे में जान गंवाने वाले नवजातों के परिवारों से बातचीत की गई। घटना के बाद सरकार की ओर से जांच और जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

फलस्तीन समर्थक छात्रों का अमेरिकी वीजा रद्द नहीं होगा; अफ्रीकी देश नाइजर में सैनिक विद्रोह

गाजा, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि फलस्तीन के समर्थन और इस्राइल की आलोचना करने वाले विदेशी छात्रों के वीजा रद्द करना और उन्हें देश से निकालने की कार्रवाई शुरू करना असांविधानिक है।कैलिफोर्निया के सैन जोस में जिला जज नोएल वाइज ने ट्रंप प्रशासन की वीजा रद्द करने की कार्रवाई की कड़ी आलोचना की। कोलंबिया यूनिवर्सिटी की भारतीय छात्रा रजनी श्रीनिवासन समेत कई छात्रों के वीजा रद्द हुए थे। जज ने अपने फैसले में कहा कि विदेश विभाग और गृह सुरक्षा विभाग ने आव्रजन कानून की धाराओं का इस्तेमाल उन गैर-अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ किया, जिनकी राय सरकार दबाना चाहती थी। अमेरिका में सरकार और उसके नेताओं की आलोचना की आजादी लोकतंत्र की मजबूती का प्रमाण है। जब नागरिकों और गैर-नागरिकों को सरकार की कार्रवाई के डर से अपनी बात रोकनी पड़े, तो लोकतंत्र कमजोर होता है। अदालत ने माना कि वीजा रद्द करने का आधार किसी व्यक्ति की विचारधारा या भाषण को बनाना असांविधानिक है।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी: मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत, किस बात का डर?

कुआलालंपुर, एजेंसी। मोहिदुजमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा।

मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है। पिछले महीने मलयेशिया ने लगभग आधे प्रवासियों को वापस उनके देश भेजने की योजना की घोषणा की है। प्रवासियों, उनके परिवारों और मानवाधिकार समूहों का कहना है कि एक बार म्यांमार लौटने पर वहां की सैन्य सरकार उन सभी को सेना में अनिवार्य रूप से भर्ती कर लेगी। रोहिंग्याओं को तो सबसे बुरे की आशंका है जो अपने ही देश में अलग-थलग हैं और उस हिंसा को झेल चुके है जिसे संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका ने म्यांमार सेना का नरसंहार करार दिया है।

शरणार्थी दर्जे के बावजूद स्थिति बुरी : पिछले एक दशक में म्यांमार से लाखों लोगों ने जातीय सफाये और क्रूर सैन्य शासन से बचने की उम्मीद में मलयेशिया में शरण ली है। हजारों लोगों के पास शरणार्थी का दर्जा है, फिर भी उन्हें लगातार बढ़ रहे भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है।

1500 लोग अगले माह वापस भेजे जाएंगे : मलेशिया के गृह मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि प्रवासियों का आना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन गया है, सरकार हिरासत केंद्रों में बंद लगभग 1,500 प्रवासियों को अगले माह म्यांमार वापस भेजने की तैयारी कर रही है। एक प्रमुख गैर-लाभकारी संगठन नेशनल ह्यूमन राइट्स सोसाइटी के अध्यक्ष रामासेलवम मणिमुथु ने इस बात पर आपत्ति जताई कि नजरबंद लोगों को शरणार्थी के रूप में पंजीकृत होने का विकल्प दिए बिना निकाला जा रहा है।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों की बढ़ी चिंता: बाढ़ के बाद 261 विदेशी लापता, तिब्बत-नेपाल सीमा पर 49 भारतीय भी शामिल

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत-नेपाल सीमा पर 26 अगस्त को आई भीषण बाढ़ के बाद 261 विदेशी नागरिकों का अब तक पता नहीं चल पाया है। चीनी अधिकारियों के मुताबिक, लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। यह बाढ़ ग्यिरोंग पोर्ट के पास आई थी, जो नेपाल और तिब्बत के बीच प्रमुख सीमा पार मार्गों में से एक है। चीनी सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, लापता 261 विदेशी नागरिक 23 देशों से हैं। यह जानकारी विदेश मामलों, सार्वजनिक सुरक्षा, संस्कृति एवं पर्यटन और आपातकालीन प्रबंधन विभागों की संयुक्त खोज और सूचना मिलान के बाद सामने आई है।

किन देशों के नागरिक लापता हैं : चीनी अधिकारियों के अनुसार, लापता विदेशी नागरिकों में सबसे ज्यादा 104 नेपाली हैं। इसके बाद भारत के 49, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक शामिल हैं। इसके अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के छह-छह, दक्षिण अफ्रीका के चार, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के तीन-तीन नागरिकों का पता नहीं चला है। आयरलैंड, एस्टोनिया, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड के दो-दो और कजाकिस्तान, फिनलैंड, लिथुआनिया, पुर्तगाल, यूक्रेन, स्पेन और हंगरी के एक-एक नागरिक भी लापता बताए गए हैं।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से क्या है कनेक्शन : भारत से बड़ी संख्या में तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए तिब्बत पहुंचे थे। यह यात्रा चीन और भारत के बीच संबंधों में सुधार के बाद दोबारा शुरू हुई थी। बताया जा रहा है कि बाढ़ आने के समय कुछ भारतीय तीर्थयात्री तिब्बत-नेपाल सीमा पर स्थित इमिग्रेशन भवन में मौजूद थे। अचानक आई बाढ़ ने ग्यिरोंग काउंटी में भारी तबाही मचाई और इमिग्रेशन भवन भी इसकी चपेट में आ गया। ग्यिरोंग में आई बाढ़ की भयावहता दिखाने वाले कई वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए। इनमें विशाल जलधारा को सीमा क्षेत्र के बड़े इमिग्रेशन भवन को अपनी चपेट में लेते हुए देखा गया। चीनी अधिकारियों की ओर से विदेशी नागरिकों की स्थिति को लेकर जारी आंकड़े ऐसे समय सामने आए हैं, जब लापता लोगों के परिवार अपने परिजनों की जानकारी का इंतजार कर रहे हैं।

नाइजर में तख्ता पलट की कोशिश: युवा सैनिकों ने खोला मोर्चा, कई की मौत; राजधानी में रातभर गोलियों की गूंज

नियामे , एजेंसी। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजर की राजधानी नियामे में सैन्य विद्रोह की कोशिश ने सत्तारूढ़ सैन्य शासन के सामने बड़ा संकट खड़ा कर दिया। राज्य टेलीविजन की रिपोर्ट के मुताबिक, विद्रोह की कोशिश के दौरान कई सैनिक मारे गए या गिरफ्तार किए गए। करीब 24 घंटे तक चली इस उथल-पुथल के दौरान राजधानी में गोलीबारी और धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं।

क्या नाइजर में फिर तख्ता पलट की कोशिश हुई: युवा सैनिकों के एक समूह ने राजधानी के मुख्य एयरपोर्ट परिसर में स्थित अहम सैन्य अड्डे पर विद्रोह का प्रयास किया। रिपोर्ट के मुताबिक, ये सैनिक देश में लगातार बढ़ती उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों में हो रही मौतों से नाराज थे। राज्य प्रसारक आरटीएन ने कई दर्जन, ज्यादातर युवा सैनिकों को

सार्वजनिक रूप से पेश किए जाने की तस्वीरें प्रसारित कीं। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने कई जगहों पर हुई लड़ाई के बाद हालात पर धीरे-धीरे काबू पाया और विद्रोही सैनिकों को गिरफ्तार किया। हालांकि, अभी तक इस बात की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी कि सुरक्षा बलों ने सैन्य अड्डे पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया है।

एयरपोर्ट के सैन्य अड्डे में क्या हुआ : नाइजर के रक्षा मंत्री जनरल सलीफू मोदी के मुताबिक, विद्रोही सैनिकों के एक समूह ने सैन्य अड्डे पर कुछ अधिकारियों को बंधक बना लिया था। इसके बाद उन्होंने कुछ संवेदनशील स्थानों पर गोलीबारी की। सरकार ने इसे सैन्य अनुशासन और नियमों का उल्लंघन बताया। यह सैन्य अड्डा रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यहां नाइजर की वायुसेना का बेस होने के साथ-साथ नाइजर, बुर्किना फासो और माली की संयुक्त सैन्य टुकड़ी का मुख्यालय भी है।

रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने जुंटा की मदद की : विश्लेषकों और राजनयिकों के अनुसार, विद्रोह को दबाने में रूस के अफ्रीका कॉर्प्स ने स्थानीय सुरक्षा बलों को हवाई और जमीनी सहायता दी। रूसी मीडिया ने नाइजर में रूस के राजदूत विक्टर वोरोपायेव के हवाले से बताया कि वरिष्ठ नाइजर सैन्य अधिकारियों ने एयरपोर्ट स्थित अफ्रीका कॉर्प्स के बेस का दौरा किया और विद्रोह दबाने में मदद के लिए उसके सैनिकों का आभार जताया। इस बीच, सैन्य शासन के प्रमुख अब्दुरहामाने त्चियानी के ठिकाने को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं थी। नाइजर में सैन्य शासन 2023 के तख्ता पलट के बाद सत्ता में आया था। उस समय जुंटा ने दावा किया था कि निर्वाचित सरकार देश में बढ़ती सशस्त्र हिंसा को रोकने में विफल रही है। सत्ता संभालने के बाद नाइजर ने अपने पुराने पश्चिमी सुरक्षा साझेदारों से दूरी बनाई और रूस के साथ संबंध मजबूत किए। इसके बावजूद देश में उग्रवादी हिंसा और सुरक्षा बलों पर हमले जारी रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि लगातार बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब सेना के भीतर भी असंतोष को बढ़ावा दे रही है।

नेपाल के बाद चीन में कुदरत का कहर, शिजांग में लैंडस्लाइड में 16 की मौत, 546 हुए लापता, मचा हड़कंप

शिजांग , एजेंसी। चीन के शिजांग क्षेत्र में सीमा के पास स्थित एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना सामने आई है। हादसे में अब तक 16 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि 546 लोग लापता बताए जा रहे हैं। राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। चीन की सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शनिवार शाम 6 बजे अचानक शिजांग के पास एक बंदरगाह पर भूस्खलन की घटना हुई। इसमें अब तक 16 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 546 लोग लापता हैं। लापता लोगों में 49 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। चीनी अधिकारियों ने बताया कि राहत और बचाव दल लगातार अभियान चलाकर लापता

लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

261 विदेशी नागरिकों से संपर्क टूटा : अधिकारियों के मुताबिक, भूस्खलन के बाद 23 देशों के कुल 261 विदेशी नागरिकों से अब तक संपर्क नहीं हो पाया है। इनमें सबसे अधिक 104 नागरिक नेपाल के हैं। इसके अलावा 49 भारतीय, लातविया के 33, अमेरिका के 18 और ब्रिटेन के 15 नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के 6-6 नागरिकों का भी अभी पता नहीं चल पाया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका के 4, जबकि मलेशिया, जर्मनी और रूस के 3-3 नागरिक भी लापता हैं। आयरलैंड और एस्टोनिया के 2-2 नागरिकों के बारे में भी जानकारी नहीं मिल सकी है। इसके अलावा फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड समेत कई अन्य देशों के नागरिक भी लापता लोगों की सूची में शामिल हैं।

भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज : नेपाल के नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी ने बताया कि रसुवा के जिला प्रशासन कार्यालय को जानकारी मिली है कि भोटे कोशी नदी में बाढ़ का बहाव तेज होने की आवाज सुनी गई है। इसलिए, हम रसुवा, नुवाकोट और धाडिंग तक नदी के आस-पास के इलाकों में सावधानी बरतने का अनुरोध करते हैं।

धर्म अलग हो सकते हैं लेकिन मानवता एक है, न्यूयॉर्क में मोहन भागवत का बड़ा बयान

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में 'एक दुनिया, एक मानवता' कार्यक्रम को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यहां मौजूद सभी दिव्य व्यक्तित्वों, मैं आप लोगों की तरह न तो कोई धार्मिक विद्वान हूं और न ही कोई धार्मिक अधिकारी। लेकिन, मैं एक ऐसे समाज में काम कर रहा हूं, जो पारंपरिक रूप से कहता है कि धर्म भले ही भिन्न हों, लेकिन मानवता एक है। सत्य एक है, और मानवता उस सत्य की उपज है।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि आज की दुनिया में, धर्मों को काफी हद तक अनुष्ठानों द्वारा परिभाषित किया जाता है। धार्मिक अनुशासन का पालन करने और दिव्यता के मार्ग पर चलने के लिए, अनुष्ठानों का अनुशासन भी आवश्यक है। लेकिन, धर्म का उद्देश्य क्या है? यह हमें सत्य की ओर ले जाता है। इसलिए, यदि मैं उस प्रकाश की ओर इशारा करूं, तो आप मेरी उंगली को इशारा करते हुए देखेंगे और फिर प्रकाश को देखेंगे। लेकिन, यदि आप मेरी उंगली पर टकटकी लगाए रहेंगे, तो आप कभी प्रकाश को नहीं देख पाएंगे। उद्देश्य अलग है। यह परम सत्य, दिव्यता की खोज है, जिसे हम अलग-अलग नामों से पुकारते हैं।

भारत में सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं : मोहन भागवत ने कहा कि इतिहास के क्रम में यह सब घटित हुआ। मैं उस क्षण की ओर इशारा नहीं कर सकता। उसके बाद, हमारा समाज और हमारा देश विदेशी आक्रमणों का निशाना बने और बहुत कुछ खो गया। लेकिन, वह परंपरा आज भी कायम है, जो आम लोगों को वही बात सिखाती है। एक दुनिया, एक मानवता। लेकिन, जैसा कि आपने कहा, लोग बेवजह बोझ ढोते हैं। हमारे भारत में

सभी धर्मों के लोग एक साथ रहते हैं क्योंकि, परंपरागत रूप से, भारत ने सभी को आश्रय दिया है।

मोहन भागवत ने कहा कि यदि आप स्वयं को हिंदू कहलाना चाहते हैं, तो आपको यह मानना होगा कि सभी मार्ग एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं। प्रत्येक मनुष्य का अपना सम्मान है और मनुष्यों में कोई भेद नहीं है। ये सभी भेद प्रकृति की शोभा बढ़ाते हैं, और हमें इन्हें स्वीकार करना होगा। लेकिन, जो वास्तविकता सदा विद्यमान है, वह यह है कि हम सब एक हैं।

राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है : उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद हमें अपना संविधान मिला, और उसमें इस बात पर जोर दिया गया है। लेकिन, ऐसा नहीं हो रहा है क्योंकि ये चीजें राजनीति से नहीं होतीं। मुझे यह कहते हुए खेद है, लेकिन सच्चाई यह है कि राजनीति अब स्वार्थ का खेल बन गई है। और, जैसा कि आपने सही कहा, जहां 'मैं और मेरा' होता है, वहां कोई समाधान नहीं होता। 'हम और हमारा' ही समाधान है। इसलिए, भारत में हमारा अनुभव यह है कि हमें समाज से शुरुआत करनी होगी। हमने इसकी शुरुआत पहले ही कर दी है। 2018 के बाद, मेरे भाषण के बाद, कई लोगों ने प्रतिक्रिया दी।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच जीवंत सेतु की तरह हैं भारतीय समुदाय : पीएम मोदी

ताशकंद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारतीय प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु की तरह काम करता है। मध्य एशियाई देश उज्बेकिस्तान की अपनी द्विपक्षीय यात्रा के दौरान ताशकंद में भारतीय समुदाय के बड़े समूह ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद में भारतीय समुदाय के प्यार और स्नेह से अभिभूत हूं। हमारा प्रवासी समुदाय भारत और उज्बेकिस्तान के बीच एक जीवंत सेतु है, जो दोनों देशों की दोस्ती को और मजबूत बना रहा है।' उन्होंने स्वागत समारोह के दौरान प्रस्तुत किए गए भारतीय और उज्बेक संस्कृति के मेल वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी सराहना की और कहा कि ये दोनों देशों के गहरे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर तबला प्रस्तुति की एक झलक साझा करते हुए लिखा, 'भारतीय और उज्बेक संगीत परंपराओं का शानदार संगम! तबला, डोइरा और चांग जैसे वाद्ययंत्रों के साथ बेहद खूबसूरती से घुल-मिल गया। यह भारत और उज्बेकिस्तान के बीच गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को दिखाता है।' भारतीय समुदाय की कुछ महिलाओं ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के दौरान उन्हें राखी भी बांधी।

उन्होंने कलाकारों की ओर से प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम भी देखे। प्रधानमंत्री मोदी बच्चों के नृत्य प्रदर्शन को बड़े ध्यान से देखते नजर आए और कार्यक्रम के बाद उनसे हाथ भी मिलाया। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' का दौरा किया और कहा कि यह

उज्बेकिस्तान के लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति का प्रतीक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'ताशकंद पहुंचने के बाद राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ 'यांगी उज्बेकिस्तान स्मारक' पर श्रद्धांजलि अर्पित करने गया। यह स्मारक उज्बेक लोगों की आकांक्षाओं और प्रगति को दर्शाता है। अपनी यात्रा की शुरुआत यहां आकर करने पर खुशी है। प्रधानमंत्री मोदी के साथ उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव भी मौजूद थे। दोनों नेताओं ने यांगी उज्बेकिस्तान पार्क में उज्बेक संस्कृति और इतिहास को दर्शाने वाली कलाकृतियों का अवलोकन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ताशकंद हवाई अड्डे पर मिले गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए राष्ट्रपति मिर्जियोयेव का भी धन्यवाद किया। वह उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर पहुंचे हैं। एक विशेष सम्मान के तौर पर राष्ट्रपति मिर्जियोयेव स्वयं हवाई अड्डे पहुंचे और प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। यह दोनों देशों के बीच पिछले 12 वर्षों में लगातार मजबूत हुई दोस्ती को दर्शाता है।

ताशकंद पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, 'राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव ने ताशकंद में मेरा गर्मजोशी से स्वागत किया। उनके इस विशेष सम्मान के लिए मैं उनका आभारी हूं। यह मेरी उज्बेकिस्तान की चौथी यात्रा है, जो हमारे द्विपक्षीय संबंधों की गहराई और लगातार बढ़ती गति को दर्शाती है।

जानकारी

बाथरूम, टॉयलेट और किचन की सफाई के लिए ब्लीच वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल हो सकता है खतरनाक

हाल ही में की गई एक स्टडी से मालूम पड़ा है कि जो लोग अपने घर की साफ-सफाई में ब्लीच क्लीनर्स का इस्तेमाल कर रहे हैं, उनके घर की हवा प्रदूषित हो रही है। ऐसे घर की हवाओं में कई बीमारियां पल रही हैं, जिसका ध्यान न रखा जाए तो आप भी इसके शिकार हो सकते हैं। क्या आप अपने घर की साफ-सफाई का बहुत ख्याल रखते हैं। अपने घर के टॉयलेट्स, फर्श और वॉश-बेसिन को अच्छे क्लीनर्स और ब्लीच का इस्तेमाल करके साफ करते हैं, तो इस साफ-सफाई के साथ आप अपने घर की हवाओं को प्रदूषित कर रहे हैं। जी हां, इसे सुनकर हैरान न हों क्योंकि यह हम नहीं, हाल ही में की गई एक स्टडी बता रही है। हाल ही में की गई एक स्टडी का मानें तो, जिन लोगों को हर कुछ दिन बाद सर्दी-जुकाम हो जाता है, उनके पीछे आपके घर में इस्तेमाल किए जाने वाले क्लीनर्स हो सकते हैं। दरअसल आपके क्लीनर्स में मिले हुए ब्लीच कमपाउंड, घर में पहले से ही उपस्थित कुछ कणों के जैसे सिट्रस कमपाउंड के साथ मिलकर स्मॉग का रूप ले लेते हैं। यह वही स्मोग के कण हैं, जिसे हम प्रदूषण के उच्च रूप में देखते हैं। इस कमपाउंड के बनने को साइंस की भाषा में 'लिमोनेन' कहा जाता है और आमतौर पर बाहरी स्मोग के अपेक्षाकृत हल्का होता है। यह स्मोग हमारे आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा के लिए परेशानी का करण बन सकता है। दरअसल ब्लीच की गंध भी कुछ इंफेक्शन का कारण हो सकते हैं। खासकर ठंड और फ्लू के मौसम के दौरान यह ब्लीच की गंध कई बीमारियों का कारण बन सकती है।

आंखों, गले, फेफड़े और त्वचा को पहुंचा सकते हैं नुकसान

शोधकर्ताओं के एक समूह ने पाया कि जब ब्लीच धुआं कई घरेलू क्लीनर में पाए जाने वाले सिट्रस कंपाउंड के साथ मिल जाता है, तो यह आपके और आपके पालतू जानवरों के लिए हानिकारक हवाई कण बना सकता है। इस साइट्रस कमपाउंड को लिमोनेन के रूप में जाना जाता है। यह हजारों सफाई उत्पादों और एयर फ्रेशनर्स में पाया जाता है, और कुछ लकड़ी के सामानों में भी पाया जाता है। हालांकि बड़ी मात्रा में इनका संपर्क त्वचा, आंखों, गले और फेफड़ों को परेशान कर सकता है। हवा की उपस्थिति में, यह यौगिक बनाने के लिए ऑक्सीकरण कर सकता है जो त्वचा की एलर्जी का कारण बनता है।

इनडोर वायु गुणवत्ता को करती है प्रभावित

वीओसी (VOC) कई घरेलू उत्पादों द्वारा उत्सर्जित गैसें हैं और यह इनडोर एयर गुणवत्ता को प्रभावित कर सकती हैं। इस हवा का नुकसान यह होता है कि यह हवा में घूमते रहते हैं और घर की सतहों से चिपक जाते हैं। क्योंकि ब्लीच और लिमोनेन वाले उत्पादों का उपयोग अक्सर एक ही इनडोर में किया जाता है। इसे देखकर 'टोरंटो विश्वविद्यालय' और 'पेनसिल्वेनिया के बकनेल विश्वविद्यालय' के शोधकर्ताओं ने देखा कि इन रसायनों के संयुक्त होने पर घर की हवाओं में क्या असर हुआ? तो शोधकर्ताओं ने पाया कि ब्लीच-आधारित क्लीनर के उपयोग के दौरान और बाद में, उच्च मात्रा में हाइपोक्लोरस एसिड और क्लोरीन गैसें निकलती हैं, जो हमारे घर के इनडोर वातावरण में जल्दी से मिल कर अन्य हानिकारक गैसों का निर्माण करती हैं।

ब्लड के जरिए बॉडी में सर्कुलेट करते हैं हानिकारक कण

फ्लोरोसेंट लाइट या सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर, यह कमपाउंड कार्बनिक एरोसोल (SOAs) बनाते हैं। एसओएस की ही वजह से स्मॉग बनना शुरू होता है। जब कण काफी छोटे होते हैं, तो वे फेफड़ों के अंदर जा सकते हैं और खाँसी और सांस की तकलीफ जैसे अल्पकालिक प्रभाव पैदा कर सकते हैं। बहुत महीन कण फेफड़ों के माध्यम से ब्लड में सर्कुलेट होती हैं, जिससे आगे जाकर ब्लड-इंफेक्शन आदि की भी परेशानी हो सकती है।

हार्ट अटैक होने का खतरा

पार्टिकुलेट मैटर के नियमित संपर्क से हार्ट अटैक और सांस लेने में तकलीफ जैसी स्वास्थ्य समस्याएं जुड़ी होती हैं। मौजूदा हृदय रोग, अस्थमा, या अन्य फेफड़ों की स्थिति वाले लोग के लिए यह और अधिक हानिकारक हो सकती है। ऐसे में जरूरी है कि हम ऐसे क्लीनर्स का इस्तेमाल करने से बचें, जिनमें ज्यादा मात्रा में ब्लीच कमपाउंड्स हैं।

इन चीजों से करें घर की साफ-सफाई

- आप एक साधारण क्लीनर जैसे सिरका, पानी या बेकिंग सोडा को क्लीनर के रूप में चुन सकते हैं।■ खुशबू, अमोनिया और ब्लीच से मुक्त सफाई उत्पादों को चुनें।
- ग्रीन सील या इको लोगो द्वारा प्रमाणित उत्पादों की तलाश करें औप उन्हीं का सफाई में प्रयोग करें।

इस मौसम में त्वचा, बाल और नाखून पर फफूंद से इन्फेक्शन का खतरा

फंगस से होने वाले इन्फेक्शन पनपकर परेशानियों का सबब बन सकते हैं। आप जितना इन्फेक्शन को छिपाने की कोशिश करेंगी, जैसे मोजे या जूतों के भीतर, स्थिति उतनी ही खराब होती जाएगी। डॉक्टर अर्चना निरूला के अनुसार त्वचा, बालों और नाखूनों में तीन तरह के फंगस के कारण इन्फेक्शन होता है। यह होते हैं-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो जिंदा रहने के लिए प्रोटीन केरेटिन का इस्तेमाल करते हैं, केंडिडा एल्बिकन्स, यह अधिकांशतः बच्चों के कूल्हों, नाखूनों, नाखून के पास त्वचा की परतों में पाए जाते हैं, और नॉन-केरेटिनोफिलिक फंगी, जो आमतौर पर चोट के कारण क्षतिग्रस्त पैरों की उंगलियों के नाखूनों पर हमला करते हैं।

लगातार बारिश और दिनों के गर्म और उमस भरे होने के कारण मानसून का मौसम फफूंद (फंगस) के बढ़ने के लिए माकूल होता है। शरीर के भीतर फंगस से होने वाले (फंगल) इन्फेक्शन के अलावा बारिश के मौसम में त्वचा, बालों और नाखूनों में भी यह इन्फेक्शन बढ़ जाता है।

पांच सबसे आम फंगल इन्फेक्शन

रिंगवर्म: यह एक संक्रामक फंगल इन्फेक्शन होता है, दाद (रिंगवर्म) बांहों, पैरों की त्वचा के केरेटिन को खा जाता है। यह शरीर के किसी भी भाग पर हमला कर सकता है। यह इन्फेक्टेड व्यक्ति या पशु के संपर्क में आने से फैलता है। एक सामान्य दाद में छल्ले के आकार के लाल घाव बन जाते हैं और त्वचा सूखी, खुजली वाली और कटी-फटी हो जाती है। अधिकांश मामलों में आसानी से मिल जाने वाली एंटी-फंगल क्रीम्स, जेल या स्प्रे के इस्तेमाल से इन्फेक्शन से छुटकारा पाने में मदद मिलती है। सामान्यतया रिंगवर्म इन्फेक्शन कुछ हफ्तों में ठीक हो जाता है, अगर यह लंबा खींच रहा हो तो कृपया डॉक्टर से संपर्क करें।

एथलीट्स फुट: जैसा कि नाम से पता चलता है एथलीट्स फुट खिलाड़ियों में होने वाला एक सामान्य फंगल इन्फेक्शन है। यह रिंगवर्म फैलाने वाली प्रजाति द्वारा ही फैलाया जाता है और आमतौर पर इसकी शुरुआत पैरों की उंगलियों से होती है और यह पूरे पैर में फैल जाता है। रिंगवर्म की ही तरह इसमें भी खुजली, त्वचा का कट-फट जाना और त्वचा का उखड़ना देखने को मिलता है। आसानी से मिल जाने वाली माइकोनेजोल और टर्बिनेफिन जैसी दवाएं इन्फेक्शन के इलाज में सहायक होती हैं । चाय के पेड़ का तेल लगाने या नमक वाले गर्म पानी में पैर रखने जैसे घरेलू उपचारों से भी लक्षणों में राहत मिल सकती है। हालांकि यह गंभीर बीमारी

नहीं है, लेकिन अगर इलाज नहीं किया गया तो यह गंभीर रूप लेकर बहुत दर्दनाक भी हो जाती है।

नाखून का इन्फेक्शन: ओनिकोमायकॉसिस के कारण नाखून पीले और कटे-फटे हो जाते हैं। अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्मेटॉलॉजी के मुताबिक पैर के नाखूनों को हाथ के नाखूनों की तुलना में इन्फेक्शन का ज्यादा खतरा होता है। इसकी वजह धीरे-धीरे बढ़ना, खून की कम आपूर्ति और जूतों के भीतर बंद रहना होता है। सामान्य रूप से मिल जाने वाली दवाएं इस मामले में कम कारगर साबित होती हैं। आपका डॉक्टर इन्फेक्शन के इलाज के लिए मुंह से ली जाने वाली एंटीफंगल दवाएं दे सकता है। विक्स वेपोरब लगाने जैसे घरेलू उपचार लक्षणों में हल्की राहत दे सकते हैं।

टिनिया कैपिटिस: इसे खोपड़ी का दाद (रिंगवर्म ऑफ स्केल्प) भी कहा जाता है। यह बच्चों में आम होता है। इसमें केरियोन-बड़ा दर्द देने वाला घाव प्रमुखता से देखने को मिलता है। यह खोपड़ी पर सफेद धब्बों और अंततः बालों के झड़ने की वजह बन सकता है। इस बीमारी के लक्षणों में लालिमा, सूजन, परतें बन जाना और बाल झड़ना मुख्य लक्षण हैं। टिनिया कैपिटिस का इलाज ग्रिसेयोफल्विन और इट्राकोनेजोल जैसी एंटीफंगल दवाओं के व्यवस्थित इस्तेमाल से किया जा सकता है। इसके अलावा डॉक्टर, फंगस के फैलाव को रोकने के लिए मेडिकेटेड शैम्पू के इस्तेमाल की भी सिफारिश कर सकते हैं। इलाज न किए जाने पर यह इन्फेक्शन गंभीर रूप ले लेता है और सूजन के अलावा बालों के स्थायी नुकसान की भी वजह बन सकता है।

जॉक इच: पेट और जांघ के बीच (ग्रॉइन) में यह इन्फेक्शन आमतौर पर पुरुषों को होता है। लक्षणों में चकत्ते होते हैं जो जांघ, कूल्हों और ग्रॉइन में फैल जाते हैं, खुजली से त्वचा परतदार और खुरदुरी हो जाती है। नेफिटिफिन, सिस्लोपायरॉक्स और माइकोनेजोल जैसे एंटीफंगल लगाने पड़ते हैं। पैर की उंगलियों के फंगस की तरह जॉक इच के भी बार-बार होने की आशंका रहती है। ढीले कपड़े पहनना, नियमित तौर पर शरीर की सफाई, शरीर के फोल्ड्स (जैसे जांघ और पेट के बीच) को सूखा रखना, इन्फेक्शन से बचने में मदद कर सकता है। यहां पर चर्चा किए गए अन्य इन्फेक्शनों की ही तरह जैक इच भी गंभीर नहीं है, लेकिन अगर चकत्ते बड़े हो जाएं तो डॉक्टर से संपर्क किया जाना चाहिए। डॉक्टर का कहना अपनी त्वचा को सूखा रखें। अगर आप बारिश में गीले हो जाएं तो घर लौटते ही तत्काल कपड़े बदलें। जैसा कि हम सभी जानते हैं हर रोज साफ और ताजे मोजे व अंडरवियर पहनना कितना महत्वपूर्ण है। तो जब तक हम इन साधारण से नियमों का पालन करते हैं, मानसून हमारे लिए मुश्किल का सबब नहीं होगा।

सेहत

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर

जाने लक्षण व इलाज

जब ब्रेस्ट कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैलने लगता है और इससे स्तन के साथ-साथ उसके पास के लिम्फ नोड्स में फैलने लगता है तो इससे मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। सबसे आम जगहों पर यह लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलता है।

ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में एक आम समस्या बन गई है। हालात यह है कि भारत में हर 28 में से एक महिला को ब्रेस्ट कैंसर का खतरा है, लेकिन फिर भी बहुत से लोग इसके बारे में पूरी तरह से नहीं जानते। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर (metastatic breast cancer) भी एक ऐसा ही कैंसर है। मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर शब्द शायद बहुत से लोगों के लिए एकदम नया हो। इसे ब्रेस्ट कैंसर का एक फैला हुआ रूप कहा जा सकता है। यह स्तन कैंसर की IV या एडवांस स्टेज है, यह कोई विशिष्ट प्रकार का स्तन कैंसर नहीं है, बल्कि यह स्तन कैंसर की मोस्ट एडवांस स्टेज है। जब ब्रेस्ट कैंसर आपके स्तनों के पास लिम्फ नोड्स, यकृत, फेफड़े, हड्डियों और मस्तिष्क में फैलने लगता है तो यह स्टेज मेटास्टैटिक कही जाती है। कई मामलों में इस स्टेज पर ब्रेस्ट कैंसर का उपचार पूरी तरह नहीं किया जा सकता, लेकिन फिर भी कुछ तरीकों से इसे प्रबंधित किया जा सकता है।

कैंसर के लक्षण

- मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि यह शरीर के किस हिस्से में फैला है। अलग-अलग हिस्सों पर इसका प्रभाव अलग तरह से नजर आता है। जैसे-
- जब स्तन कैंसर हड्डियों तक फैलता है तो इसे बोन मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को अचानक दर्द का अहसास होता है। यह रिब्स, स्पाइन, पेल्विस और हाथ व पैर की लंबी हड्डियों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है।
- ब्रेस्ट कैंसर के फेफड़ों पर फैलने पर उसे लंग मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर कहा जाता है। इसमें व्यक्ति को फेफड़े में दर्द या बेचैनी, सांस की तकलीफ, लगातार खांसी और अन्य कुछ लक्षण नजर आते हैं।
- दिमाग में फैलने वाले स्तन कैंसर के लक्षणों में सिरदर्द, देखने व बोलने की क्षमता का प्रभावित होना, मेमोरी समस्या व अन्य कुछ लक्षण हो सकते हैं।
- लिवर मेटास्टेसिस ब्रेस्ट कैंसर होने पर व्यक्ति को मिड सेक्शन में दर्द का अहसास होता है। इसके अतिरिक्त व्यक्ति को थकान और कमजोरी, वजन कम होना या भूख की कमी व बुखार जैसे लक्षण नजर आते हैं।

इलाज

मेटास्टैटिक ब्रेस्ट कैंसर का पता चल जाने के बाद उसके इलाज के लिए कई तरीके अपनाए जाते हैं। इसके लिए आप अपने डॉक्टर से सलाह ले सकते हैं। इलाज के तरीकों में प्रमुख हैं-

सर्जरी

कुछ मामलों में मेटास्टैटिक स्तन कैंसर होने पर सर्जरी की सलाह दी जाती है। खासतौर से, हड्डियों को टूटने से बचाने या लिवर में कैंसर सेल को रोकने के लिए सर्जरी को एक अच्छा उपचार माना जाता है।

कीमोथेरपी

कीमोथेरेपी का उपयोग मेटास्टैटिक स्तन कैंसर के उपचार में किया जाता है ताकि कैंसर कोशिकाओं को जितना संभव हो उतना नष्ट किया जा सके।

रेडिएशन थेरेपी

कैंसरयुक्त कोशिकाओं को नष्ट करने और कैंसर को फिर से होने से रोकने के लिए रेडिएशन थेरेपी करने की सलाह दी जाती है। रेडिएशन थेरेपी के बिना कैंसर फिर से होने की आशंका 25 प्रतिशत बढ़ जाती है। रेडिएशन थेरेपी के लिए विशिष्ट क्षेत्र में कैंसर को नियंत्रित किया जा सकता है व दर्द से भी काफी हद तक राहत पाई जा सकती है।

हार्मोनल थेरेपी

हार्मोनल थेरेपी दवाओं का उपयोग हार्मोन-रिसेप्टर पॉजिटिव मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर के विकास को कम करने में मदद करने के लिए किया जाता है।

टार्गेटेड थेरेपी

टागरेटेड थैरेपी में कैंसर सेल्स को ब्लॉक करके केवल उसे नष्ट किया जाता है। इस थेरेपी के प्रयोग का एक लाभ यह है कि इससे स्वस्थ कोशिकाओं को किसी तरह का नुकसान नहीं होता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-2-5-7

मिथुन का की कू घ ड छ के को हा

अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-6-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-4-6

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक-5-7-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-3-5-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-4-7-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-1-4-6

काकुरो पहेली - 2573

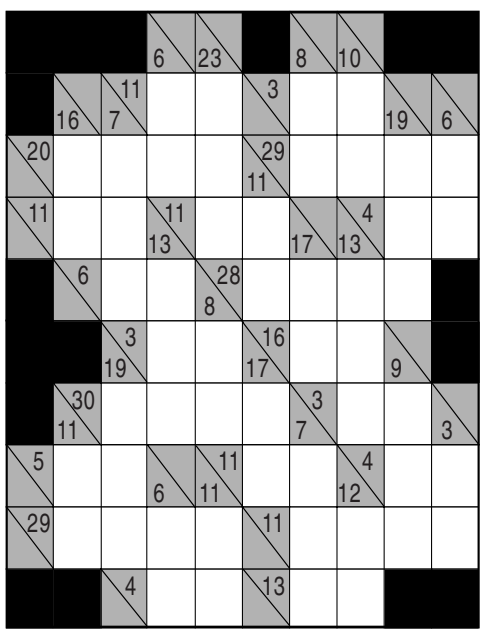

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

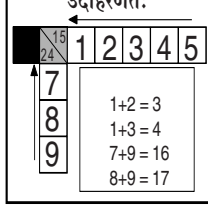

काकुरो - 2572 का हल

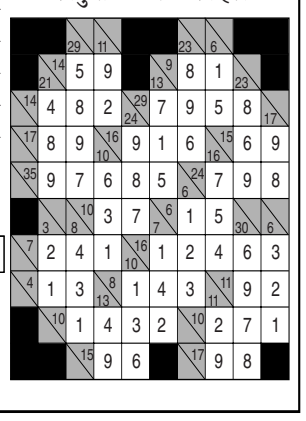

लॉफिंग ज़ोन

राकेश ने मुकेश से पूछा तुमने वाकई उस लड़की से शादी करने का पक्का फैसला कर लिया है?

मुकेश - हां यार, अब मजबूरी है.

राकेश - कैसी मजबूरी है?

मुकेश -वह लड़की इतनी मोटी हो गई है कि मंगनी में जो अगूठी मैंने उसे दी थी, वह उतरती ही नहीं है.

☺ ☺ ☺

ड्राइंग रूम में सजे शेर को देखकर मेहमान ने मेजबान से पूछा, 'बडा सुन्दर शेर है. इसे कहां से लाये हो?'

मेजबान बोला, 'श्रीलंका से, जब वहां मै और चाचा शिकार खेलने गए थे.'

मेहमान - 'इसके पेट में क्या भरा है?'

'मेरे चाचा.' मेजबान बोला.

☺ ☺ ☺

एक सेठ जी अपने बेटे को स्कूल में दाखिल कराने गए तो प्रिंसीपल ने कहा, 'सेठ जी, आपने देर कर दी, अब तो कोई भी सीट खाली नहीं है.'

'आप चिंता मत करे लड़के को दाखिल कर लें, बैठने के लिए कुर्सी मैं घर से भेज दूंगा.'

☺ ☺ ☺

सेठ (खाने की थाली देखकर) - 'इतनी महंगाई में रोटी पर इतना घी?'

नौकर - 'मालिक, माफ करें. शायद गलती से मेरी रोटी आपके पास आ गई.'

फिल्म वर्ग पहेली- 2573

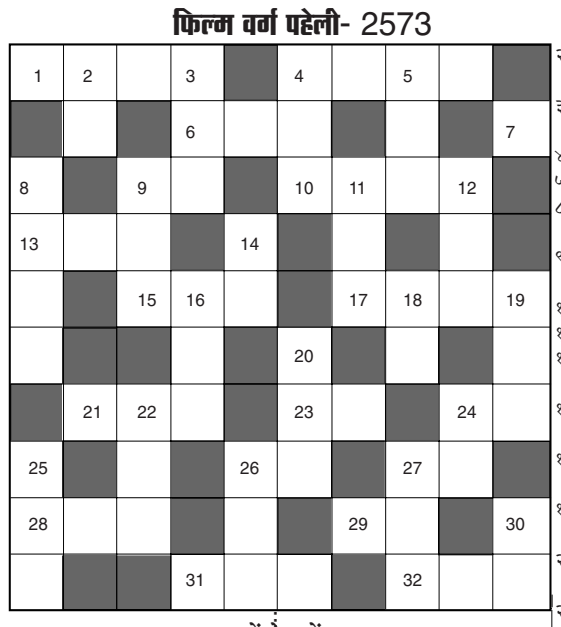

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, खीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2572

य	स	बॉ	स		ह	मे	श		स
हू		र्ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रे		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
श	का		जी		ग		र		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

सूडोकु -2573

8		4	3	9	7	5		6
3					2			
		7	6	5				4
9	6		5			1		7
5		1	4		9	8		2
4		8					5	3
2				6	1	4		
			7					8
7		9	8	3	5	6		1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2572 का हल

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	6	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1

शब्द पहेली - 2573

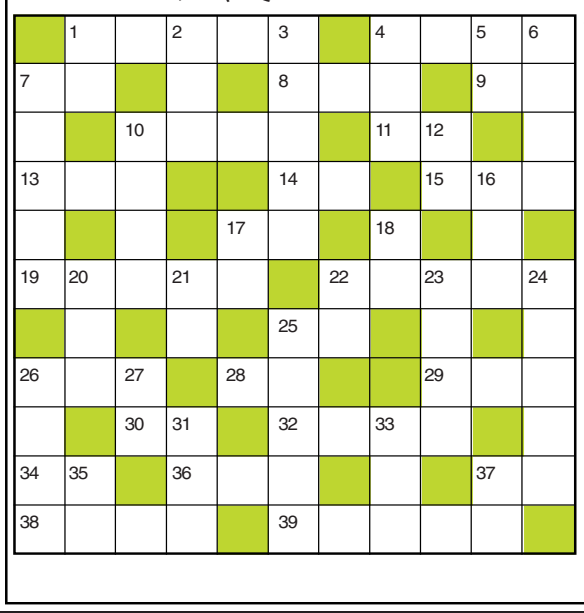

बाएँ से दाएँ

1.सहयोग की भावना-5
4.अकस्मात,एकाएक-4
7.पराजय-2
8.नाव चलाने वाला-3
9.भीगा हुआ-2
10.अनुवाद-4
11.बेल-2
13.योग्य,सही-3
14.घोड़ा गाड़ी-2
15.काव्य,गजल-3
17.अद्वैतभाव,कुर्बान-2
19.नामकरण-2,3
22.राजा का महल-5
25.प्रेम,ममता-2
26.कपडे की दीवार-3
28.रास्ता,मार्ग-2
29.सिर,खोपड़ी-3
30.माप-2
32.गुस्सा करना-4
34.व्यंग,चुटीली बात-2
36.नायक,नेता-3
37.एक आंख वाला-2
38.रचनाकार-4
39.कृष्ण का एक नाम-3,2

ऊपर से नीचे

1.महोदय (अंग्रेजी-2)
2.डरपोक,भीरू-3
3.व्यंग कसना -5
4.बुद्धि-3
5.झुका हुआ-2
6.कर देने वाला-4
7.चोरी करना,छीनना (मु.-2,3)
10.तहखाना-4
12.एकटक देखना-2
16.वियोग,जुदाई-3
17.आमिर,काजोल की नई फिल्म-2
18.खुजली-2
20.घोटना,मंथन करना-3
21.पत्र,चिट्ठी-2
22.रास्ता-2
23.सुगंधित होना-4
24.बिजली का कौंधना-5
25.कुलीन स्त्री,देवी (उर्दू-5)
26.भगवान,ईश्वर-4
27.पेड़ का मध्य भाग-2
31.पटाखे की बाती,-3
33.अभिव्यक्ति-3
35.नृत्य,डांस-2
37.छोटी सवारी गाड़ी-2

शब्द पहेली -2572 का हल

	व	र	दा	न		म	क	स	द	
म			न		अ		ल			नि
न		व्य	व	हा	र	कु	श	ल		य
मा	न	व			दा			कि	म	त
नी		था		आ	स	न		र	न	
	र		हा	रा		ह	त्या		का	
	क	वि		म	क	र		क		रा
ह	म	ला			ल			म	वे	शी
वे		प	र	व	र	दि	गा	र		फ
ली			स		व		य			ल
	र	ह	म	त		घ	ब	रा	ना	

पटना में संदिग्ध परिस्थितियों में चार युवकों की मौत, जहरीली शराब की आशंका

एजेंसी

पटना। बिहार में पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल के बेढना गांव के सैदपुर टोला में रविवार को संदिग्ध परिस्थितियों में चार युवकों की मौत हो गई। शुरुआती जानकारी में मौत की वजह जहरीली शराब पीना बताई जा रही है, हालांकि पुलिस ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। मृतकों की पहचान रामाकांत सिंह के पुत्र शशि कुमार, बिरजू राम के पुत्र विकास राम, नंदे सिंह के पुत्र पंकज सिंह और राजू सिंह के पुत्र निशु कुमार के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। बाढ़ के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) रामकृष्ण ने बताया कि चार युवकों की मौत की सूचना मिली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया है, जिसके बाद मौत के स्पष्ट कारणों का पता चल सकेगा।

इस वर्ष के अंत तक स्वच्छ हो जाएगी गोमती नदी: मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम इस वर्ष के अंत तक गोमती नदी को स्वच्छ बनाने में सफल होंगे। सेना की मध्य कमान ने गोमती नदी की अविरलता व स्वच्छता के लिए प्रदेश सरकार को पूरा सहयोग दिया है, जिससे यह कार्यक्रम युद्ध स्तर पर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ने 9 वर्ष में सुरक्षा, सुशासन की नई यात्रा तय की है। 20 वर्ष पहले राजधानी में रेलवे स्टेशन पर एक बोर्ड लिखा होता था कि 'मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं', लेकिन ट्रैफिक जाम, संकरी गलियों व गंदगी को देखकर मुस्कुराने के बजाय लोग रोने को मजबूर होते थे। किंतु अब लखनऊ ने पुरानी विरासत के साथ आधुनिक स्मार्ट सिटी के रूप में नई पहचान बनाई है।

प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प और व्यापारी समाज के साथ से भारत बनेगा विकसित : नरेन्द्र सिंह तोमर

एजेंसी

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व्यापारियों की कठिनाइयां दूर करने के लिए ही जीएसटी जैसे कर सुधार ले कर आए। इस प्रक्रिया के आरंभ में कुछ कठिनाइयां आईं, लेकिन यह सिद्ध हुआ कि कठिनाई देश के व्यापक हित के लिए हो तो व्यापारी और देश की जनता दोनों उसका सहयोग करते हैं। ऐसे ही प्रधानमंत्री का संकल्प और व्यापारी समाज साथ मिलकर विकसित भारत बनाएंगे। यह विचार मध्य प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने रविवार को भोपाल में विधानसभा परिसर स्थित मानसरोवर सभागार में आयोजित कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के व्यापारिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। इस अवसर पर कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया, कैट के राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीन खंडेलवाल, राष्ट्रीय चेयरमैन ब्रजमोहन अग्रवाल, महिला विंग की संगीता पाटिल सहित संगठन के पदाधिकारी, समाजसेवी एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए व्यापारिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कोलकाता में होगा 'संपर्क' भारत-रूस द्विपक्षीय सम्मेलन, उद्योग, संस्कृति और ऊर्जा पर होगा मंथन

कोलकाता। भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा देने और सहयोग के नए अवसर तलाशने के उद्देश्य से 'संपर्क-भारत-रूस द्विपक्षीय सम्मेलन 2026' का आयोजन आगामी 31 अगस्त को कोलकाता में होगा। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन के जरिए कोलकाता और पूर्वी भारत को भारत-रूस सहयोग के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में स्थापित करने की कोशिश की जाएगी। विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर के हॉल नंबर-5 में सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले सम्मेलन में भारत-रूस संबंधों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। सम्मेलन का मुख्य केंद्रबिंदु उद्योग, संस्कृति और ऊर्जा पर रहेगा। इसके साथ ही व्यापार, निवेश, तकनीक और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। 'संपर्क' का उद्देश्य भारत-रूस संबंधों से जुड़ी चर्चा को पारंपरिक रणनीतिक केंद्रों से आगे बढ़ाकर कोलकाता और पूर्वी गलियारे तक लाना है। आयोजकों के अनुसार, पूर्वी भारत में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक सहयोग की व्यापक संभावनाओं को देखते हुए यह सम्मेलन क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

सड़क हादसे में पांच की मौत

छह की हालत गंभीर

एजेंसी

गुवाहाटी। गुवाहाटी के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर आज रात हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। जबकि 6 लोगों को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की संख्या में इजाफा होने की संभावना जताई जा रही है।पुलिस ने बताया है कि रविवार की रात खेत्री थानांतर्गत मयहांग और भूरागांव के बीच हुए राष्ट्रीय राजमार्ग 27 यर तेतेलिया के निकट गुवाहाटी की ओर आ रही ट्रैवलर बस (एएस-01एचसी-0716) डिवाइडर को पारकर विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक

(एएस-07बीसी-4271) से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि पांच लोगों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद दोनों वाहनों से छह लोगों को गंभीर अवस्था में बरामद कर इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। स्थानीय लोगों के अनुसार, नगांव से गुवाहाटी की ओर आ रही ट्रैवलर वाहन का एक टायर गड्ढे पड़ने के बाद फट गया, जिसकी वजह से ट्रैवलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर को पारकर दूसरी ओर सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गयी। हादसे में ट्रैवलर के ड्राइवर समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है। इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

लिद्दर नदी में छड़ी मुबारक का विसर्जन

अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन

एजेंसी

पहलगाम। पहलगाम में लिद्दर नदी में पवित्र छड़ी मुबारक का विसर्जन किया गया, जिससे इस साल की अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक और आध्यात्मिक समापन हुआ। विसर्जन समारोह पूरे धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। इसके साथ ही हफ़्तों तक चली प्रार्थनाओं, अनुष्ठानों और पवित्र गुफा की यात्रा के बाद यह वार्षिक तीर्थयात्रा पूरी हुई। समारोह को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा और विसर्जन समारोह के शांतिपूर्ण आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए लिद्दर नदी के किनारे राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल की माउंटेन रेस्क्यू टीमों को अलर्ट पर रखा गया था। भगवान शिव का प्रतीक मानी जाने वाली छड़ी मुबारक अमरनाथ यात्रा के पारंपरिक समापन में अहम भूमिका निभाती है। पहलगाम में इसका विसर्जन

वार्षिक यात्रा से जुड़े पवित्र अनुष्ठानों के पूरा होने का संकेत है। विसर्जन के साथ ही अमरनाथ यात्रा का औपचारिक समापन हो गया, जिससे इस साल की तीर्थयात्रा और कश्मीर घाटी में इससे जुड़े धार्मिक समारोह संपन्न हुए।

केरल की दो महिलाओं के शव घर लाने के लिए अमेरिकी कॉन्सल जनरल के संपर्क में हैं सुरेश गोपी

मुझे बताया गया है कि पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद दोनों महिलाओं के शव सौंप दिए जाएंगे।

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केंद्रीय पर्यटन राज्य मंत्री सुरेश गोपी अमेरिका में भारत के कॉन्सल जनरल के लगातार संपर्क में हैं। वे कैलिफोर्निया के मिलपिटास में मारी गईं केरल की दो महिलाओं के पार्थिव शरीरों को उनके गृह राज्य वापस लाने के प्रयासों में जुटे हैं। गोपी ने आईएएनएस को बताया, 'मैं वहां के कॉन्सल जनरल के लगातार संपर्क में हूं। मुझे बताया गया है कि पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद दोनों महिलाओं के शव सौंप दिए जाएंगे। उम्मीद है कि यह काम मंगलवार तक हो जाएगा। इसके बाद, शवों को वहां के रजिस्टर्ड फ्यूनरल होम को सौंप दिया जाएगा। तब तक, परिवारों को अधिकारियों को यह बताना होगा कि शवों को किस जगह ले जाना है।' गोपी और मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने मारे गए लोगों के रिश्तेदारों से बात की है। त्रिशूर की रहने वाली अंजना (35) और उनकी

दोस्त केशवदासपुरम निवासी एन मैरी मैथ्यू (40) की 28 अगस्त को मिलपिटास में मौत हो गई। खबरों के मुताबिक, अंजना को मिल क्रीक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के पार्किंग एरिया में एक नीली एसयूवी ने कुचल दिया था, जबकि एन मैरी एक अपार्टमेंट के अंदर मृत पाई गईं, उन पर चाकू से हमला किया गया था। इन हत्याओं के सिलसिले में मिलपिटास पुलिस ने कोट्टायम के मूननिलावु की रहने वाली और उन दोनों महिलाओं की दोस्त अनीला (32) को हिरासत में लिया है। हालांकि, हत्याओं की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि ये तीनों महिलाएं आपस में अच्छी दोस्त थीं और अपने परिवारों के साथ एक ही अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रहती थीं। इस घटना ने अमेरिका में मलयाली समुदाय को झकझोर कर रख दिया है, खासकर इसलिए क्योंकि इन परिवारों ने हत्याओं से ठीक एक दिन पहले ही साथ मिलकर ओणम मनाया था और फिल्म देखने के लिए थिएटर भी गए थे। अंजना के पति विजीश एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और उनकी छह साल की बेटी है। अंजना कैलिफोर्निया में एक स्कूल टीचर के तौर पर काम करती थीं। चिंगावनम के रहने वाले जैकब की पत्नी एन मैरी अमेरिका के एक स्कूल में कंप्यूटर टीचर थीं। मिलपिटास पुलिस के अनुसार, अंजना की हत्या मिल क्रीक अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के पार्किंग एरिया में हुई थी। घटना में शामिल बताई जा रही नीले रंग की एसयूवी बाद में पास के ही एक पार्किंग एरिया में लावारिस हालत में मिली, उसके अगले हिस्से में कुछ नुकसान भी हुआ था। इसके बाद पुलिस ने अनीला को हिरासत में ले लिया। जांच और कानूनी प्रक्रिया जारी रहने के बीच परिवार वाले अमेरिकी अधिकारियों के संपर्क में हैं।

अघोरी महिला का खौफनाक कृत्य

जलती चिता से मांस खाने का दावा, गुस्साए साधु-संतों ने की कार्रवाई की मांग

एजेंसी

बेंगलुरु। धार्मिक नगरी उज्जैन से सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। वीडियो में खुद को अघोरी और किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बताने वाली काली उर्फ नंद गिरी श्मशान घाट में जलती चिता से कुछ निकालकर खाती नजर आ रही हैं। वीडियो सामने आने के बाद संत समाज और आम लोगों में नाराजगी जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि वीडियो महिला के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा किया गया था।

वायरल वीडियो में महिला यह कहते हुए नजर आती है कि वह चिता से मांस खाएगी। इसके बाद वह हाथ में तलवार लेकर जलती चिता के पास जाती और उसमें से कुछ निकालकर खाने का दावा किया जा रहा है। हालांकि वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। वीडियो सामने आने के बाद उज्जैन के साधु-संतों और अघोर परंपरा से जुड़े लोगों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है।

संतों ने जताई नाराजगी

जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर शैलेशानंद गिरी

महाराज सहित अन्य संतों ने इस कृत्य की निंदा की है। उनका कहना है कि शव और अंतिम संस्कार से जुड़ी मर्यादाओं का उल्लंघन करना गंभीर विषय है और इसे सनातन परंपरा के अनुरूप नहीं माना जा सकता। वहीं अघोर अखाड़े के प्रमुख बाबा विष्णु नाथ ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए अघोर परंपरा का इस तरह प्रदर्शन करना उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रारंभिक स्तर पर इस महिला का किसी मान्य अघोर गुरु या परंपरा से जुड़ाव सामने नहीं आया है।

लखनऊ में जयंत चौधरी ने फूंका संगठन विस्तार का बिगुल, बोले-

सभी वर्गों को साथ लेकर बढ़ेगा रालोद

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक जमीन और संगठनात्मक पहुंच बढ़ाने की कवायद में जुटे राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) ने राजधानी लखनऊ में बड़ा सम्मेलन आयोजित कर विधानसभा चुनाव से पूर्व ताकत दिखाई। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कार्यक्रम में रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार का मंत्र दिया। उन्होंने पुराने कार्यकर्ताओं के अनुभव और नए लोगों की ऊर्जा को साथ लेकर पार्टी को प्रदेश के हर क्षेत्र तक पहुंचाने पर जोर दिया। जयंत चौधरी ने कहा कि संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को छोटे-छोटे मनमुटाव पीछे छोड़ने होंगे। नए लोगों का खुले मन से स्वागत करना होगा और पुराने कार्यकर्ताओं के अनुभवों का लाभ लेकर पार्टी को आगे बढ़ाना होगा। उन्होंने कहा कि रालोद सभी वर्गों को साथ लेकर अपनी राजनीतिक ताकत बढ़ाएगा। सम्मेलन में जयंत चौधरी ने 'एबीसीडी' का

जिक्र करते हुए व्यापक सामाजिक भागीदारी का संदेश दिया। उन्होंने संकेत दिया कि रालोद की राजनीति किसी एक क्षेत्र या वर्ग तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि अलग-अलग सामाजिक समूहों को साथ जोड़कर प्रदेश में अपना आधार बढ़ाया जाएगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए जयंत ने कहा कि राजनीतिक विरोध अपनी जगह है, लेकिन हर विवाद को राजनीति के चश्मे से देखना उचित नहीं है। सम्मेलन में रालोद नेताओं ने प्रदेश की आगामी राजनीति में पार्टी की भूमिका को अहम बताते हुए दावा किया कि भविष्य में सरकार गठन में रालोद की भूमिका निर्णायक हो सकती है। रालोद अध्यक्ष ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। ऐसे में जाति के नाम पर समाज में तनाव और विभाजन पैदा करने की कोशिशों से सभी को सावधान रहना चाहिए। उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने और सभी वर्गों को साथ लेकर चलने की जरूरत बताई। जयंत चौधरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास के साथ युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना जरूरी है। उन्होंने डिफेंस कॉरिडोर को रोजगार के नए अवसरों से जोड़ने की बात कही। जयंत ने बताया कि वह रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर को लेकर चर्चा करेंगे। उन्होंने कहा कि झांसी से लखनऊ तक छह शहर डिफेंस कॉरिडोर से जुड़े हैं।

मोहन भागवत के 'एक मानवता' वाले बयान पर उद्धव ठाकरे ने उठाए सवाल, बोले- भारत में भी लागू करें

'यदि कोई हिंदू यह महसूस करता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह बिल्कुल भी हिंदू नहीं है।'

एजेंसी

मुंबई । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भगवत की आलोचना करते हुए शिवसेना के उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने सोमवार को कहा कि यदि आरएसएस नेतृत्व को 'एक मानवता' के अपने वैश्विक संदेश को विदेशों में विश्वसनीयता दिलानी है, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिपादित सहिष्णु सिद्धांतों को भारत के घरेलू सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में सक्रिय रूप से व्यवहार में लाना और लागू करना होगा। शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित एक संपादकीय में ठाकरे खेमे ने न्यूयॉर्क में भागवत के हालिया भाषण की कड़ी आलोचना की, जहां आरएसएस सरसंघचालक ने 'वसुधैव कुटुंबकम' का आह्वान

करते हुए घोषणा की कि 'यदि कोई हिंदू यह महसूस करता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह बिल्कुल भी हिंदू नहीं है।' संपादकीय में भगवत द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका में इस्तेमाल की गई संयमित शब्दावली को पश्चिमी लोकतांत्रिक मानदंडों और वैश्विक मानवाधिकार ढांचों के अनुरूप एक सुनियोजित प्रयास के रूप में वर्णित किया गया है और यह तर्क दिया गया है कि ये बयान भारत के भीतर जमीनी स्तर के घटनाक्रमों के बिल्कुल विपरीत हैं। ठाकरे गुट ने केंद्र और विभिन्न राज्यों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर अल्पसंख्यक समुदायों के व्यवस्थित बहिष्कार का माहौल बनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि उनके कार्य हिंदू-मुस्लिम सह-अस्तित्व पर भागवत के सार्वजनिक रुख के सीधे विपरीत हैं। इसमें उत्तराखंड के हल्द्वानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के सार्वजनिक संबोधन के बाद स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित एक कथित 'शुद्धिकरण समारोह' का हवाला दिया गया और इसे राजनीतिक उद्देश्यों से प्रेरित एक स्पष्ट रूप से ध्रुवीकृत घरेलू वातावरण के सबूत के रूप में बताया गया। संपादकीय में आरएसएस के चयनात्मक वैश्विक रुख की ओर भी ध्यान दिलाया गया और गाजा में नागरिक हताहतों सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवीय संकटों पर उसकी चुप्पी की आलोचना करते हुए कहा गया कि यह सार्वभौमिक मानवाधिकारों के बजाय बदलती भूराजनीतिक गणनाओं का प्रतिबिंब है।

कर्नाटक सरकार 'गृह लक्ष्मी' योजना के लाभार्थियों की फिर से कराएगी जांच

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक सरकार 'गृह लक्ष्मी' योजना के लाभार्थियों की दोबारा जांच करने की तैयारी कर रही है, ताकि अयोग्य लाभार्थियों को हटाया जा सके और यह पक्का किया जा सके कि आर्थिक मदद सिर्फ जरूरतमंदों तक ही पहुंचे। गारंटी कमेटी के चेयरमैन और सीनियर नेता एच.एम. रेवन्ना इस मामले पर सोमवार को मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार से उनके घर पर मिलेंगे। इस बारे में बाद में घोषणा होने की संभावना है। अधिकारियों के मुताबिक, सरकार ने महिला एवं बाल कल्याण विभाग को यह प्रक्रिया पूरी करने के लिए एक महीने की समय-सीमा दी है, जिसके तहत जिला और तालुक स्तर पर लाभार्थियों की जांच की जाएगी। स्थानीय गारंटी कमेटियों के सदस्य भी इस जांच प्रक्रिया में शामिल होंगे ताकि यह पता लगाया जा सके कि लाभार्थी असली हैं और मासिक सहायता पाने के योग्य हैं या नहीं। दोबारा जांच की प्रक्रिया के लिए लगभग 20 करोड़ रुपये

तय किए गए हैं। कर्मचारी एक खास ऐप के जरिए जानकारी इकट्ठा करने और उसकी पुष्टि करने के लिए लाभार्थियों के घर जाएंगे। इस प्रक्रिया में चेहरा पहचानने (फेस ऑथेंटिकेशन) और बायोमेट्रिक जांच का भी इस्तेमाल किया जाएगा। अधिकारी उन लाभार्थियों की पहचान करने के लिए सर्वे करेंगे जो अब पात्रता की शर्तों को पूरा नहीं करते हैं। जांच प्रक्रिया के तहत उन लोगों की भी जांच की जाएगी जो गुड्स एंड सर्विसेज़ टैक्स (जीएसटी) भर रहे हैं और जो इनकम-टैक्स रिटर्न फाइल कर रहे हैं। सरकार उन लाभार्थियों की पहचान करने के लिए रिकॉर्ड की भी जांच करेगी जिनकी मौत हो चुकी है, लेकिन उन्हें अभी भी सहायता मिल रही है। इस दोबारा जांच का मकसद पारदर्शिता बढ़ाना और स्कीम के तहत फंड के गलत इस्तेमाल और लीकेज को रोकना है। सरकार का इरादा लिस्ट से उन लोगों के नाम हटाना है जो इसके लिए योग्य नहीं हैं और यह पक्का करना है कि स्कीम का फायदा उन महिलाओं को मिले जो असल में आर्थिक मदद पाने की हकदार हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग इस काम में तालमेल बिठाएगा। शहरी इलाकों में रेवेन्यू इंस्पेक्टर और बिल कलेक्टर वेरिफिकेशन और सर्वे करने में अधिकारियों की मदद कर सकते हैं।

गौरतलब है कि सरकार ने अगस्त 2023 में शुरू हुई 'गृह लक्ष्मी' योजना के तहत यह प्रक्रिया शुरू की है। 'गृह लक्ष्मी' योजना कर्नाटक में कांग्रेस सरकार द्वारा घोषित पांच प्रमुख गारंटियों में से एक थी। इस योजना के तहत, घर की मुखिया मानी जाने वाली पात्र महिलाओं को हर महीने 2,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। लाभार्थियों की संख्या बढ़कर लगभग 1.23 करोड़ हो गई है, इसलिए सरकार अब यह पक्का करने के लिए पूरी तरह से वेरिफिकेशन करना चाहती है कि सरकारी पैसा अयोग्य, मृत या किसी अन्य कारण से अयोग्य लाभार्थियों को न दिया जाए।

स्वयंसेवकों के मन में केवल डॉ. हेडगेवार थे, तभी आज 90 हजार शाखाएं हैं : डॉ. कृष्ण गोपाल

एजेंसी

वाराणसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने वाराणसी में कहा कि डॉ. हेडगेवार ने पहली शाखा शुरू करने के बाद बच्चों को स्वयंसेवक के रूप में तैयार कर देश के कोने-कोने में भेजा था। देश के कोने-कोने में गए स्वयंसेवकों के मन में केवल डॉ. हेडगेवार थे, तभी आज नब्बे हजार शाखाएं हैं। आज प्रोफेसर, इंजीनियर भी संघ को दो घंटे दे रहे हैं। सौ वर्ष की यात्रा में संघ के कार्य का विरोध भी हुआ। बावजूद आज भी सौ वर्ष के बाद भी मजबूती से संघ कार्य चल रहा है। संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल वाराणसी में चौकाघाट स्थित गिरिजा देवी सांस्कृतिक संकुल के सभागार में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के काशी महानगर की प्रमुख जन संवाद संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हर राष्ट्र का मौलिक तत्व होता है, हमारे देश का भी मौलिक तत्व है। हजारों वर्ष पहले ऋषियों ने बताया कि ईश्वर है। सर्वे भवन्तु सुखिनः का हमारा मत है। भारत के लोगों ने कभी किसी देश में जाकर उसे लूटा नहीं है। यह भारतीय दर्शन ही बाद में हिंदू दर्शन हुआ। सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि संघ की सौ वर्ष की यात्रा बहुत रोचक है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के बीच में शिव मंदिर है, जिसके मुख्य द्वार पर एक श्लोक लिखा है, जिसमें हिन्दू के नाम को ऊपर रखा गया है तो क्या महामना मदनमोहन मालवीय ने बिना विचार किए हुए यह लिखवाया था। वह हिंदू के पक्षधर रहे। डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारत के लोग बड़े-बड़े उद्यमी थे, इसे विदेशी लेखक ने लिखा है। ऐसा भारत पराधीन हो गया। यहां अकाल में बहुत सारे लोग मर रहे थे। डॉ. हेडगेवार ने तभी सोचा कि यहां के राजा एक होकर लड़ेंगे तो हम जीतेंगे। यहां का नागरिक देशभक्त बनेगा, तभी देश गौरवशाली होगा। उन्होंने तभी कहा था, हजारों वर्ष पुराना भारत जो था, वह वापस लाएंगे। उस समय बच्चों को लेकर एक शाखा शुरू की गई।

6,6,6,6,6,6,6 दलीप ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी की तूफानी बल्लेबाजी

8 रन से शतक से चूके पर तोड़ दिया 57 साल पुराना रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी का रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला थमने नहीं वाला। मौजूदा चैंपियन सेंट्रल जोन के खिलाफ दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में ईस्ट जोन टीम के लिए खेल रहे इस युवा ओपनिंग बल्लेबाज ने टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्होंने 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 15 साल 157 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की।

कप्तान ईशान किशन की गैर-मौजूदगी में ईस्ट जोन टीम की कप्तानी करने वाले सूर्यवंशी ने सोमवार को जबरदस्त बल्लेबाजी की और अर्धशतक लगाया। सूर्यवंशी ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली को जारी रखते हुए तीन छक्कों और पांच चौकों की मदद से 42 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। इसी के साथ ही सूर्यवंशी अब दलीप ट्रॉफी में यह बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली। हालांकि वह

अपने शतक से 8 रन दूर रह गए नहीं तो वह सबसे कम उम्र शतक लगाने वाले खिलाड़ी जाते।

दलीप ट्रॉफी में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बने

सूर्यवंशी ने लक्ष्मण सिंह का 57 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 16 साल 23 दिन की उम्र में टूर्नामेंट में अपना पहला अर्धशतक लगाया था। तब वह दलीप ट्रॉफी में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ी थी और 57 साल से यह रिकॉर्ड कायम था। लेकिन सूर्यवंशी ने 15 साल 157 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाकर इसे धवस्त कर दिया। इस लिस्ट में जाने माने क्रिकेटर पीयूष चावला नाम भी है जिन्होंने जिन्होंने 16 साल 307 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

दलीप ट्रॉफी में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी

1. वैभव सूर्यवंशी- 15 साल 157 दिन
2. लक्ष्मण सिंह (1969)- 16 साल 23 दिन
3. पीयूष चावला (2025)- 16 साल 307 दिन

पहले दिन अनुभवी तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और उनके साथी राइट-आर्म मीडियम पेसर अभिजीत सरकार ने तीन-तीन विकेट लिए और सेंट्रल जोन की टीम को 80.1 ओवर में 266 रनों पर ऑलआउट कर दिया। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन का फैसला एकदम सही साबित हुआ। मुकेश (3/56) और सरकार (3/38) ने मिलकर 6 विकेट लिए, जबकि मोहम्मद शमी (2/42) और ऑफ-स्पिनर मोहम्मद कौनेन कुरैशी (2/49) ने 2-2 विकेट लेकर सेंट्रल जोन की पारी समेट दी।

हालांकि, सुबह के सेशन के दौरान दाहिनी कलाई पर चोट लगने के कारण किशन को बीच में ही मैदान से बाहर जाना पड़ा। जब किशन चोट का इलाज कराने के लिए बाहर थे, तो लंच के आस-पास लगभग एक घंटे तक सूर्यवंशी ने ईस्ट जोन की कप्तानी संभाली। बाद में किशन वापस आए और टीम की कमान अपने हाथों में ली।

फुटबॉल प्रीमियर लीग : चेल्सी ने जीत का सिलसिला जारी रखा, ब्राइटन को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। चेल्सी ने प्रीमियर लीग के अपने पहले ही मैच में ब्राइटन पर 4-3 की रोमांचक जीत दर्ज की और इस तरह सीजन की अपनी विजयी शुरुआत का सिलसिला जारी रखा। रोमियो लाविया, पेड्रो नेटो और जोआओ पेड्रो के गोलों ने घरेलू टीम को तीन गोल की बढ़त दिला दी, जिसे ब्राइटन के जुझारू पलटवार और उनकी अपनी कमजोर रक्षात्मक रणनीति ने लगभग खत्म कर दिया।

यूएस ओपन में बड़ा उलटफेर

नोवाक जोकोविच पहले राउंड में हारकर टूर्नामेंट से हुए बाहर

यूएस (एजेंसी)। चार बार के यूएस चैंपियन नोवाक जोकोविच का यूएस ओपन 2026 का सफर शुरू होते ही खत्म हो गया. उन्हें टूर्नामेंट के पहले ही राउंड में अर्जेंटीना के मारियानो नावोने से दर्दनाक हार का सामना करना पड़ा. इसके साथ जोकोविच के रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम का खिताब जीतने का सपना भी टूट गया।

मारियानो नवोन ने सोमवार को पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में जोकोविच को हराकर बड़ा उलटफेर किया. उन्होंने 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन को 2006 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के शुरुआती दौर में हार का स्वाद चखाया. यह मैच चार घंटे 36 मिनट तक चला, जो किसी मेजर टूर्नामेंट का अब तक का सबसे लंबा पहला राउंड था। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच ने पहला सेट हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन रात भर शारीरिक दिक्कतों से जूझने के बाद आखिरकार वे 6-7, 7-5, 6-4, 2-6, 1-6 से हार गए।

जोकोविच भावुक होकर रो पड़े – आर्थर ऐश स्टेडियम में मैच की शुरुआत से ही जोकोविच को शारीरिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा था. इस दौरान वो कोर्ट पर ही भावुक होकर रो पड़े. खराब मौसम के कारण छत बंद होने से पहले, 39 वर्षीय खिलाड़ी बार-बार अपने सिर पर आइस बैग का इस्तेमाल कर रहे थे. उन्होंने न्यूयॉर्क की उमस भरी गर्मी में सुपरवाइजर से यह भी पूछा कि क्या छत बंद होने के बाद एयर कंडीशनिंग चालू की जा सकती है।

जोकोविच ने सुनहरा मौका गंवाया – जोकोविच के पास यूएस ओपन 2026 जीतकर अपना 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने का सुनहरा मौका था, क्योंकि चोट के कारण वर्ल्ड नंबर 1 जैनिक सिनर इस टूर्नामेंट में नहीं खेल रहे हैं. जबकि डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज चोट से ठीक होने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेलने वाले हैं. लेकिन जोकोविज पहले ही राउंड में बाहर होकर सबको चौंका दिया।

जोकोविच को हराने के बाद नवोन ने क्या कहा?

नवोन ने मैच के बाद कहा, यह अद्भुत है, जिस तरह से हमने गॉट (सर्वकालिक महान खिलाड़ी) के खिलाफ पांच सेट का मुकाबला खेला, उससे मैं बहुत खुश हूं. मुझे नहीं पता, मैं क्या कहूं ?अपने आदर्श खिलाड़ियों में से एक, जोकोविच का पहली बार सामना करने के बारे में नावोन ने कहा, यह अविश्वसनीय है. मेरे लिए इसका बहुत महत्व है. यह एक सपना सच होने जैसा है. सच कहूं तो, 100 प्रतिशत. अब मुझे रिकवर करना है. मुझे लगता है कि लगभग 12 बज चुके हैं, इसलिए हमें सोने जाना होगा।

पाकिस्तान की एक और शर्मनाक हार

इंग्लैंड ने दूसरा टेस्ट 194 रनों से जीतकर सीरीज अपने नाम की

लॉर्ड्स (एजेंसी)। इंग्लैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 194 रनों से हराया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजय बढ़त बना ली. इंग्लैंड ने पाकिस्तान के सामने जीत के लिए 389 रनों का लक्ष्य रखा था, लेकिन पाकिस्तान अपनी दूसरी पारी में सिर्फ 194 रनों पर ऑल आउट हो गया. इस तरह पाकिस्तान लॉर्ड्स टेस्ट और सीरीज दोनों हार गया. इंग्लैंड के लिए ओली रॉबिन्सन और जोश टोंग ने शानदार प्रदर्शन किया. रॉबिन्सन ने मैच कुल 8 विकेट लिए, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया।

पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय – इंग्लैंड दौरे पर पाकिस्तान की बल्लेबाजी चिंता का विषय बन गई है. लॉर्ड्स टेस्ट मैच की पहली पारी में 110 रनों पर ऑल आउट होने के बाद, पाकिस्तान की बल्लेबाजी दूसरी पारी में भी फ्लॉप रही. मिडिल-ऑर्डर के बल्लेबाज सऊद शकील ने जरूर डटकर बल्लेबाजी की और पाकिस्तान को जिताने की कोशिश की, लेकिन उनकी कोशिशें रंग नहीं लाई। दूसरी पारी में पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन सऊद शकील ने बनाए, लेकिन यह खिलाड़ी अपना शतक पूरा नहीं कर सका. जहां शकील ने डटकर बल्लेबाजी की और 97 रन बनाए, वहीं दूसरी तरफ कोई भी खिलाड़ी उनका साथ नहीं दे सका. पाकिस्तान की बल्लेबाजी इतनी खराब रही कि पूरी टीम एक ही दिन में ऑल आउट हो गई और मैच एक दिन पहले ही खत्म हो गया। इससे पहले, मैच के चौथे दिन इंग्लैंड की पूरी टीम दूसरी पारी में 208 रनों पर ऑल आउट हो गई थी. इंग्लैंड के लिए चौथा दिन अच्छा शुरू नहीं हुआ. 7 विकेट पर 177 रनों के स्कोर में सिर्फ 9 रन जोड़ने के बाद, डेन लॉरेंस को मोहम्मद अब्बास ने क्लीन बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया. लॉरेंस ने शानदार बल्लेबाजी की और अर्धशतकीय पारी खेली. उन्होंने 7 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 70 गेंदों में 54 रन बनाए।

एक मेडन, 0 रन, 3 विकेट

एशिया कप टी-20 में दीप्ति शर्मा ने रचा इतिहास

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने महिला एशिया कप में थाईलैंड के खिलाफ तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। टीम इंडिया ने महिला एशिया कप 2026 में जीत के साथ शानदार शुरुआत की. उन्होंने रविवार (30 अगस्त) को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में थाईलैंड को 94 रनों से हराया. भारत ने 159 रन बनाने के बाद थाईलैंड को 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट कर दिया. इस मैच में भारत की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इतिहास रच दिया।

तीसरी भारतीय महिला क्रिकेटर बनी – ये दीप्ति शर्मा का 150वा टी20 इंटरनेशनल मैच था. जिसके साथ वह हरमनप्रीत कौर (203) और स्मृति मंधाना (172) के बाद 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली तीसरी भारतीय बन गईं. इसके अलावा दुनिया में वह 150 या उससे अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली केवल 12वीं महिला क्रिकेटर हैं।

अपने 150वें टी20 इंटरनेशनल मैच में, उन्होंने 7 गेंदों में 3 विकेट लेकर महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया. इस दौरान उन्होंने थाई स्पिनर टिपचा पुट्टावोंग का रिकॉर्ड तोड़ा।

महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट

दीप्ति शर्मा 150 मैचों में 171 विकेट के साथ महिला टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाजों की लिस्ट में टॉप पर पहुंच गई. थाईलैंड की टिपचा पुट्टावोंग दूसरे नंबर पर हैं. रवांडा की हेनरीट इशिमवे 134 मैचों में 164 विकेट के साथ लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं. इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन ने अब तक 113 टी-20 में 154 विकेट लिए हैं और वह चौथे नंबर पर हैं।

थाईलैंड 65 रन पर ऑल आउट

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए, अच्छी शुरुआत के बावजूद भारत 9 विकेट खोकर सिर्फ 159 रन ही बना सका. शेफाली वर्मा ने सबसे ज्यादा 64 रन बनाए, जबकि प्रतिका रावल ने 22 रन का योगदान दिया. स्मृति मंधाना 19 रन पर रन आउट हो गई. जवाब में, थाईलैंड की महिला टीम 16.1 ओवर में 65 रन पर ऑल आउट हो गई. मैच में शानदार पारी खेलने के लिए शेफाली वर्मा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का अवॉर्ड दिया गया।

0 रन देकर 3 विकेट लेने का रिकॉर्ड – दाएं हाथ की ऑफ-स्पिनर दीप्ति ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 1.1 ओवर में एक मेडन, बिना कोई रन दिए तीन विकेट लिए. इसके साथ वो टी20 में सबसे कम रन देकर तीन विकेट ये उससे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड भी अफने नाम कर लिया. इससे पहले ये रिकॉर्ड रेणुका सिंह के नाम था, जिन्होंने 2022 में पांच रन देकर तीन विकेट लिए थे। दीप्ति ने इस उपलब्धि को गर्व का क्षण बताया, लेकिन कहा कि उनका ध्यान अपनी गेंदबाजी में लगातार सुधार करने और टीम के लिए योगदान देने पर है. उन्होंने कहा, 150 से ज्यादा विकेट लेने से भी ज्यादा गर्व की बात भारतीय लोगो के साथ भारतीय जर्सी पहनना है. एक भारतीय खिलाड़ी के तौर पर सही चीजें करना ही सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, मैं यह नहीं सोचती कि मेरा सामना किस खिलाड़ी या टीम से होने वाला है. मेरा ध्यान इस बात पर रहता है कि मैं खुद को कैसे बेहतर बनाती रहूं और अपनी गेंदबाजी इकाई की कैसे मदद करूं।

हैदराबाद मैराथन के 15वें एडिशन में हजारों लोगों ने लिया हिस्सा, इथियोपिया के धावकों ने मारी बाजी

हैदराबाद (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी मैराथन, एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के साथ हैदराबाद में उत्साह का माहौल रहा. तेलंगाना, दूसरे राज्यों और विदेशों से आए हजारों धावकों ने पूरे जोश के साथ फुल, हाफ और 10किमी मैराथन के 15वें एडिशन में हिस्सा लिया. दौड़ पीपल्स प्लाजा नेकलेस रोड से शुरू हुई और गच्चीबॉवली स्टेडियम पर खत्म हुई।

23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया – आयोजकों ने बताया कि इस मैराथन में 32,000 धावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया था और इसमें देश के बड़े शहरों के साथ-साथ 23 देशों के धावकों ने हिस्सा लिया. फुल मैराथन सुबह 4.30 बजे शुरू हुई, जबकि हाफ मैराथन सुबह 5.30 बजे शुरू हुई. मैराथन को त॥स्ष्ट कमिश्नर आर.वी कर्णन ने हरी झंडी दिखाई। धावकों ने हुसैन सागर झील, लोक भवन, केवीआर पार्क, जुबली हिल्स रोड नंबर 45, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज और बायोडायवर्सिटी जंक्शन से होते हुए गच्चीबॉवली स्टेडियम पहुचे. कर्णन ने कहा कि यह गर्व की बात है कि शहर में ऐसी मैराथन आयोजित की जाती है। बता दें कि एक फुल मैराथन 42.195 किलोमीटर (26.2 मील) की होती है और हाफ मैराथन 21.0975 किलोमीटर (13.1 मील) की होती है.

हैदराबाद मैराथन के विनर – इथियोपिया की एमाने सेफू महिलाओं की एलीट कैटेगरी में चैंपियन बनीं, उन्होंने मैराथन 2.46.29 में पूरी की. इथियोपिया की त्सेगा डेस्टा 2.46.57 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केन्या की टेरेसिया ओमोसा ने 2.47.17 के समय के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। भारतीय महिलाओं में, निर्मबेन ठाकोर सबसे आगे रहीं और उन्होंने 2.50.20 का समय लिया. उनके बाद भागीरथी नॉन (2.51.41), मीनाक्षी नेगी (3.08.43), मारिपल्ली उमा (3ऱ18ऱ22) और भगवती डांगी (3.31.28) रहीं। पुरुषों की एलीट कैटेगरी में, इथियोपिया के सेबोका नेगुसे 2.20.57 के समय के साथ चैंपियन बने. केन्या के फेलिक्स किमुताई ने 2.20.57 का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि उनके साथी फ्रांसिस चेरुइयोट ने 2.21.29 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। भारतीय पुरुषों में, गोपी थोनाकल सबसे आगे रहे और उन्होंने कुल मिलाकर चौथा स्थान (2.21.46) हासिल किया. उनके बाद मान सिंह (2.23.56), प्रदीप सिंह चौहान (2.26.12), रंजीत सिंह (2.27.49) और बुगाथा श्रीनू (2.29.56) रहे।

पैरा टेबल टेनिस

भारतीय खिलाड़ियों ने फिनलैंड में जीते 16 पदक, 6 स्वर्ण के साथ अभियान समाप्त

फिनलैंड (एजेंसी)। भारतीय पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने फिनलैंड में आयोजित आईटीटीएफ वर्ल्ड पैरा फ्यूचर लाहटी टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय दल ने प्रतियोगिता में कुल 16 पदक अपने नाम किए, जिसमें छह स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल रहे। भारतीय खिलाड़ियों ने एकल स्पर्धाओं में 10 पदक जीते। इसके बाद युगल मुकाबलों में भी टीम का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और भारत ने दो स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य समेत कुल छह पदक हासिल किए।

पुरुष युगल में रमेशभाई और सुमित ने जीता गोल्ड

रमेशभाई चौधरी और सुमित सहगल ने पुरुष युगल में भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। फाइनल मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने दक्षिण अफ्रीका के इब्राहिम अब्दुल्ला और रकन अब्दुल रहमान को सीधे गेमों में 3-0 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया।

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी जीता स्वर्ण

सुमित सहगल ने मिश्रित युगल में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने दीपिका रानी रामनाथन के साथ जोड़ी बनाकर खिताब पर कब्जा किया। फाइनल में सुमित और दीपिका की जोड़ी ने फिनलैंड के टिमो कालावेई और ऐनो तापोला को 3-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस तरह सुमित ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

सोनल पटेल और रमेशभाई ने जीता रजत

मिश्रित युगल में सोनल पटेल और रमेशभाई चौधरी की जोड़ी ने भी शानदार प्रदर्शन किया और रजत पदक हासिल किया। इसके अलावा भारतीय खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी जीते।

डीपीएल 2026 में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने जीता खिताब

फाइनल में सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज ने शानदार बल्लेबाजी के दम पर सेंट्रल दिल्ली किंग्स को 7 विकेट से हराकर दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में साउथ दिल्ली ने 183 रन के लक्ष्य को महज 18.2 ओवर में 186/3 बनाकर हासिल कर लिया।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने बनाए 182 रन – टॉस के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी सेंट्रल दिल्ली किंग्स की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 182 रन बनाए। समरथ सिंह ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 27 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में कई शानदार शॉट लगाए। कप्तान जोंटी सिद्धू ने भी तेजी से रन बनाए और सिर्फ 19 गेंदों में 36 रन ठोके। उनकी पारी में तीन छक्के शामिल रहे। युगल सैनी ने 29 गेंदों पर 32 रन बनाए, जबकि मनी ग्रेवाल ने आखिरी ओवरों में सिर्फ 7 गेंदों पर 18 रन की तेज पारी खेलकर टीम का स्कोर 180 के पार पहुंचाया।

दिवांश रावत की शानदार गेंदबाजी – साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज के गेंदबाजों ने सेंट्रल दिल्ली को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोकने में अहम भूमिका निभाई।

अंकुर ने अपना पहला डब्ल्यूटीटी खिताब [redacted] और युगल में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अंकुर भट्टाचार्य ने चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी फीडर ओलोमोक टूर्नामेंट में अपना पहला डब्ल्यूटीटी पुरुष एकल खिताब जीता और आकाश पाल के साथ युगल वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल करके दोहरी सफलता हासिल की। विश्व रैंकिंग में 78वें नंबर के खिलाड़ी अंकुर ने एकल फाइनल में स्लोवेनिया के तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डेनी कोजुल को 3-1 (9-11, 11-4, 11-5, 11-6) से हराया। इससे पहले उन्होंने आकाश के साथ मिलकर पुरुष युगल फाइनल में हंगरी के साबा एंड्रास सैंटोसी और पोलैंड के एलन कुलज़िकी ज़ालेव्स्की को 3-1 (11-8, 4-11, 13-11, 11-9) से हराया था। अंकुर के लिए एकल फाइनल की शुरुआत अच्छी नहीं रही, क्योंकि कोजुल ने पहला गेम 11-9 से जीत लिया। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि जल्द ही अपनी लय हासिल कर ली और अगले तीन गेम जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। पुरुष युगल में अंकुर और आकाश ने पहला गेम 11-8 से जीता, लेकिन सैंटोसी और जालेव्स्की ने दूसरे गेम में 11-4 से जीत हासिल करके स्कोर बराबर कर दिया। तीसरे गेम में कड़ी टक्कर के बाद भारतीय जोड़ी ने 13-11 से जीत हासिल करके फिर से बढ़त हासिल ली और फिर चौथे गेम में भी अपना संयम बनाए रखते हुए 11-9 से जीत दर्ज की। अंकुर ने इस तरह से डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज में शानदार सत्र का समापन किया। यहां खिताब जीतने से पहले उन्होंने 2026 में दो टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल और दो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

शक्तिमान के लिए रणवीर की इमेज सही नहीं

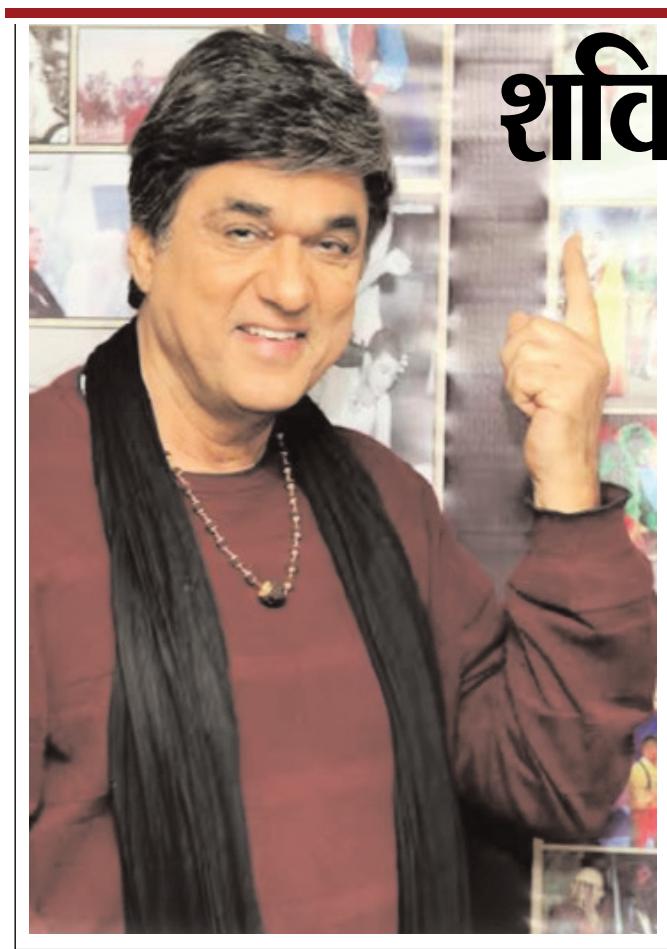

मुकेश खन्ना ने हाल ही में अपने आइकोनिक किरदार शक्तिमान पर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि वह बड़े पर्दे पर 'शक्तिमान' के किरदार के लिए रणवीर सिंह को सही विकल्प नहीं मानते।

'शक्तिमान' पर फिल्म बनाने की चर्चा काफी समय से चल रही है। इस फिल्म के लिए रणवीर सिंह का नाम भी सामने आया था। लेकिन मुकेश खन्ना ने इस कास्टिंग पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। एक इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग मानते हैं कि उन्हें अब 'शक्तिमान' के किरदार से आगे बढ़ जाना चाहिए, तो उन्होंने कहा, 'मैं आगे क्यों बढ़ूं? मैंने शक्तिमान बनाया है।'

मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने सोनी इंडिया और सोनी इंटरनेशनल को अपनी मंजूरी के बिना फिल्म पर आगे बढ़ने से रोक दिया है। उनके मुताबिक, उन्हें पहले एक पेमेंट मिल चुकी थी, लेकिन जब मेकर्स ने कुछ ऐसी शर्तें रखीं जो उनकी शुरुआती सहमति से अलग थीं, तो उन्होंने अगला चेक रोक दिया। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि कमर्शियल तौर पर मैं बेवकूफी कर रहा हूं। मैंने लाखों का नहीं, करोड़ों का चेक ठुकराया है।' एक्टर ने बताया कि उनके ऑफिस में मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें सलाह दी थी कि पैसे ले लें और बाद में इस मामले को देखेंगे। किन मुकेश खन्ना ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उनके लिए पैसा नहीं बल्कि उनके सिद्धांत ज्यादा जरूरी हैं।

शक्तिमान को डिस्को में नाचते नहीं देख सकता

मुकेश खन्ना को इस बात की भी चिंता है कि फिल्म को मॉडर्न बनाने के नाम पर 'शक्तिमान' के किरदार में जरूरत से ज्यादा बदलाव न कर दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कल फिल्म में शक्तिमान को डिस्को में नाचते हुए दिखाया जा सकता है और उसके बाद कुछ और भी ऐसा किया जा सकता है, जो इस किरदार की असली पहचान से मेल नहीं खाता।

मुकेश खन्ना ने बताया कि रणवीर ने करीब तीन घंटे तक उन्हें शक्तिमान के किरदार के लिए मनाने की कोशिश की थी। मुकेश खन्ना ने रणवीर की एनर्जी की तारीफ भी की। उन्होंने बताया कि रणवीर बातचीत के दौरान जमीन पर बैठ गए थे और उनकी एनर्जी देखकर उन्हें दिवंगत अभिनेता देव आनंद की याद आ गई थी। हालांकि, शक्तिमान के किरदार के लिए मुकेश खन्ना को रणवीर की इमेज सही नहीं लगती। उन्होंने कहा, 'रणवीर सिंह 'धुरंधर', 'गली बॉय' और खिलजी का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन शक्तिमान नहीं।' मुकेश खन्ना के मुताबिक, शक्तिमान के लिए एक खास तरह की इमेज और चेहरा चाहिए। उनका मानना है कि रणवीर का चेहरा शरारती और चालाक नजर आता है, जबकि शक्तिमान का चेहरा और व्यक्तित्व पूरी तरह सकारात्मक होना चाहिए।

रणवीर को इस रोल में देखना चाहते हैं मुकेश

दिलचस्प बात यह है कि मुकेश खन्ना रणवीर सिंह को पूरी तरह फिल्म से बाहर नहीं करना चाहते। उन्होंने रणवीर को किलविश का किरदार ऑफर करने की बात भी कही थी। उनका मानना है कि रणवीर ने 'पद्मावत' में अलाउद्दीन खिलजी का किरदार जिस तरह निभाया था, उसे देखते हुए वह किलविश के रोल में अच्छे लग सकते हैं। बता दें कि किलविश 'शक्तिमान' में विलेन का किरदार है।

इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं

'सेक्रेड गेम्स', 'द ट्रायल' और 'सन ऑफ सरदार 2' जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस कुब्रा सैत पर्दे पर जहां बिंदास किरदारों के लिए जानी जाती हैं, वहीं निजी जिंदगी में भी उन्हें खतरों से खेलना पसंद है। एडवेंचर में कुब्रा की जान बसती है, इसलिए वह कभी तंजानिया के किलिमंजारो पर्वत पर ट्रैकिंग करने पहुंच जाती हैं, तो कभी दुनिया की चौथी बड़ी नदी ब्रह्मपुत्र में लहरों से खेलने यानी रिवर राफ्टिंग करने। कुब्रा के मुताबिक, उन्हें खुद को ऐसी असहज परिस्थितियों में डालना पसंद है, क्योंकि इससे उन्हें खुद को जानने का मौका मिलता है।

एडवेंचर ट्रिप से बेहतर टीचर नहीं

बकौल कुब्रा, 'मुझे लगता है कि इंसान की सबसे ज्यादा ग्रोथ तब होती है, जब आप असहज परिस्थिति में होते हैं। अपने कंफर्ट जोन से बाहर होते हैं, इसलिए मुझे खुद को ऐसी परिस्थितियों में डालना अच्छा लगता है क्योंकि इन चीजों से मैं आगे बढ़ पाती हूं। मतलब, जब आप ऐसे ट्रिप्स पर जाते हैं, जहां आपके पास सोने के लिए बेड नहीं होता है। आप टेंट और स्लीपिंग बैग्स में सोते हैं। फिर सुबह साढ़े 7 बजे अपना पूरा बैग पैक करके आपको टेंट से बाहर निकलना है और आपकी सारी उंगलियां सारी सूजी हुई हैं। उस वक्त आप बस यही कोशिश करते हैं कि प्लीज मेरे मुंह से गाली न निकले और मैं 15 मिनट में बैग पैक कर निकल जाऊं तो जो धैर्य आपमें आता है, ये सब बहुत सीख है भाई।'

कुब्रा ने आगे कहा, 'मेरा मानना है कि जब आप जीवन को ऐसे अनुभव करते हैं, तभी एक्टर बन सकते हैं। अगर हर चीज आपके साथ अच्छी रहे कि घर गए, खाना बन गया, सब काम हो गया, तो क्या ही मजा है। इसलिए मैं हर साल ऐसी ट्रिप पर जाती हूं, क्योंकि मुझे खुद को जानने का मौका मिलता है और खुद को जानने का सफर बहुत लंबा है। मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरू किया है।'

कुब्रा का परिवार और करियर

कुब्रा सैत की निजी जिंदगी की बात करें, तो वह कर्नाटक के बेंगलुरु शहर एक मुस्लिम परिवार में पैदा हुईं। उनके पिता का नाम मोहम्मद हदीद हैं और मां यास्मिन सेठ एक बिजनेसवुमन हैं। कुब्रा सैत ने मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह दुबई की माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बतौर अकाउंट मैनेजर भी कार्यरत रहीं।

रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा

दक्षिण भारतीय फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री प्रिया भवानी शंकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इरुमुड़ी' को लेकर चर्चा में हैं। निर्देशक शिव निर्वाण की इस फिल्म में वह अभिनेता रवि तेजा के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वह फिल्म में कावेरी का किरदार निभा रही हैं, जो एक अच्छी पत्नी और मां है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा कि कावेरी उनके लिए बहुत खास है। प्रिया भवानी शंकर ने कहा, ''कावेरी मेरे लिए बहुत खास किरदार रहा है। जब मैंने कहानी सुनी और शिव निर्वाण की बनाई भावनाओं की दुनिया को समझा, तो मुझे ऐसी सच्ची और दमदार कहानी का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई। 'इरुमुड़ी कट्टू' के रिश्तों में गर्मजोशी और भावनाएं हैं। इसी वजह से कावेरी का किरदार निभाने का सफर मेरे लिए बहुत खास रहा.' फिल्म में रवि तेजा के साथ काम करने का मौका मिलने पर भी प्रिया काफी खुश नजर आईं। उन्होंने कहा, ''रवि तेजा के साथ काम करना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव रहा। उनके काम करने के तरीके में सहजता है। इसकी वजह से हमारे साथ वाले सीन काफी आरामदायक और मजेदार रहे। डायरेक्टर को हर किरदार की भावनाओं को लेकर बहुत साफ समझ थी और उनके विजन के हिसाब से काम करना मेरे लिए बहुत खूबसूरत अनुभव रहा।'' उन्होंने कहा, ''इस सफर के दौरान मैंने अपने साथी कलाकारों और टीम के साथ बहुत सारी यादें बनाई। शूटिंग के दौरान कई मजेदार पल आए, खूब हंसी-मजाक हुआ और टीम के बीच ऐसी बातें भी हुईं, जो मेरे लिए निजी याद बन गईं।''

'द रेवोल्यूशनरीज' में दिखेगा रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप

बहुप्रतीक्षित फिल्म 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इसमें रोहित सराफ पूरी ताकत के साथ नजर आ रहे हैं। फिल्म में वह सचिंद्रनाथ सान्याल का किरदार निभा रहे हैं। इस किरदार के जरिए रोहित एक ऐसे दौर और भूमिका में नजर आएंगे, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं निभाया है। यही बात फिल्म को और खास बनाती है। रोहित ने अपने किरदार को बेहतर तरीके से निभाने के लिए अपनी बॉडी और लुक में भी शानदार बदलाव किया है। उनका बदला हुआ शारीरिक रूप और गंभीर अंदाज उनके किरदार को और ज्यादा प्रभावशाली बनाता है। ऐसा लगता है कि रोहित ने सिर्फ यह फिल्म साइन नहीं की है, बल्कि अपने अभिनय में कुछ नया और बड़ा करने का फैसला किया है। ट्रेलर में रोहित के जबरदस्त एक्शन और फाइटिंग सीन्स भी देखने को मिलते हैं। उनके एक्शन सीन काफी दमदार हैं और उनके किरदार की ताकत और जुनून को दिखाते हैं। उनकी एक्टिंग में गुस्सा, जोश और संघर्ष साफ नजर आता है। 'द रेवोल्यूशनरीज' का ट्रेलर रोहित सराफ का एक बिल्कुल नया और बदला हुआ रूप दिखाता है। यह उनके करियर के सबसे अलग और बड़े बदलावों में से एक माना जा सकता है। यह पीरियड ड्रामा उन बहादुर युवा भारतीय क्रांतिकारियों की कहानी पर आधारित है, जो मानते थे कि ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए हथियार उठाकर लड़ना जरूरी था।

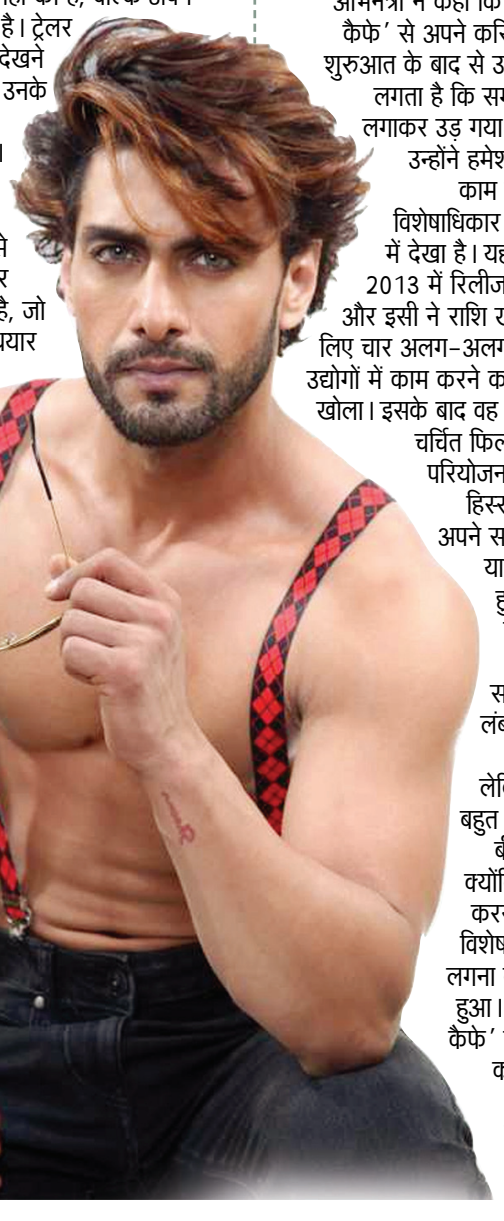

मुश्किल दौर से गुज़र रहे ओरी के लिए खतरों के खिलाड़ी 15 बना भावनात्मक सहारा

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपना शानदार परफॉर्मंस दे रहे ओरी ने हाल ही में शो के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि यह शो उनके लिए सिर्फ खतरनाक स्टंट्स करने का मंच नहीं था, बल्कि खुद को फिर से खोजने की एक खास यात्रा थी।

अपने सोशल मीडिया प्रेजेंस और सेलिब्रिटी सर्कल के लिए मशहूर ओरी ने यह भी खुलासा किया है कि शो में शामिल होने से पहले वह एक मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। एक दर्दनाक अनुभव के बाद वह भावनात्मक रूप से काफी अलग-थलग महसूस करने लगे थे और कई चीज़ों से उनका जुड़ाव कम हो गया था।

ओरी ने यह भी बताया कि एक समय था जब उन्हें छोटी-छोटी बातों में खुशी मिलती थी, लेकिन धीरे-धीरे वह उत्साह कहीं खो गया। ऐसे में 'खतरों के खिलाड़ी' उनके लिए उन एहसासों को दोबारा महसूस करने का जरिया बन गया। गौरतलब है कि केप टाउन में बिताए इस सफर ने उन्हें डर, घबराहट, हंसी और कई भावनात्मक पलों से रूबरू कराया। हालांकि स्टंट्स से ज्यादा बड़ी चुनौती खुद से दोबारा जुड़ना था। ओरी के मुताबिक, इस अनुभव ने उन्हें फिर से जिंदगी को महसूस करना सिखाया और उन भावनाओं से दोबारा मिलवाया, जिन्हें वह खो चुके थे। ऐसे में केप टाउन उनके लिए सिर्फ एक शूटिंग लोकेशन नहीं, बल्कि आत्म-खोज और नए सिरे से खुद को पाने की एक यादगार यात्रा बन चुका है।

राशि खन्ना फिल्म उद्योग में अपने 13 साल के सफर को याद किया

अभिनेत्री राशि खन्ना, जिन्हें हाल ही में फिल्म '120 बहादुर' में विशेष भूमिका में देखा गया था, ने भारतीय फिल्म उद्योग में अपने 13 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेत्री ने कहा कि 'मद्रास कैफे' से अपने करियर की शुरुआत के बाद से उन्हें ऐसा लगता है कि समय पंख लगाकर उड़ गया क्योंकि उन्होंने हमेशा अपने काम को एक विशेषाधिकार के रूप में देखा है। यह फिल्म 2013 में रिलीज हुई थी और इसी ने राशि खन्ना के लिए चार अलग-अलग फिल्म उद्योगों में काम करने का रास्ता खोला। इसके बाद वह देश की चर्चित फिल्मों और परियोजनाओं का हिस्सा बनीं। अपने सफर को याद करते हुए राशि ने कहा, 'तेरह साल एक लंबा समय होता है लेकिन यह बहुत तेजी से बीत गया क्योंकि काम करना कभी विशेषाधिकार लगना बंद नहीं हुआ। 'मद्रास कैफे' को याद करने पर मुझे एहसास होता है कि मैंने शुरुआत क्यों की थी। इस फिल्म ने मुझे ऐसी कहानियां कहने का अवसर दिया जो मेरे लिए मायने रखती हैं, और मैं उन सभी सहयोगियों की आभारी हूं जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया।' अपने डेब्यू के बाद से राशि ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम सिनेमा में काम करते हुए एक मजबूत पहचान बनाई है। उनकी पीढ़ी के चुनिंदा कलाकारों में से वह एक हैं, जिन्होंने चारों फिल्म उद्योगों में अपनी मौजूदगी कायम रखी है। यह विविधता संयोग नहीं बल्कि उनके सोच-समझकर लिए गए फैसलों का परिणाम है, जिसने उन्हें एक उभरती हुई अभिनेत्री से पैन-इंडिया स्टार तक पहुंचाया। वर्तमान में अभिनेत्री राज और डीके की लोकप्रिय वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन की शूटिंग कर रही हैं। इसमें वह एक बार फिर आरबीआई अधिकारी मेघा व्यास की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज में उनके साथ शाहिद कपूर और विजय सेतुपति भी दिखाई देंगे। राज और डीके द्वारा निर्मित और निर्देशित यह क्राइम थ्रिलर एक ऐसे कलाकार की कहानी है, जो आर्थिक परेशानियों से निकलने के लिए नकली नोट बनाने के रास्ते पर चल पड़ता है। राशि खन्ना जल्द ही तमिल एक्शन थ्रिलर 'धर्मन' में सुपरस्टार रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा वह निर्देशक अनीस बज्मी की अगली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भी दिखाई देंगी।

क्या है प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल, कैसे सीखें नहीं होगी जॉब की कमी

जब आप किसी भी कंपनी में इंटरव्यू देने जाते हैं, तो आपसे प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल से संबंधित प्रश्न जरूर पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के माध्यम से कंपनी यह जानना चाहती है कि यदि कंपनी के किसी काम में कुछ समस्या आती है तो आप उसे सुलझा सकते हो या नहीं। क्योंकि ऑफिस में हर दिन किसी न किसी समस्या का सामना करना ही पड़ता है।

चाहे किसी क्लाइंट की समस्या का हल ढूंढना हो या किसी कलीग की मदद करना। समस्याएं हर पेशेवर की जिंदगी का हिस्सा है। अंतर सिर्फ समस्या के स्वरूप का है। इसलिए अपनी प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल को पहचानना और उसे तराशना बेहद जरूरी हो जाता है।

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल क्या है

यह एक ऐसी स्किल है जो अपनी व दूसरों की परेशानियों का हल ढूढ़ने में मदद करता है। इसका अर्थ यह हुआ की व्यक्ति परेशानियों का हल बड़ी जल्दी और आसानी से कर सकता है और ऐसे उपायों को अपनाता है जिससे उसे आ रही दिक्कतों का सामना करने में एक शक्ति मिले। सामान्य तौर पर देखा जाए तो हमें अपने जीवन में कई बार ऐसी परिस्थिति और दिक्कतों से गुजरना पड़ता है। जब हम अकेले होते है और हमारे सुझाव देने वाले व्यक्ति हमसे हमारी बचकानी हरकतो की कोई उम्मीद नहीं करते, इस जगह हमें अपने स्वयं का निर्णय खुद लेना पड़ता हैं।

समस्या की जड़ तक पहुंचकर कारण समझे

किसी भी समस्या को हल करने के लिए सबसे पहले समस्या का मूल कारण पहचानें। जैसे अगर अन्य विभागों की तुलना में आपके विभाग की परफॉरमेंस खराब है, तो उसके कारण पता लगाएं। हो सकता है कि पहली नजर में आपको इसके लिए देर से काम पूरा करने वाले लोग नजर आएं। लेकिन ट्रेनिंग का अभाव या जरूरत से ज्यादा वर्क लोड भी इसकी वजहें हो सकती हैं। इसलिए हमेशा समस्या की मूल वजह जानने की कोशिश करें। वजह जानने के बाद समस्या का विश्लेषण करें। जैसे क्या स्टाफ कम होने की वजह से कर्मचारियों पर वर्कलोड है या फिर कुछ कर्मचारी को अपग्रेड करने की जरूरत है। आपका विश्लेषणात्मक स्किल समस्या को समझने और असरदार तरीके से हल निकालने में मदद करेगा।

प्रॉब्लम सॉल्विंग के लिए जरूरी स्किल्स

कम्यूनिकेशन स्किल

प्राय: देखा गया है की कुछ परिस्थिति ऐसी भी होतीं है जहां बातचीत के माध्यम से भी समस्या का हल निकला जाता है, बड़ी कंपनियां ऐसे कर्मचारी वर्ग की तलाश मे रहती है जिनका कम्यूनिकेशन मजबूत हो, ताकि आने वाले क्लाइंट या कस्टमर से समस्याओं को बहस के माध्यम से भी सुलझाया जा सके।

डिसीजन मेकिंग स्किल

इस स्किल को सबसे अधिक लोगो ने सही माना है क्योंकि व्यक्ति जब स्वयं निर्णय लेता है और उस निर्णय पर काम करता है तो उसे अंदर से साहस और आत्मविश्वास जैसे भावना का निर्माण होता हैं।

रिसर्च स्किल

कुछ व्यक्तियों की प्रवृति चीजों को ढूंढ कर तथा उसमे छुपे रहस्यों को जानकर संतुष्टि मिलती हैं। यही परिस्थिति उसे जब अपनी किसी समस्या का समाधान करने के लिए बोला जाए तो रिसर्च जैसी विधि को अपनाएगा और ऐसे तथ्य को सामने लाने की कोशिश करेगा जो सही हो।

एनालिसिस स्किल

कई बार समस्या को देखने मात्र से ही उसका हल नहीं निकला जा सकता, समस्या इतनी गहरी होती है कि हमें उसमे छुपे राज को ढूंढना और समाधान निकालना शामिल होता हैं। इसमें एनालिसिस स्किल काम आती है।

टीमवर्क स्किल

प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल में टीमवर्क को शामिल किया गया है कभी कभी कुछ ऐसी प्रॉब्लम होती है जिन्हे अकेले सुलझा पाना मुश्किल होता है या इसमें ज्यादा समय निकल जाता है लेकिन ऐसे में अगर सब मिलकर उस प्रॉब्लम पर काम करे तो उसको जल्दी ठीक किया जा सकता है।

इनडिपेंडेंट थिंकिंग स्किल

यह स्किल सबसे बढ़िया मानी गयी हैं, कई बार परिस्थिति ऐसी आ जाती है जब हम उसे समय पर छोड़ देते है ताकि समय के साथ कुछ चीजें बदल जाए, तो समस्या का समाधान अपने आप निकल जाता है। उदाहरण के रूप में देखें तो फैक्ट्री के मजदूरों को कुछ समय के लिए अगर छोड़ दिया जाता, तो वो जॉब के खुद ही अरजेसमेंट करने में सक्षम हो जाते हैं।

क्या है जेनेटिक इंजीनियरिंग?

इसके बाद कहां मिलेगी जॉब

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं, तो जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स और करियर के बारे में यहां जरूर पढ़ें-

मेडिकल साइंस एक जरूरी फील्ड है, जो टेक्नोलॉजी में काफी आगे है। जब रिसर्चर ने बायोलॉजी को प्रोग्रेसिव टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा, तो इसने बायोटेक्नोलॉजी के व्यापक क्षेत्र को बनाया और मेडिकल साइंस में क्रांति ला दी। नए उभरते क्षेत्रों के साथ, बायोलॉजी कई ब्रांच में उभरा है। बायोलॉजी की ऐसी ही एक ब्रांच है, जेनेटिक इंजीनियरिंग है जो बायोटेक्नोलॉजी और जेनेटिक के साइंस को मिक्स करती है। यह किसी विशेष जीव के जीन के सीधे हेरफेर की सुविधा के लिए बायोटेक्नोलॉजी का उपयोग करता है।

यदि आप इस बारे में उत्सुक हैं कि कैसे जेनेटिक और टेक्नोलॉजी हमारे मेडिकल साइंस को देखने के तरीके में क्रांति ला सकती है, तो आप दुनिया भर में ऑफर किए जाने वाले कई जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स में से चुन सकते हैं।

योग्यता

जेनेटिक इंजीनियरिंग में प्रोफेशनल डिग्री हासिल करने के इच्छुक व्यक्ति फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स व बायोलॉजी के साथ अपने 10 + 2 साइंस के बाद बीटेक कोर्स कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग में बीटेक में एडमिशन विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा इन-हाउस आयोजित प्रवेश परीक्षाओं के माध्यम से या देश भर में आईआईटी / एनआईटी और सीएफटीआई के लिए जेईई जैसी राष्ट्रीय इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा के अंकों के माध्यम से किया जाता है।

कोर्स की फीस

यूजी, पीजी और डॉक्टरेट स्तर के लिए न्यूनतम और अधिकतम फीस

यूजी - 6 लाख से 10 लाख रुपए

पीजी - 99 हजार-75 लाख रुपए

डॉक्टरेट - 36 लाख-504 लाख रुपए

स्किल्स

- साइंटिफिक मैथर्ड और नियमों की मजबूत समझ
- पर्ल, पायथन
- कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) का उपयोग करने की क्षमता
- प्रॉब्लम सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग
- ग्राफिक्स या फोटो इमेजिंग
- वर्ड प्रोसेसिंग सॉफ्टवेयर प्रोग्राम
- एक्सीलेंट मैथेमेटिकल, डिडक्टिव और इंडक्टिव तर्क, पढ़ना, लिखना और ओरल कंप्रिहेंसिव स्किल
- लेजर स्पेक्ट्रोमीटर, प्रकाश प्रकीर्णन उपकरण, बायनाकुलर्स लाइट कंपाउंड माइक्रोस्कोप आदि का उपयोग करने की क्षमता।

भारत में टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज

- एसआरएम विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- भारत विश्वविद्यालय चेन्नई, तमिलनाडु
- आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, बिहार
- जवाहरलाल नेहरू उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र, बैंगलोर, कर्नाटक
- महात्मा ज्योति राव फूल विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान
- भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, चेन्नई, तमिलनाडु
- भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर, कर्नाटक
- कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक
- मदुरै कामराज विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
- इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी स्कूल (सेट), शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा

जेनेटिक इंजीनियरिंग कोर्स का सिलेबस

बायोकेमेस्ट्री

बायोकेमेस्ट्री को बायोलॉजी की ब्रांच के रूप में रिफर्ड किया जा सकता है जो किसी भी बायोलॉजिकल प्रोसेस के केमिकल एसपेक्टस से संबंधित है। ऑर्गेनिक मटेरियल के बजाय सिंथेटिक के आ जाने के कारण कंटेम्परारी रिसर्च में बायोकेमेस्टी साइंस की एक जरूरी ब्रांच है। इस बदलाव ने हेल्थ सेक्टर के साथ-साथ माइक्रोबायोलॉजी सेक्टर को भी प्रभावित किया है और बायोकेमेस्ट्री के क्षेत्र में महत्व लाया है।

इम्यूनोलॉजी

इम्यूनोलॉजी एक जीव की प्रतिरक्षा प्रणाली का अध्ययन है और यह कैसे परजीवियों और अन्य रोग पैदा करने वाले जीवों से अपनी रक्षा करता है। इम्यूनोलॉजी माइक्रोबायोलॉजी का एक अनिवार्य हिस्सा है, क्योंकि कुछ घातक बीमारियां जिससे मानव शरीर ग्रस्त हैं, बैक्टीरिया, वायरस और अन्य सूक्ष्मजीवों के कारण होती हैं। इम्यूनोलॉजी इन जीवों से होने वाले नुकसान का पता करने में मदद करती है और इन बीमारियों का इलाज विकसित करने और भविष्य में उन्हें रोकने पर काम करती है।

बायोइनफॉरमैटिक्स

यह एक अंत :विषय सब्जेक्ट है जो जैविक डेटा को समझने के लिए जीव विज्ञान, कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैथ्स को जोड़ता है। इस क्षेत्र का उपयोग मुख्य रूप से जैविक डेटा का आकलन करने और रिसर्च करने के लिए वैध और आवश्यक एलिमेंटस की पहचान करने के लिए किया जाता है।

नैनोटेक्नोलॉजी

नैनोटेक्नोलॉजी एक अन्य अंत :विषय फील्ड है जो जेनेटिक इंजीनियरिंग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और आणविक या परमाणु पैमाने पर पदार्थ के हेरफेर से संबंधित है। हेल्थ केयर में शामिल विभिन्न प्रक्रियाओं को देखने के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग में इस क्षेत्र का उपयोग किया जाता है। नैनो टेक्नोलॉजी और जेनेटिक इंजीनियरिंग दो प्रमुख क्षेत्र हैं जिन्होंने हेल्थ सेक्टर में सुधार के लिए गहन रूप से काम किया है।

देना चाहते हैं जीमैट तो जानें एग्जाम पैटर्न और योग्यता

अगर आप आने वाले दिनों में जीमैट एग्जाम देने वाले हैं, तो एग्जाम पैटर्न से लेकर योग्यता तक पूरी डीटेल जान लें

विदेश की यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करना हर छात्र का सपना होता है। इसके लिए एग्जाम दुनियाभर में आयोजित की जाती है, जिनमें अच्छा स्कोर लाने वाले छात्र विदेश के कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, इन्हीं में से एक है जीमैट एग्जाम। अगर आप अपनी हायर स्टडीज के लिए जीमैट देना चाहते हैं तो आपको इससे जुड़ी सभी जानकारियां यहां दे रहे हैं।

जीमैट क्या है ?

जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है, जिसको पास करने के बाद आप दुनियाभर के टॉप बिजनेस और मैनेजमेंट स्कूल्स में एडमिशन ले सकते हैं। इस परीक्षा को आप तभी दे सकते हैं जब आप ग्रेजुएशन के बाद बिजनेस या मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएशन करना चाहते हो। जीमैट को 110 देशों की यूनिवर्सिटी द्वारा मान्य किया गया है।

जीमैट की योग्यता

जीमैट की परीक्षा देने के लिए किसी खास योग्यता की मांग नहीं की जाती, कोई भी व्यक्ति इस परीक्षा को दे सकता है, लेकिन एग्जाम हो जाने के बाद जिस यूनिवर्सिटी में आपको एडमिशन लेना है उसके बारे में आपको जरूर जानना होगा। आप सबसे पहले ये तय करें की आप किस यूनिवर्सिटी में जाना चाहते हैं, उस यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए कितना जीमैट स्कोर चाहिए होता है और उसकी योग्यता क्या होती है। जीमैट के लिए कैसे अप्लाई करें जीमैट के लिए आप ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं, इसके लिए सालभर रजिस्ट्रेशन होते रहते हैं। सबसे पहले ये तय करें की आपको ग्रेजुएशन के बाद कौन सा कोर्स करना है, वो भी किसी विदेशी यूनिवर्सिटी से, तभी इस एग्जाम को दें। यूनिवर्सिटी की क्या योग्यता है, कितनी फीस है ये सारी डीटेल्स चेक करें। एग्जाम देने के लिए आपकी उम्र भी 18 साल या उससे ज्यादा होनी चाहिए, अगर आपकी उम्र 13 से 17 साल के बीच में है तो आपके पेरेंट्स के हाथों लिखा हुआ लेटर आपको देना पड़ता है।

जीमैट एग्जाम फॉर्मेट

- जीमैट एक ऑनलाइन एग्जाम है जो साढ़े तीन घंटे का होता है इसमें एक सेक्शन खत्म होने पर आपको कुछ मिनट का ब्रेक भी मिलता है। इसमें कुल 4 सेक्शन होते हैं।
- पहला सेक्शन विश्लेषणात्मक लेखन मूल्यांकन का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें सिर्फ 1 ही प्रश्न होता है।
- दूसरा सेक्शन इंटरग्रेटेड रीजनिंग का होता है जो 30 मिनट का होता है, इसमें कुल 12 प्रश्न पूछे जाते हैं
- तीसरा सेक्शन मात्रात्मक तर्क का होता है जो 62 मिनट का होता है, इसमें कुल 31 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- चौथा सेक्शन वरवल रीजनिंग का होता है, ये 65 मिनट का होता है और इसमें 36 प्रश्न पूछे जाते हैं।

कैसे करें तैयारी

- आप सबसे पहले जीमैट एग्जाम फॉर्मेट को समझें, जीमैट आपसे किस तरह के प्रश्न पूछ रहा है ये जानना जरूरी है।
- ये जानने के लिए जब आप रजिस्ट्रेशन करते हैं तो आपको उनकी वेबसाइट पर फ्री स्टडी मटैरियल मिलता है, आप उसे स्टडी करें और पता करें कि किस तरीके से प्रश्न पूछे गए हैं। और फिर उसी तरीके से एग्जाम की तैयारी करें।
- एग्जाम पैटर्न चेक करने के बाद ये देखें कि उस एग्जाम के हिसाब से आप कहाँ पर हैं, मतलब आपकी पढ़ाई में स्थिति कैसी है, फिर उस हिसाब से अपने सिलेबस को कवर करने की कोशिश करें।
- इस एग्जाम के लिए आप सेल्फ स्टडी करें तो ज्यादा अच्छा है लेकिन यदि आपको पढ़ने में ज्यादा दिक्कत हो रही है तो आप कोचिंग भी ले सकते हैं।
- जीमैट की तैयारी के लिए 3 से 6 महीने का समय पर्याप्त माना गया है, अगर आपको इससे ज्यादा समय लग रहा है तो आप कॉलेज के दिनों में ही इसकी तैयारी चालू कर दें।

नीट के बाद सिर्फ डॉक्टर ही नहीं, इन क्षेत्रों में भी बना सकते हैं करियर

हर मां-बाप का सपना होता है, कि उसका बेटा-बेटी बड़े होकर डॉक्टर-इंजीनियर बनें। बचपन में अपने बच्चों को डॉक्टर-डॉक्टर गेम खेलता देख सोचते हैं कि शायद उनका बच्चा डॉक्टर ही बनें। कुछ बच्चे इस सपने को हकीकत में भी बदल देते हैं। मेडिकल के क्षेत्र में करियर बनाने के लिए नीट अहम पड़ाव है। इस परीक्षा को पास करने के बाद जहां कई स्टूडेंट्स मेडिकल क्षेत्र में ही काम करना पसंद करते हैं तो वहीं कई ऐसे भी हैं जो एमबीबीएस के बाद ऑल्टरनेट करियर ऑप्शन भी चुनते हैं। कहा जाता है कि एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास लिमिटेड ऑप्शन होते हैं, लेकिन आज हम आपको बताएंगे कि इस क्षेत्र में आप सिर्फ डॉक्टर ही नहीं बन सकते, बल्कि कई अन्य तरह से भी अपना करियर बना सकते हैं।

बीडीएस में करियर

नीट के बाद आप सिर्फ एमबीबीएस में ही करियर नहीं बना सकते, बल्कि बीडीएस कोर्स की डिग्री भी हासिल कर डेंटिस्ट बना जा सकता हैं। इस फील्ड में भी विकल्प पब्लिक क्लिनिक्स तक ही सीमित नहीं है, कई डेंटिस्ट अपने खुद के क्लीनिक शुरू कर अच्छा करियर बना सकते हैं।

एमडी, एमएस व डिप्लोमा

नीट के बाद यह एमबीबीएस के बाद सबसे ज्यादा चुने जाने वाले ऑप्शन्स में से एक है, जो छात्र अपने मेडिकल करियर को जारी रखना चाहते हैं, वे एमडी या एमएस या डिप्लोमा डॉक्टरों को पोस्टग्रेजुएट कोर्स करते हैं, यह कोर्स छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन हासिल करने की फ्रीडम भी देता है।

एमबीए का कोर्स

आज के समय में लोग डॉक्टर की डिग्री लेने के साथ मैनेजमेंट में भी डिग्री लेना चाहते हैं, ऐसे लोगों के लिए एमबीए बेहतर विकल्प है। कुछ लोग इसे एंटरप्रेन्योरल स्किल डेवलप करने और हेल्थकेयर प्रतिष्ठानों के मैनेजमेंट में करियर के अवसरों का पता लगाने के लिए लेते हैं। इसके लिए एमबीए इन हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, एमबीए इन जनरल मैनेजमेंट, एमबीए इन हॉस्पिटल एंड हेल्थ मैनेजमेंट जैसे कोर्स मौजूद है।

एमएससी का कोर्स

एमबीबीएस के बाद छात्रों के पास एमएससी करना अच्छा विकल्प है, एमबीबीएस ग्रेजुएट्स इनमें से किसी भी क्षेत्र में मास्टर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं, एयरोस्पेस मेडिसिन, एनाटॉमी, एनेस्थीसिया, बायोकैमिस्ट्री, डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोसी, फॉरेंसिक मेडिसन, जेरियाट्रिक, ईएनटी के अलावा कई अन्य क्षेत्र हैं।

संयुक्त चिकित्सा सेवा क्षेत्र

यूपीएससी रेलवे, नगर निगम जैसे सरकारी संस्थानों में चिकित्सा अधिकारियों के रूप में भर्ती के लिए हर साल जुलाई- अगस्त के महीने में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा आयोजित करता है। उम्मीदवार एमबीबीएस की डिग्री के अंतिम वर्ष में उत्तीर्ण होने के बाद परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। यूपीएससी-सीएमएस से जुड़ी प्रतिष्ठा, गौरव और शक्ति भारतीय समाज में कहीं अधिक है। कुछ के लिए यूपीएससी के माध्यम से भर्ती प्राप्त करना लक्ष्य होता है। यह एक अच्छा विकल्प है, यदि आप सरकार के साथ एक स्थायी नौकरी चाहते हैं और यदि आप अस्पताल के प्रशासनिक कार्यबल का हिस्सा बनना पसंद करते हैं।

डीएनबी कोर्स करना

एमबीबीएस के अलावा दूसरा विकल्प डीएनबी कोर्स करना है। डीएनबी कोर्स एक स्नातकोत्तर डिग्री पाठ्यक्रम है जो नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन द्वारा दिया जाता है, यह एमसीआई द्वारा मान्यता प्राप्त है।

क्लीनिकल रिसर्च

जब रिसर्च के क्षेत्र की बात आती है, तो भारत अभी भी ग्रो कर रहा है और डेवलप हो रहा है। इसके लिए क्लिनिकल रिसर्चर्स की बहुत जरूरत होती है। विभिन्न संस्थान जो रिसर्च के अवसर प्रदान करते हैं वे हैं इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च, सीसीएमबी, सेंट जॉन्स रिसर्च इंस्टीट्यूट, डब्ल्यूएचओ। इसके अलावा एम्स, पीजीआई, निमहंस, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च जैसे कई संस्थान पीएचडी डिग्री प्रदान करते हैं।